टीएमसी में सियासी घमासान के... 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

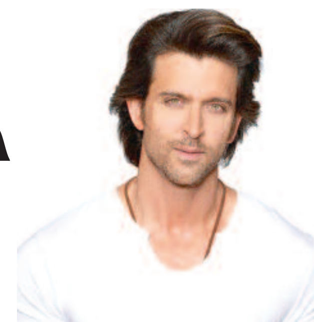
हृतिक रोशन ने पूरी की... 11

वर्ष - 02, अंक - 107 | गाजियाबाद / सोमवार 20 जुलाई 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

वांगचुक की किडनी खराब हो सकती थी, उन्हें इलाज की जरूरत थी

दिल्ली हाईकोर्ट में बोली मोदी सरकार, प्राइवेट हॉस्पिटल भेजने की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में भर्ती सोनम वांगचुक की पत्नी की याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। सरकार की तरफ से पेश एएसजी चेतन शर्मा ने कहा कि, वांगचुक की तबियत लगातार खराब हो रही थी। उनकी किडनी भी खराब हो सकती थी। इसलिए इलाज जरूरी था। इस पर वांगचुक की पत्नी की तरफ से पेश एडवोकेट कपिल सिब्बल ने कहा कि हमें यह भी नहीं पता कि उन्हें कौन-सी दवाएं या इलाज दिया जा रहा है। हम चाहते हैं कि उन्हें

अस्पताल से छुट्टी दी जाए। हमने उन्हें वेदांता अस्पताल में भर्ती कराने की व्यवस्था भी कर ली है। दिल्ली पुलिस शनिवार सुबह वांगचुक को जंतर-मंतर से उठाकर सफदरजंग अस्पताल ले गई थी। अस्पताल में भी वांगचुक की भूख हड़ताल जारी है। रविवार को उनकी भूख हड़ताल का 22वां दिन रहा। उन्होंने ड्रिप, ओआरएस और दवा लेने से इनकार कर दिया है। सीजेपी और वांगचुक 28 जून से नीट पेपर लीक मामले में जवाबदेही तय करने और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग के समर्थन में आमरण अनशन पर हैं।

वांगचुक को उठाने के लिए देर रात आदेश मिला था

दिल्ली पुलिस के आयुक्त अनुराग कुमार के पद संभालने के 24 घंटे में वांगचुक को धरना स्थल से उठवाकर अस्पताल पहुंचा दिया गया। सूत्रों के अनुसार, शुक्रवार रात 1.30 बजे इसके निर्देश मिले। फिर नई दिल्ली जिले के वरिष्ठ अधिकारियों ने मंदिर मार्ग थाने में रणनीति बनाई। एक मिनट में बिना टकराव के वांगचुक को कैसे एम्बुलेंस तक ले जाएं, इसकी रिहर्सल की। जैमर लगाने पर भी चर्चा हुई, ताकि कार्रवाई के वीडियो न फैलें। सुबह 5 बजे अधिकारी जंतर-मंतर पहुंचे। वहां अंतिम ब्रीफिंग दी। फिर सादे कपड़ों में पुलिसकर्मी सफेद चादरें लेकर मंच पर चढ़ गए। कार्रवाई की वीडियोग्राफी से बचने के लिए चादरों का इस्तेमाल किया गया। बीजद अध्यक्ष नवीन पटनायक ने रविवार को केंद्र सरकार से आग्रह किया कि वह परीक्षाओं के आयोजन में कथित अनियमितताओं के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे छात्रों के साथ सार्थक बातचीत शुरू करे और संसद में इस मुद्दे पर विस्तृत चर्चा कराई जाए। दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन का हवाला देते हुए, पटनायक ने कहा कि छात्रों को अपनी चिंताओं को शांतिपूर्ण ढंग से व्यक्त करने के लिए एक मंच दिया जाना चाहिए।

अरब देशों में अलर्ट पर 50 हजार अमरीकी सैनिक

ईरान में बड़ी तबाही मचाने की तैयारी, हालात बिगड़ने की चेतावनी

वॉशिंगटन (एजेंसी)। यूएस सेंट्रल कमांड ने बताया है कि शनिवार को अमेरिकी सेना ने ईरान पर लगातार आठवीं रात बमबारी की है। इन हमलों में ईरान की निगरानी और एयर डिफेंस सुविधाओं, समुद्री क्षमताओं और मिसाइल-ड्रोन स्टोरेज साइटों को निशाना बनाया गया। ये हमले ईरान के जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य बेस को निशाना बनाने के बाद किए गए। जॉर्डन में दो अमेरिकी सैनिकों की मौत हुई है।

इजरायल की घटनाक्रम पर नजर

यरुशलम पोस्ट के मुताबिक, अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव पर इजरायल बारीकी से नजर रख रहा है। अमेरिकी सेना लगातार आठ रातों के हमलों के बाद नौवें दिन भी ऑपरेशन की तैयारी कर रही है। इजरायली अधिकारियों का मानना है कि फिलहाल ईरान ने उनके देश पर हमले से परहेज किया है लेकिन आने वाले दिनों में चीजें किसी भी तरफ जा सकती हैं।

संक्षिप्त समाचार

एमपी में यूसीसी बिल को कैबिनेट की मंजूरी

- सिर्फ तलाक तलाक तलाक बोलने से अब नहीं होगा तलाक

भोपाल (एजेंसी)। जगदीशपुर में आयोजित मोहन कैबिनेट की मीटिंग में कई ऐतिहासिक और अहम फैसले हुए हैं। कैबिनेट ने यूसीसी बिल को मंजूरी दे दी है। मानसून सत्र में इसे विधानसभा में पेश किया जाएगा। सीएम मोहन यादव ने बिल को मंजूरी देने के बाद इसकी महत्वपूर्ण बातों पर

चर्चा की है। उन्होंने कहा है कि किसी भी धर्म और समुदाय के लोगों के लिए मध्य प्रदेश में सिर्फ एक ही शादी की इजाजत है।

एमपी में यूसीसी की अहम बातें

एक ही शादी को मंजूरी- यह कानून सभी समुदायों में केवल एक ही शादी को अनिवार्य बनाता है। कोई भी व्यक्ति एक समय में एक ही जीवित जीवनसाथी के साथ शादीशुदा रह सकता है। शादी की उम्र कोई बदलाव नहीं- विवाह के लिए पुरुषों की न्यूनतम आयु 21 वर्ष और महिलाओं की 18 वर्ष तय की गई है। तीन तलाक बोलकर तलाक नहीं- अब मौखिक तलाक और अनौपचारिक पंचायत के फैसलों को पूरी तरह गैर-कानूनी घोषित किया गया है। अब विवाह का समापन केवल कानून में बताए गए स्पष्ट और वैधानिक आधार पर ही होगा। गर्भावस्था के आधार पर सामान अधिकार- अब महिलाओं को भी यह अधिकार दिया गया है कि यदि उनके पति ने शादी के समय किसी दूसरी महिला को गर्भवती किया है तो पत्नी शादी को रद्द घोषित करने की मांग कर सकती है।

फीफा वर्ल्ड कप फाइनल के लिए केरल में छुट्टी

- आज बंद रहेंगे स्कूल, छात्रों की मांग पर सरकार का फैसला

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल के सामान्य शिक्षा विभाग ने फीफा विश्व कप फाइनल के कारण सोमवार को राज्य के सभी स्कूलों में अवकाश घोषित किया है। शिक्षा विभाग ने रविवार को यह जानकारी दी। विभाग ने बताया कि यह निर्णय उन छात्रों के अनुरोध पर विचार करने के बाद लिया गया जो फुटबॉल के प्रशंसक

हैं और रविवार रात होने वाला विश्व कप फाइनल देखना चाहते हैं। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, यह अवकाश सामान्य शिक्षा विभाग के अंतर्गत आने वाले सभी स्कूलों पर लागू होगा। सामान्य शिक्षा मंत्री एन. शमसुद्दीन ने भी सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से अवकाश की घोषणा की। मंत्री ने लिखा, 'बच्चों अब खुश हो।' उन्होंने कहा कि फुटबॉल प्रेमी छात्रों के अनुरोध को ध्यान में रखते हुए केरल सामान्य शिक्षा विभाग ने फीफा विश्व कप फाइनल के मद्देनजर सोमवार (20 जुलाई) को विभाग के अंतर्गत आने वाले सभी स्कूलों में अवकाश घोषित किया है।

पुंछ-किश्तवाड़ में बादल फटे, हर ओर तबाही

11 लोगों की मौत, 2 साल के मासूम का शव निकाला

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ और किश्तवाड़ में शनिवार रात बादल फट गए। बाढ़-लैंडस्लाइड में अब तक 11 लोगों की मौत हो गई है। पुंछ के सुरनकोट में लैंडस्लाइड से एक मकान मलबे में दब गया। उस वक्त घर में 8 लोग थे। इनमें 2 साल के बच्चे समेत 5 लोगों के शव बरामद किए गए। किश्तवाड़ के सुर्नू इलाके में बादल फटने से लोगों के घरों और खेतों को नुकसान पहुंचा। राजौरी में भी भारी बारिश के बाद धारहाल नदी का जलस्तर बढ़ गया। करीब 200 से 250 गाड़ियां बह गईं। उत्तराखंड में शनिवार को लैंडस्लाइड के बाद केदारनाथ यात्रा के रूट पर घोड़े- खच्चरों की सेवाएं रोक दी गईं और कैलाश-मानसरोवर यात्रियों का एक जत्था भी रुक गया।

उत्तराखंड में भी लैंडस्लाइड, कई जगह मलबे का ढेर जमा

पीटीआई न्यूज एजेंसी को अधिकारियों ने बताया कि नूनाबंदी गांव में घर गिरने से 28 वर्षीय नाजिया कौसर की मौत हो गई। उनके पति मोहम्मद हाफिज और उनके दो से छह साल की उम्र के तीन बच्चे घायल हो गए और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। लोअर मुर्रा में भूस्खलन से एक और घर क्षतिग्रस्त हो गया, जिसके मालिक मोहम्मद लतीफ और उनके परिवार के पांच सदस्य लापता हैं। अधिकारियों के अनुसार, एक अन्य घटना में मरहोते में इरम नामक एक नाबालिग लड़की नाले में डूब गई, जबकि धुंदक लाथूंग पुल के पास एक नाले से एक अज्ञात महिला का शव बरामद किया गया।

एलजी ने स्थिति की समीक्षा की

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बारिश और अचानक आई बाढ़ से प्रभावित पुंछ और राजौरी जिलों में स्थिति की समीक्षा की और अधिकारियों को प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत और सहायता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नागरिक प्रशासन, पुलिस, सेना, राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल और स्थानीय स्वयंसेवकों की बचाव टीमें मौके पर काम कर रही हैं।

राजौरी में अचानक आई बाढ़ बनी कहर

राजौरी सबसे अधिक प्रभावित जिलों में से एक रहा। अधिकारियों ने बताया कि रात भर हुई लगातार बारिश से आई अचानक बाढ़ ने राजौरी शहर के निचले इलाकों को जलमग्न कर दिया, जिससे सैकड़ों निवासियों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए मजबूर होना पड़ा। भारी बारिश के कारण अधिकारियों को रियासी जिले में स्थित सलाल बांध के सभी द्वार खोलने पड़े, जिससे चिनाब नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ गया। अधिकारियों ने नदी किनारे रहने वाले निवासियों को सलाह जारी कर नदी के किनारों से दूर रहने और स्थिति सामान्य होने तक मछली पकड़ने, नहाने, पशु चराने या नदी पार करने का प्रयास न करने का आग्रह किया है।

मानसून सत्र से पहले तीन घंटे चली सर्वदलीय बैठक

40 पार्टियां शामिल, रिजिजू बोले-सबने अपनी बात रखी

रिजीजू ने बताया, आज वंदे मातरम से जुड़ा बिल पेश होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। मानूसन सत्र से एक दिन पहले रविवार को संसद भवन के एनेक्सी बिल्डिंग में सर्वदलीय बैठक हुई। 3 घंटे चली मीटिंग की अध्यक्षता राजनाथ सिंह ने की। मीटिंग में कांग्रेस, सपा, टीएमसी, डीएमके सहित 40 दलों के नेता शामिल हुए। हालांकि बैठक के बीच विपक्ष ने सांकेतिक वॉकआउट किया। विपक्ष का आरोप है कि सरकार ने टीएमसी के बागी 20 सांसदों के गुट को बैठक में क्यों बुलाया, जबकि स्पीकर ओम बिरला ने उनके गुट को अभी तक मान्यता नहीं दी है।

विपक्ष के सवाल; महुआ बोलीं- बागी सांसद यहां क्यों

टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने कहा कि कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, डीएमके, जेएमएम, आम आदमी पार्टी, नेशनल कॉन्फ्रेंस, वामपंथी दलों और शिवसेना (यूबीटी) समेत पूरे विपक्ष ने सर्वदलीय बैठक का वॉकआउट किया है। उन्होंने कहा कि टेबल ऑफिस की लिस्ट में अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस की सदस्य संख्या 28 दिखाई गई है, जबकि एनसीपीआई नाम की एक गैर-मान्यता प्राप्त पार्टी के 20 बागी सांसदों के विलय को स्पीकर ने मंजूरी नहीं दी है और उनकी अयोग्यता की याचिकाएं अभी लंबित हैं।

पीवी सिंधु जापान ओपन जीतने वाली पहली भारतीय बनीं

टोक्यो (एजेंसी)। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने जापान ओपन सुपर-750 बैडमिंटन टूर्नामेंट जीत लिया है। वे यह टूर्नामेंट जीतने वाली पहली भारतीय बनी हैं। 31 साल की सिंधु ने रविवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में जापान की अकाने यामागुची को 21-17, 21-17 से हराया। यह मैच 50 मिनट तक चला। सिंधु 4 साल बाद यामागुची को किसी फुल मैच में हरा सकी हैं। उन्हें पिछली जीत थाईलैंड ओपन में 2022 में मिली थी। पिछले साल मलेशिया ओपन में यामागुची रिटायर हर्ट हो गई थीं। सिंधु ने 2 साल बाद कोई खिताब जीता है। उन्होंने 2024 में सैयद मोदी इंटरनेशनल जीता था। वे 2022 में सिंगापुर ओपन सुपर 500 में चैंपियन बनी थीं।

राममंदिर चढ़ावा चोरी पर राहुल गांधी ने मोदी को लिखी चिट्ठी

कहा-आपकी चुप्पी स्वीकार नहीं, ट्रस्ट के खाते सार्वजनिक हों

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पीएम मोदी को चिट्ठी लिखी है। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट के वित्तीय मामलों की स्वतंत्र जांच कराई जाए। खातों को सार्वजनिक किया जाए, ताकि हर भक्त जान सके कि चढ़ावे का इस्तेमाल कहां और कैसे हुआ। जांच में जो भी जिम्मेदार पाए जाएं, उनकी जवाबदेही तय हो। शनिवार को लिखी चिट्ठी रविवार को सामने आई। उन्होंने पीएम मोदी से कहा-आपने संसद में ट्रस्ट के गठन की घोषणा की थी, लेकिन इसके सदस्यों की नियुक्ति पूरी तरह से सरकार ने की।

संघ और विहिप ने 23 जुलाई को संतों का सम्मेलन बुलाया

राम मंदिर चढ़ावा चोरी के बीच विश्व हिंदू परिषद और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने 23 जुलाई को अयोध्या की मणिराम छावनी में संतों का सम्मेलन बुलाया है। सूत्रों के मुताबिक, आरएसएस के स्वयंसेवक और वीएचपी के कार्यकर्ता श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाएगी। संभल में शनिवार को ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिममीन के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने यूपी सरकार पर हमला बोला। राम मंदिर चढ़ावा चोरी को लेकर उन्होंने कहा कि जब ट्रस्ट में जिलाधिकारी और प्रमुख सचिव जैसे अधिकारी शामिल थे।

30 साल बाद घर लौटेगा पर्वतारोही जवान का शव

● माउंट एवरेस्ट पर तूफान में फंसे थे लद्दाख के दोरजे ● 26 हजार फीट ऊपर गुफा में शरीर, डीएनए से पुष्टि

लेह (एजेंसी)। माउंट एवरेस्ट की बर्फीली चोटियों पर 26,247 फीट ऊंचे डेथ जोन में पिछले 30 सालों से एक पर्वतारोही का शरीर बर्फ में जमा है। पैरों में हरे जूते होने के कारण दुनिया उसे ग्रीन बूट्स के नाम से जानती रही।

सालों तक इसे आईटीबीपी के हेड कांस्टेबल शेवांग पाल्जोर का शव माना गया, लेकिन हाल में हुए डीएनए टेस्ट से पुष्टि हुई कि यह लांस नायक दोरजे मोरुप का पार्थिव शरीर है। अब 30 साल इंतजार के बाद इस साल

अक्टूबर तक लद्दाख में दोरजे के परिवार को उनका शव सौंपा जाएगा। दोरजे मोरुप, शेवांग पाल्जोर और सूबेदार शेवांग समनला 1996 में तिब्बत के उत्तरी मार्ग से एवरेस्ट फतह करने निकली पहली भारतीय तीन सदस्यीय टीम का हिस्सा थे। 10 मई 1996 को शिखर के पास तीनों भीषण बर्फीले तूफान में फंस गए थे। यह अभियान बाद में 1996 माउंट एवरेस्ट डिजास्टर के नाम से जाना गया, जिसमें उस सीजन में 12 पर्वतारोहियों की मौत हुई थी।

एवरेस्ट चढ़ने वालों के लिए लैंडमार्क बन गया था ग्रीन बूट्स

1996 में ब्रिटिश पर्वतारोही और फिल्ममेकर मैट डिकिन्सन ने पहली बार बर्फ में फंसे दोरजे मोरुप के शव का वीडियो रिकॉर्ड किया था। बाद में यह फुटेज समिट फीवर डॉक्यूमेंट्री में भी दिखाई गई। पैरों में पहने हरे रंग के जूतों के कारण इस शव को ग्रीन बूट्स नाम दिया गया। यह शव एवरेस्ट के उत्तरी मार्ग पर एक छोटी गुफा में पड़ा था जो ग्रीन बूट्स गुफा नाम से मशहूर हुआ। शिखर पर जाने वाले लगभग सभी पर्वतारोही इसी रास्ते से होकर गुजरते थे। उनके लिए यह रास्ते की पहचान (लैंडमार्क) बन गया था। दोरजे का शव जिस जगह है, वह 8 हजार मीटर (करीब 26,247 फीट) से ऊपर का डेथ जोन है। यहां समुद्र तल की तुलना में सिर्फ करीब 33 फीसदी ऑक्सीजन होती है। इतनी ऊंचाई पर शरीर तेजी से जवाब देने लगता है। कोशिकाएं मरने लगती हैं। यहां हेलीकॉप्टर भी नहीं पहुंच सकते। इसलिए यहां से शव वापस लाना दुनिया के सबसे मुश्किल अभियानों में गिना जाता है। यही वजह है कि एवरेस्ट पर मारे गए 340 से ज्यादा पर्वतारोहियों में से अधिकांश के शव आज भी वहीं पड़े हैं।

75 वर्षीय पत्नी बोलीं-उन्हें देखकर ही आखिरी सांस लूंगी

अखबार ने दोरजे के घर पहुंचकर उनकी पत्नी कोनचोक यांगस्किट से मुलाकात की। 75 वर्षीय कोनचोक अब सुन नहीं सकतीं। वह पति की पेंशन पर गुजर-बसर करती हैं। जब से बेटे फुंतसोग दोरजे ने पिता का शव लाने वाले मिशन की सूचना दी, तब से वह रो रही हैं। उन्होंने बेटे को कागज पर लिखकर दिया है कि उनकी आखिरी इच्छा एक बार पति को देखने की है। उन्होंने लिखा, उन्हें देखकर ही आखिरी सांस लूंगी। दोरजे के बेटे फुंतसोग भारतीय सेना में हैं। उन्होंने बताया कि आईटीबीपी से उन्हें अब तक मिशन की पूरी जानकारी नहीं मिली है। मां ने पिता के इंतजार में पूरी जिंदगी रो-रोकर बिता दी। अब उनकी आंखों में उम्मीद नजर आ रही है।

खराब मौसम का असर, वैष्णो देवी यात्रा 19 जुलाई से स्थगित

- जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश और भूस्खलन की चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में लगातार खराब मौसम और भारी बारिश के मद्देनजर श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने यात्रा को 19 जुलाई से अस्थाई रूप से स्थगित कर दिया है। यह निर्णय प्रशासन द्वारा जारी खराब मौसम की चेतावनी और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है। बोर्ड ने बताया कि जम्मू-कश्मीर में जारी मूसलाधार बारिश के कारण रियासी जिले के कटरा स्थित त्रिकुटा पहाड़ियों पर भूस्खलन का खतरा काफी बढ़ गया है, जिससे मंदिर मार्ग असुरक्षित हो गया है। अधिकारियों के अनुसार, भारी बारिश के बाद मंदिर की ओर जाने वाले नए मार्ग पर हिमकोटी के पास भूस्खलन हुआ, जिसके बाद बोर्ड ने तत्काल मलबे को हटाने के लिए कर्मचारी और मशीनें तैनात की हैं। इससे पहले 8 जुलाई को भी मंदिर मार्ग भूस्खलन से प्रभावित हुआ था, जिसके चलते बैटरी कार सेवा को अस्थाई रूप से निलंबित करना पड़ा था। हालांकि, उस समय सैकड़ों तीर्थयात्रियों ने भूस्खलन के बावजूद अपनी पैदल यात्रा जारी रखी थी, लेकिन वर्तमान गंभीर स्थिति को देखते हुए पूरी यात्रा को रोकने का फैसला किया गया है।

जैसलमेर में भीषण सड़क हादसा : कार-बाइक जलकर खाक, एक युवक की दर्दनाक मौत

जैसलमेर (एजेंसी)। राजस्थान के जैसलमेर जिले के मोहनगढ़ थाना क्षेत्र में शनिवार रात एक भीषण सड़क हादसे में कार और मोटरसाइकिल की आमने-सामने की टक्कर हो गई। इस दर्दनाक घटना में बाइक सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि टक्कर के बाद दोनों वाहनों में भीषण आग लग गई, जो पूरी तरह जलकर खाक हो गए। गनीमत रही कि कार में सवार एक ज्वेलर समेत तीन लोग चमत्कारिक रूप से बच निकलने में कामयाब रहे। पुलिस के अनुसार, यह हादसा जैसलमेर-नेहड़ाई रोड पर बोहा और नेहड़ाई गांव के बीच रात करीब 9 बजे हुआ। भिड़ंत इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार हवा में लगभग 20 फीट उछलकर दूर जा गिरा। टक्कर के तुरंत बाद मोटरसाइकिल कार के अगले हिस्से में फंस गई, जिससे भीषण शॉर्ट सर्किट हुआ और दोनों वाहनों में आग लग गई। आग इतनी तेज़ थी कि दोनों वाहन कुछ ही मिनटों में कबाड़ में तब्दील हो गए। हादसे के बाद आग से कार के दरवाजे ऑटोमैटिक लॉक हो गए, जिससे कार सवार यात्रियों में हड़कंप मच गया। हालांकि, पीछे का एक दरवाजा खुलने से ज्वेलर समेत तीनों लोग समय रहते कार से बाहर निकलकर अपनी जान बचाने में सफल रहे। बताया जा रहा है कि वे गहने देकर वापस लौट रहे थे। पुलिस ने मृत युवक के मोबाइल से परिजनों को सूचना दी। मोहनगढ़ पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से शव को अस्पताल पहुंचाया, क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाकर यातायात सुचारु करवाया और मामले की जांच शुरू कर दी है।

धोखाधड़ी मामले में बैंक ऑफ इंडिया का कर्मी गिरफ्तार

पटना (एजेंसी)। बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने वर्ष 2016 की नोटबंदी के दौरान हुए कथित वित्तीय अनियमितता के एक बड़े मामले में कार्रवाई की है। ईओयू ने कोडरमा जिले के डोमचांच स्थित बैंक ऑफ इंडिया की फुलवरिया शाखा में कार्यरत बैंककर्मी अरविंद कुमार को गिरफ्तार किया है। उस पर गया शाखा में पदस्थापित रहते हुए अन्य लोगों के साथ मिलकर ग्राहक के बैंक खाते का दुरुपयोग कर लाखों रुपये के संदिग्ध लेनदेन को अंजाम देने का आरोप है। ईओयू के अनुसार, अरविंद कुमार नोटबंदी के समय बैंक ऑफ इंडिया की गया शाखा में कार्यरत था। आरोप है कि उसने वादी राजेश कुमार के बैंक खाते का कथित तौर पर उसकी जानकारी और सहमति के बिना उपयोग कर लाखों रुपये का संदिग्ध लेन-देन किया था। राजेश कुमार की शिकायत पर गया में प्राथमिकी दर्ज की गई थी, जिसे बाद में जांच के लिए आर्थिक अपराध इकाई को सौंप दिया गया। विस्तृत जांच और बैंकिंग दस्तावेजों के परीक्षण के बाद ईओयू को अरविंद कुमार की संलिप्तता के पर्याप्त साक्ष्य मिले। इसके बाद निगरानी अदालत से गिरफ्तारी वारंट प्राप्त कर लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी की तलाश की जा रही थी। ईओयू की टीम ने कोडरमा पहुंचकर उसे गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों का मानना है कि इस कार्रवाई से नोटबंदी के दौरान हुए इस कथित वित्तीय नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों और लेनदेन के व्यापक दायरे का खुलासा हो सकता है। आरोपी से गहन पूछताछ जारी है।

निर्वस्त्र होकर मंदिर पहुंची, मूर्ति लेकर तालाब में कूदी महिला इंजीनियर

-सॉफ्टवेयर इंजीनियर तेजस्विनी की मौत के मिले नए सुराग

हैदराबाद (एजेंसी)। पीरजादीगुड़ा के एक तालाब में मिले सॉफ्टवेयर इंजीनियर तेजस्विनी के शव मामले में पुलिस जांच में कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। पुलिस के अनुसार, एक मंदिर के सीसीटीवी फुटेज में तेजस्विनी को मंदिर परिसर में जाते हुए देखा गया है। जांच में सामने आया है कि वह मंदिर से एक मूर्ति लेकर तालाब की ओर गई थी। पुलिस अब इस पूरे घटनाक्रम के पीछे की वजहों का पता लगाने में जुटी है। प्रारंभिक जांच के मुताबिक, तेजस्विनी कपड़े उतारकर मंदिर पहुंची और वहां से अण्मावारू की मूर्ति उठाई। इसके बाद वह मूर्ति लेकर तालाब की ओर चली गई। पुलिस का कहना है कि तालाब में उसके कूदने का कोई प्रत्यक्ष सीसीटीवी फुटेज नहीं मिला है। फिलहाल तालाब में मूर्ति की तलाश की जा रही है। पुलिस का मानना है कि मूर्ति मिलने से जांच को महत्वपूर्ण दिशा मिल सकती है। जांच के दौरान तेजस्विनी के निजी जीवन से जुड़ी कुछ जानकारियां भी सामने आई हैं। पुलिस के अनुसार, वह जिस फ्लैट में किराए पर रह रही थी, उसका किराया काफी अधिक था। वह रोजाना करीब 3500 रुपये का भुगतान करती थी, जो महीने में एक लाख रुपये से अधिक बैठता है। जिस अपार्टमेंट में वह रहती थी, उसकी ऊपरी मंजिलों पर लॉज संचालित होने की जानकारी भी मिली है। पुलिस ने पूरे परिसर की जांच की है और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस इस मामले में आत्महत्या के कारणों का पता लगाने के लिए कई पहलुओं की जांच कर रही है। इसमें पैसों के लेनदेन, आसपास रहने वाले लोगों की भूमिका और अन्य परिस्थितियों को शामिल किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि तेजस्विनी ने इतना बड़ा कदम क्यों उठाया। पुलिस ने तेजस्विनी की मां अरुणा से भी पूछताछ की है। जांच अधिकारी घटनाक्रम से जुड़े सभी साक्ष्यों को जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। फिलहाल मामले में किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले पुलिस सभी संभावित कारणों की पड़ताल कर रही है।

राहुल-खरगे ने पीएम मोदी को लिखी चिट्ठी कहा- चुप्पी से काम नहीं चलेगा

अयोध्या के राम मंदिर में हुई चोरी का मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र से पहले राम मंदिर चंदे को लेकर सियासी विवाद तेज हो गया है। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी तथा राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संयुक्त पत्र लिखकर श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से जुड़े कथित वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों पर सवाल उठाए हैं। दोनों नेताओं ने मामले में प्रधानमंत्री की चुप्पी को लेकर भी आपत्ति जताई और जवाबदेही तय करने की मांग की है।

कांग्रेस नेताओं ने अपने पत्र में कहा कि राम मंदिर के लिए देश-विदेश से करोड़ों श्रद्धालुओं ने श्रद्धा और विश्वास के साथ दान दिया है। ऐसे में यदि चंदे या ट्रस्ट के वित्तीय प्रबंधन को लेकर कोई आरोप सामने आते हैं तो उनकी निष्पक्ष जांच जरूरी है।

उन्होंने कहा कि ऐसे गंभीर मामलों में सरकार की ओर से स्पष्ट जवाब आना चाहिए और जनता को वास्तविक स्थिति की जानकारी मिलनी चाहिए।

राहुल गांधी और खरगे ने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय को लेकर भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोपों की जांच की मांग करते हुए कहा कि ट्रस्ट से जुड़े सभी वित्तीय मामलों की स्वतंत्र और व्यापक समीक्षा होनी चाहिए। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि मंदिर निर्माण से जुड़ी आस्था और श्रद्धालुओं के विश्वास को बनाए रखने के लिए पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता जरूरी है। दोनों नेताओं ने प्रधानमंत्री से मांग की है कि जांच केवल दस्तावेजों और खातों तक सीमित न रहे, बल्कि मंदिर के लिए मिले सभी प्रकार के दान, जिसमें नकद राशि, सोना, चांदी और अन्य चढ़ावे शामिल हैं, उनके प्रबंधन की भी विस्तृत जांच की जाए।कांग्रेस ने यह भी मांग की है कि जांच रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए और ट्रस्ट के सभी खातों की जानकारी आम लोगों के सामने रखी जाए। पार्टी का कहना है कि इससे श्रद्धालुओं को यह स्पष्ट जानकारी मिल सकेगी कि उनके द्वारा दिए गए दान का उपयोग किस तरह किया गया।संसद के मानसून सत्र से ठीक पहले यह मुद्दा उठाकर कांग्रेस ने संकेत दिया है कि वह सदन में इसे प्रमुखता से उठाने की तैयारी में है। वहीं, इस मामले पर आगे राजनीतिक बहस तेज होने की संभावना है। कांग्रेस की मांग है कि धार्मिक आस्था से जुड़े इस विषय पर पूरी पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जाए।

नाराज विपक्ष ने पहले किया बहिष्कार फिर सर्वदलीय बैठक में हुए शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र से पहले आयोजित सर्वदलीय बैठक उस समय राजनीतिक विवाद का केंद्र बन गई.जब केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) से अलग होकर नए संसदीय समूह में शामिल हुए 20 बागी सांसदों को भी बैठक में आमंत्रित किया। सरकार के इस फैसले का विपक्षी दलों ने विरोध किया. सरकार द्वारा विपक्ष की मांग नहीं मानने पर बैठक का बहिष्कार भी किया लेकिन कुछ देर बाद ही बैठक में शामिल हुआ। विपक्षी दलों का कहना था, बागी सांसदों की मान्यता और दलबदल से जुड़े मामले अभी पूरी तरह विवादमुक्त नहीं हैं। ऐसे में उन्हें सर्वदलीय बैठक में आमंत्रित करना संसदीय परंपराओं के विपरीत है. इससे मूल राजनीतिक दल के अधिकारों की अनदेखी होती है। विपक्ष ने आरोप लगाया कि सरकार राजनीतिक लाभ के लिए संसदीय प्रक्रियाओं का मनमाने तरीके से उपयोग कर रही है। दूसरी ओर, सरकार का कहना है. जिन सांसदों ने अलग संसदीय समूह के रूप में मान्यता का दावा किया है.उन्हें चर्चा में शामिल करना संसदीय संवाद की प्रक्रिया का हिस्सा है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सभी दलों से संसद के सुचारु संचालन में सहयोग की अपील की। सर्वदलीय बैठक का उद्देश्य मानसून सत्र के विधायी एजेंडे और विभिन्न राजनीतिक दलों के मुद्दों पर चर्चा करना था. टीएमसी के बागी सांसदों के निमंत्रण ने बैठक से पहले ही सियासी माहौल गर्मा दिया। माना जा रहा है कि इस विवाद का असर मानसून सत्र की कार्यवाही पर सत्र शुरू होने के साथ ही पड़ना तय है।

जम्मू-कश्मीर में एक सप्ताह में दूसरा संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन बरामद

-सांबा जिले के खेतों से मिला ड्रोन फोरेंसिक जांच के लिए भेजा गया, सुरक्षा एजेंसियां सतर्क

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में सुरक्षा बलों ने एक संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन बरामद किया है। पिछले एक सप्ताह के भीतर इस तरह का दूसरा ड्रोन मिलने से सीमा पार से होने वाली संदिग्ध गतिविधियों को लेकर सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में निगरानी बढ़ा दी गई है और मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है।

अधिकारियों के अनुसार, टेरिटोरियल आर्मी के जवानों ने शनिवार देर रात पुरमंडल क्षेत्र के सांगर गांव के खेतों में तलाशी अभियान के दौरान संदिग्ध ड्रोन बरामद किया। प्रारंभिक जांच के बाद ड्रोन को कब्जे में लेकर फोरेंसिक परीक्षण के लिए भेज दिया गया है, ताकि उसके उत्पनादन क्षेत्र, तकनीकी क्षमता और संभावित उद्देश्य का पता लगाया जा सके। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि हाल के दिनों में लगातार ड्रोन मिलने की घटनाएं सीमा पार से घुसपैठ, हथियारों और मादक पदार्थों की तस्करी अथवा खुफिया गतिविधियों से जुड़ी हो सकती हैं। हालांकि, अधिकारियों ने अभी तक ड्रोन के माध्यम से किसी सामग्री की आपूर्ति या किसी विशेष मिशन की पुष्टि नहीं की है।

देवक गांव से पहले ही बरामद हो चुका एक ड्रोन

इससे पहले 14 जुलाई को जम्मू क्षेत्र के देवक गांव के पास एक खुले मैदान से भी एक संदिग्ध ड्रोन बरामद किया गया था। एक सप्ताह के भीतर दूसरी बरामदगी ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है। इसके मद्देनुसार सीमा से सटे इलाकों में गश्त, निगरानी और तलाशी अभियान तेज कर दिए गए हैं। सुरक्षा बलों ने स्थानीय लोगों से भी अपील की है कि यदि उन्हें किसी संदिग्ध उड़ने वाली वस्तु या गतिविधि की जानकारी मिले तो तुरंत पुलिस या सुरक्षा एजेंसियों को सूचित करें।

टीएमसी में सियासी घमासान के बीच 'शहीद दिवस' पर बढ़ा तनाव

तीन गुट अलग-अलग करेंगे कार्यक्रम

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की राजनीति में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के भीतर जारी सियासी संघर्ष अब 'शहीद दिवस' कार्यक्रम तक पहुंच गया है। पार्टी के गठन के बाद पहली बार टीएमसी तीन गुटों में बंट चुकी है और हर गुट खुद को पार्टी की असली राजनीतिक विरासत का उत्तराधिकारी बता रहा है। ऐसे में 21 जुलाई को मनाए जाने वाले 'शहीद दिवस' को लेकर राज्य में राजनीतिक हलचल और सुरक्षा संबंधी चिंताएं बढ़ गई हैं। टीएमसी के गठन के बाद से हर वर्ष 21 जुलाई को कोलकाता के सेंट्रल एवेन्यू में बड़ी रैली आयोजित की जाती रही है। हालांकि इस बार पहली बार वहां कोई कार्यक्रम नहीं होगा। प्रशासन ने मध्य कोलकाता के कई इलाकों में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी है। यह आदेश 2 जुलाई से 30 अगस्त तक प्रभावी रहेगा। पुलिस का कहना है कि खुफिया सूचनाओं के आधार पर विभिन्न राजनीतिक कार्यक्रमों के

दौरान हिंसा और कानून-व्यवस्था बिगड़ने की आशंका है, इसलिए एहतियाती कदम उठाए गए हैं। टीएमसी में यह संकट विधानसभा चुनाव में हार के बाद और गहरा गया। विपक्ष के नेता रिताब्रता बनर्जी के नेतृत्व में 80 में से 60 से अधिक विधायकों ने अलग गुट बनाकर खुद को 'असली टीएमसी' घोषित कर दिया। इसके बाद पार्टी के 29 लोकसभा सांसदों में से 20 सांसद एक अन्य राजनीतिक दल में शामिल हो गए। हालात तब और बिगड़ गए जब चार राज्यसभा सांसदों ने इस्तीफा दे दिया, जिनमें से तीन बाद में भाजपा में शामिल हो गए। दूसरी ओर, ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट को अब राजनीतिक हलकों में 'कालीघाट तृणमूल' के नाम से भी जाना जाने लगा है। इस बीच, कलकत्ता हाईकोर्ट ने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट को बिड़ला तारामंडल के पास दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक 'शहीद दिवस' कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति दी है। अदालत ने इस कार्यक्रम में अधिकतम 2,500 लोगों की मौजूदगी की सीमा तय करते हुए पुलिस को सुरक्षा के व्यापक इंतजाम करने के निर्देश दिए हैं। वहीं, रिताब्रता बनर्जी का गुट मेयो रोड पर गांधी प्रतिमा के सामने अपना कार्यक्रम करेगा। राज्य कांग्रेस भी उसी दिन शहीद मीनार के निकट अपना आयोजन करेगी, जबकि एक अन्य दल ने भी 'शहीद दिवस' मनाने की घोषणा की है, हालांकि कार्यक्रम स्थल की जानकारी अभी सार्वजनिक नहीं की गई है। ऐसे में 21 जुलाई को कोलकाता में कई समानांतर राजनीतिक आयोजन होने से सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह सतर्क हैं।

गाली-गलौज या अभद्र भाषा का इस्तेमाल करना हमेशा अश्लीलता नहीं होती : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया है कि गाली-गलौज या अभद्र भाषा का इस्तेमाल करना हमेशा अश्लीलता के दायरे में नहीं आता है। जस्टिस संजय करोल और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच ने कहा कि कोई शब्द तभी अश्लील माना जाएगा, जब वह कामुकता को बढ़ावा देने वाला हो या लोगों को भ्रष्ट करने की प्रवृत्ति रखता हो। कोर्ट ने यह टिप्पणी तमिलनाडु के एक मामले में सुनवाई करते हुए की। आरोपी मणि को जमीन विवाद के दौरान मां की गाली देने के लिए अश्लीलता के आरोप में दोषी ठहराया गया था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अगस्त 2017 में जमीन विवाद को लेकर आरोपी ने शिकायतकर्ता के साथ गाली-गलौज की थी। पीड़ित का आरोप था कि आरोपी ने जातिसूचक शब्द भी कहे। बाद में घर से हथियार लाकर हमला कर दिया, जिससे उसकी नाक की हड्डी टूट गई। सुप्रीम कोर्ट ने अश्लीलता और आपराधिक धमकी के आरोपों से आरोपी को बरी कर दिया। कोर्ट ने कहा कि गाली देने से किसी को परेशानी हुई, यह साबित नहीं हुआ। हालांकि, शिकायतकर्ता को गंभीर चोट पहुंचाने के मामले में उसकी सजा बरकरार रखी है। आरोपी की उम्र करीब 70 साल होने और स्वास्थ्य स्थितियों को देखते हुए कोर्ट ने उसकी सजा को घटाकर कोर्ट उठने तक की सजा दी। साथ ही, उसे 2 महीने के अंदर 50,000 रुपए का जुर्माना भरने का निर्देश दिया है।

बाबा रामदेव ने कुमार विश्वास को उत्तराधिकारी बनने की दी चुनौती

- कवि ने भी भर दी हामी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बाबा रामदेव और कवि कुमार विश्वास के बीच हंसी-मजाक और दोस्ताना नोकझोंक अक्सर देखने को मिलती है। अब एक कार्यक्रम में दोनों के बीच ऐसा ही दिलचस्प संवाद हुआ, जिसमें बाबा रामदेव ने मजाकिया अंदाज में कहा कि कुमार विश्वास की नजर पतंजलि पर है और वह इसके उत्तराधिकारी बनना चाहते हैं। इस पर कुमार विश्वास ने भी अपने अंदाज में जवाब दिया और बाबा की शर्त पूरी करने की बात कह दी।

दोनों के बीच यह बातचीत दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित फिल्म 'रामायणम' के प्री-ट्रेलर लॉन्च कार्यक्रम के दौरान हुई। कार्यक्रम में कई फिल्मी हस्तियों और साधु-संतों की मौजूदगी रही। मंच पर बाबा रामदेव और कुमार विश्वास आमने-सामने आए तो दोनों के बीच हल्के-फुल्के अंदाज में बातचीत शुरू हो गई। बाबा रामदेव ने मजाक करते

हुए कहा कि कुमार विश्वास की नजर हमेशा इसी पर रहती है कि उन्हें पतंजलि का उत्तराधिकारी बनना है। इस पर कुमार विश्वास ने भी चुटकी लेते हुए कहा कि उन्होंने कभी बाबा से उन्हें गोद लेने की बात कही थी। तब बाबा ने कहा था कि अगर गोद लिया तो सुबह चार बजे उठकर योग करना होगा। कुमार विश्वास ने जवाब देते हुए कहा कि जिसका भविष्य इतना बड़ा हो, वह देर तक सोएगा क्यों। इसके बाद बाबा रामदेव ने कुमार विश्वास के सामने एक शर्त रख दी। उन्होंने मंच पर नौली क्रिया करके दिखाई और कहा कि अगर वह इसे सीख लेते हैं तो उत्तराधिकारी बनने की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। कुमार विश्वास ने भी मजाकिया अंदाज में कहा कि वह इसके लिए तैयार हैं और इसे सीख लेंगे। गौरतलब है कि पतंजलि समूह का कारोबार पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ा है। पतंजलि फूड्स ने वित्त वर्ष 2025-26 में पहली बार 40 हजार करोड़ रुपये से अधिक का सालाना परिचालन राजस्व दर्ज किया है। कंपनी के कारोबार में एफएमसीजी क्षेत्र की हिस्सेदारी भी महत्वपूर्ण रही है। हालांकि मंच पर हुई यह बातचीत पूरी तरह मजाक और दोस्ताना माहौल में हुई, लेकिन दोनों हस्तियों के बीच यह संवाद कार्यक्रम का आकर्षण बन गया।

सुप्रिया 2 सप्ताह तक ना कुछ बोलेंगी, न राजनीति करेंगी

-संसद सत्र से पहले सुले का वॉयस रेस्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र की शुरुआत से ठीक पहले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) की सांसद सुप्रिया सुले ने स्वास्थ्य कारणों से खुद को राजनीतिक गतिविधियों और मीडिया से दूर रखने का फैसला किया है। बारामती से सांसद सुप्रिया सुले ने बताया कि डॉक्टरों की सलाह पर वह अगले एक से दो सप्ताह तक वॉयस रेस्ट पर रहेंगी। इस दौरान वह न तो मीडिया से बातचीत करेंगी, न प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगी और न ही किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में भाषण देंगी।

सुप्रिया सुले ने बताया कि गले और आवाज में परेशानी के कारण उन्होंने विशेषज्ञ डॉक्टर से सलाह ली। जांच में गले में हल्की सूजन पाई गई, जिसके बाद उन्हें लंबे समय तक बोलने, भाषण देने और साक्षात्कार से बचने की सलाह दी गई है। उन्होंने कहा कि इस दौरान वह वॉयस थेरेपी भी लेंगी और मीडिया तथा समर्थकों से

सहयोग की अपील की है।

स्वास्थ्य कारणों के चलते सुप्रिया सुले विपक्षी गठबंधन की उस अहम बैठक में भी शामिल नहीं हो पाएंगी, जिसमें संसद के मानसून सत्र के दौरान सरकार के खिलाफ रणनीति तैयार करने और विभिन्न मुद्दों पर विपक्ष की एकजुटता को लेकर चर्चा होनी है। सुप्रिया सुले का यह फैसला ऐसे समय आया है जब वह कई राजनीतिक मुद्दों को लेकर चर्चा में थीं। हाल ही में उन्होंने महिला आरक्षण से जुड़े प्रस्तावित परिसीमन विधेयक को लेकर अपना रुख स्पष्ट किया था। उन्होंने कहा था कि उनकी पार्टी विधेयक का अध्ययन करेगी और यदि इसमें सभी राज्यों के लिए लोकसभा सीटों में समान वृद्धि की व्यवस्था होगी तो समर्थन पर विचार किया जा सकता है। उनके इस बयान के बाद राजनीतिक हलकों में इस विधेयक को लेकर बहस तेज हो गई थी।

इसके अलावा महाराष्ट्र की राजनीति में पवार परिवार और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के दोनों गुटों के बीच संभावित सुलह को लेकर भी चर्चाएं चल रही हैं। राजनीतिक गलियारों में ऐसी अटकलें हैं कि शरद पवार गुट और अजित पवार गुट के बीच किसी समझौते की संभावना बन सकती है। हालांकि, इन चर्चाओं की अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। मानसून सत्र में सरकार कई महत्वपूर्ण विधायी कदम उठाने की तैयारी में है। इनमें महिला आरक्षण को परिसीमन से जोड़ने वाला प्रस्तावित संविधान संशोधन विधेयक भी शामिल है। ऐसे समय में सुप्रिया सुले का कुछ समय के लिए सक्रिय राजनीति से दूर रहना विपक्षी रणनीति के लिहाज से भी अहम माना जा रहा है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया है कि स्वास्थ्य कारणों से लिया गया यह फैसला अस्थायी है और वह जल्द ही सक्रिय भूमिका में लौटेंगी।

क्या इस बार भी संसद का सत्र हंगामा और स्थगन की भेंट चढ़ जाएगा: मायावती

राम मंदिर चढ़ावा चोरी, बंगाल चुनाव के बाद हालात, गर्भवती महिलाओं की मौत पर जताई चिंता

लखनऊ (एजेंसी)। संसद का मॉनसून सत्र सोमवार यानी 20 जुलाई से शुरू हो रहा है। इससे पहले बसपा सुप्रीमो मायावती ने पश्चिम बंगाल से लेकर राजस्?थान तक के मुद्दों पर बीजेपी पर निशाना साधा है। उन्?होंने राम मंदिर चढ़ावा चोरी, पश्चिम बंगाल में चुनाव बाद के हालात और राजस्?थान में गर्भवती महिलाओं की मौत मामले पर चिंता जताई। रविवार सुबह मायावती ने अपने एक्स अकाउंट पर सात पॉइंट में लंबा चौड़ा पोस्?ट किया।

उन्?होंने लिखा- अब जबकि संसद का मॉनसून सत्र 20 जुलाई से शुरू हो रहा है। एक बार फिर यह देश और आमजन की चिंता है कि क्या इस बार भी फिर से संसद का सत्र हंगामा व स्थगन आदि की भेंट चढ़ जाएगा या फिर जबरदस्त महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, महिला असुरक्षा, अहम परीक्षाओं के भी पेपरलीक आदि से जुड़े देश के ज्वलन्त मुद्दों से उत्पन्न उत्तेजित, आक्रोशित व आन्दोलित माहौल को शान्त करने व इनके संतोषजनक समाधान के लिए गंभीरता दिखाई जाएगी।

मायावती ने लिखा- वैसे खासकर अयोध्या श्रीराम मन्दिर में चढ़ावा की चोरी, हेराफेरी व ग़बन आदि को लेकर व्यापक जन आक्रोश ने भी यूपी व देश को काफी झकझोर कर रख दिया है और लोग, धर्म का चुनावी स्वार्थ के लिए राजनीतिकरण करने वालों को इसके लिए कठघरे में खड़ा करके, उनसे दिल दुखाने की जवाबदेही मांग रहे हैं, जिसकी गूंज सड़कों से लेकर अदालत तक में है और संसद में भी यह मुद्दा गर्म होगा, जिसपर लोगों की पैनी नजर है।

बसपा सुप्रीमो ने लिखा- इतना ही नहीं बंगाल में विधानसभा आमचुनाव के बाद के हालात्, राजस्थान में सरकार की लापरवाही के कारण गर्भवती महिलाओं की मौत समेत कई राज्यों में बढ़ती महिला असुरक्षा आदि भी गंभीर मुद्दे हैं। उन्होंने लिखा- भारत की अर्थव्यवस्था व यहां के जनजीवन को बुरी तरह से प्रभावित करती हुई अमेरिका-इजराइल का ईरान के विरुद्ध लगातार युद्ध और रुपया का अवमूल्यण आदि देश व जनहित के ऐसे ख़ास मुद्दे हैं जिनपर राजनीतिक द्वेष, स्वार्थ व आरोप-प्रत्यारोप की संकीर्णता/वैमनस्य को त्यागकर सत्ता और विपक्ष दोनों को एकजुट होकर अच्छा उपाय ढूंढ कर सराहनीय कार्य करना होगा, वरना 140 करोड़ की जनसंख्या वाले अपने देश में बहुजनों का जीवन यहां और भी बुरे दिन वाला बनकर उनका भविष्य अधर में लटकायेगा, जिसकी आशंका भी व्यक्त की जा रही है।

अतः देश को त्रस्त करने वाली इन भारी चुनौतियों व उसके प्रति चेतावनियों को ध्यान में रखकर संसद के मानसून सत्र को, बिना किसी उत्तेजना, रोष व विद्वेष के, सुचारू, शान्तिपूर्ण एवं स्वस्थ्य लोकतांत्रिक परम्परा के मुताबिक चलना सुनिश्चित किया जाना चाहिए। बसपा प्रमुख ने कहा कि संसद को भी इन ज्वलन्त राष्ट्रीय मुद्दों पर पूरी तरह से गंभीर व संवेदनशील होना जरूरी है और इसकी शुरूआत अगर संसद के वर्तमान मानसून सत्र से ही हो तो यह बेहतर ही होगा। जनहितैषी गुड गवर्नेंस के लिए संसद का प्रभावी होना जरूरी। जय भीम, जय भारत।

महाकवि नीरज की स्मृति में सजी अखिल भारतीय काव्य संध्या, सुरेंद्र शर्मा ने दिया प्रेम, शांति और भाईचारे का संदेश

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। मान्यता प्राप्त पत्रकार कल्याण समिति, दिल्ली एवं महाकवि गोपालदास नीरज फाउंडेशन ट्रस्ट, आगरा के संयुक्त तत्वावधान में लोहिया नगर स्थित हिंदी भवन में महाकवि गोपालदास नीरज की स्मृति में भव्य अखिल भारतीय कवि सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दूधेश्वरनाथ महादेव मठ मंदिर के पीठाधीश्वर नारायण गिरि, डासना काली देवी मंदिर के पीठाधीश्वर यति नरसिंहानंद गिरि, पद्मश्री राष्ट्रीय कवि सुरेंद्र शर्मा, राष्ट्रीय कवि सर्वेश अस्थाना, भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल, डासना नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी महेश श्रीवास्तव, मान्यता प्राप्त पत्रकार

कल्याण समिति के अध्यक्ष रवींद्र गुप्ता, कोषाध्यक्ष अशोक कौशिक, दैनिक अथाह के संपादक अशोक ओझा तथा गौरव शर्मा ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अध्यक्ष संतोष यादव ने की, जबकि डॉ. सीता 'सागर' ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। कवि सम्मेलन में शशांक नीरज, कर्नल संजय चतुर्वेदी (बहराइच), डॉ. श्लेष गौतम (प्रयागराज), डॉ. कविता 'किरण' (फालना, राजस्थान), पवन कुमार (आईएएस, दिल्ली), डॉ. सीता 'सागर' (गाजियाबाद), सर्वेश अस्थाना, महेश श्रीवास्तव तथा राष्ट्रीय कवि डॉ. विष्णु सक्सैना ने अपनी ओजपूर्ण, गीत, गजल, व्यंग्य और श्रृंगार रस की रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। राष्ट्रभक्ति, सामाजिक सरोकार, प्रेम, मानवीय संवेदनाओं और समसामयिक विषयों पर आधारित रचनाओं पर सभागार देर तक तालियों की गड़गड़ाहट से गूंजता रहा। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में पद्मश्री सुरेंद्र शर्मा ने कहा कि देश में केवल मंदिर बनाने की नहीं, बल्कि पूरे देश को मंदिर जैसा बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने सभी देशों के साथ प्रेम, शांति और भाईचारे के साथ रहने तथा समाज से गरीबी और वैमनस्य दूर करने का संदेश दिया। समारोह में मान्यता प्राप्त पत्रकार कल्याण समिति एवं महाकवि गोपालदास नीरज फाउंडेशन ट्रस्ट की ओर से जीडीए सचिव विवेक मिश्र, युग करवट के संपादक सलामत मियां, राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त शिक्षक नरेंद्र शर्मा, दैनिक अथाह के संपादक अशोक ओझा, वरिष्ठ पत्रकार सुनील यादव, वरिष्ठ पत्रकार सोनू अरोड़ा, तेजस न्यूज के संपादक तेजेश चौहान, अजय शर्मा, अमरदीप शास्त्री, विपिन सिंघल, उद्घोषक एवं कवि सुरेंद्र शर्मा, भाजपा नेता पवन गोयल, बी.के. शर्मा हनुमान, वी.के. अग्रवाल, अमित यादव (एएम इंटरप्राइजेज), प्रमोद यादव, कमल चौधरी, विनय चौधरी, साहिल डबास, शशिकांत भारद्वाज, जमील अहमद सहित अनेक पत्रकारों, समाजसेवियों और साहित्य प्रेमियों को सम्मानित किया गया।

कांवड़ यात्रा : एसीपी जियाउद्दीन अहमद की अध्यक्षता में हुई बैठक, सुरक्षा व्यवस्था को लेकर हुई चर्चा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। आगामी कांवड़ यात्रा को सकुशल एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से थाना नंदग्राम परिसर में एसीपी नंदग्राम जियाउद्दीन अहमद तथा प्रभारी निरीक्षक नंदग्राम संतोष कुमार त्रिपाठी की अध्यक्षता में कांवड़ समिति के पदाधिकारियों एवं विभिन्न कांवड़ शिविर आयोजकों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में कांवड़ यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, श्रद्धालुओं की सुविधाओं तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान पुलिस अधिकारियों ने उपस्थित आयोजकों से कहा कि कांवड़ यात्रा धार्मिक आस्था का एक महत्वपूर्ण पर्व है और इसे शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। अधिकारियों ने शिविर संचालकों से प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पूर्ण पालन करने की अपील की। साथ ही यह भी कहा गया कि किसी भी प्रकार की अफवाह, विवाद या असामाजिक गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दी जाए, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके। एसीपी नंदग्राम जियाउद्दीन अहमद ने बताया कि कांवड़ यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। इसे देखते हुए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं। संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी तथा प्रमुख मार्गों पर लगातार निगरानी रखी जाएगी। उन्होंने आयोजकों से आग्रह किया कि शिविरों में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए स्वच्छ पेयजल, चिकित्सा सहायता, प्रकाश व्यवस्था और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। बैठक

में यातायात व्यवस्था को लेकर भी विशेष चर्चा की गई। कांवड़ यात्रा के दौरान यातायात प्रभावित न हो, इसके लिए निर्धारित मार्गों का पालन किया जाएगा। शिविर आयोजकों से अनुरोध किया गया कि वह सड़क पर अनावश्यक अतिक्रमण न करें तथा वाहनों की पार्किंग की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करें। इससे श्रद्धालुओं और आम नागरिकों दोनों को सुविधा मिलेगी तथा यातायात व्यवस्था सुचारु बनी रहेगी। प्रभारी निरीक्षक नंदग्राम ने उपस्थित लोगों से सहयोग की अपेक्षा करते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की समस्या या आपात स्थिति में पुलिस प्रशासन पूरी तरह तत्पर रहेगा। उन्होंने आयोजकों को आश्वस्त किया कि पुलिस और प्रशासन के संयुक्त प्रयासों से कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाया जाएगा। कांवड़ समिति के सदस्यों और शिविर आयोजकों ने पुलिस प्रशासन को पूर्ण सहयोग करने का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि सभी आयोजक प्रशासन द्वारा निर्धारित नियमों एवं निर्देशों का पालन करेंगे तथा श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देंगे।

हिंडन नदी का बढ़ा जलस्तर : आसपास के इलाके हुए जलमग्न, लोगों ने प्रशासन से लगाई मदद की गुहार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। हिंडन नदी के बढ़ते जलस्तर ने एक बार फिर आसपास के क्षेत्रों के लोगों की चिंता बढ़ा दी है। हिंडन नदी के किनारे बसे कई इलाके जलमग्न होने लगे हैं, जिससे स्थानीय निवासियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हालात ऐसे बन गए हैं कि कई स्थानों पर बाढ़ जैसी स्थिति दिखाई देने लगी है और लोगों का दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है। करहैड़ा और सिटी फॉरेस्ट में भी इस समय पानी भरना शुरू हो गया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि हिंडन नदी की समय पर सफाई नहीं होने के कारण यह समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है। नदी में बड़ी मात्रा में जलकुंभियां, झाड़ियां और अन्य प्रकार का कचरा जमा है, जिससे पानी के प्राकृतिक बहाव में बाधा उत्पन्न हो रही है। इसके चलते नदी का पानी आसपास के इलाकों में फैल रहा है और निचले क्षेत्रों में जलभराव बढ़ता जा रहा है। यदि समय-समय पर नदी की सफाई और रखरखाव का कार्य किया जाता तो आज यह स्थिति उत्पन्न नहीं होती। स्थानीय निवासियों ने वर्ष 2022 की घटना का भी जिक्र किया, जब हिंडन नदी में पानी छोड़े जाने के बाद आसपास के कई इलाके पूरी तरह जलमग्न हो गए थे। उस समय भी लोगों को भारी नुकसान उठाना पड़ा था और प्रशासन को राहत एवं बचाव कार्य चलाने पड़े थे। अब एक बार फिर वैसी ही परिस्थितियां बनती दिखाई दे रही हैं, जिससे लोगों में भय और असुरक्षा का माहौल है। नदी के बढ़ते जलस्तर का असर केवल रिहायशी क्षेत्रों तक ही सीमित नहीं है। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण द्वारा विकसित सिटी फॉरेस्ट में भी पानी भर

गया है। सिटी फॉरेस्ट में जलभराव होने से वहां आने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर यह क्षेत्र भी प्रभावित हुआ है। कई स्थानों पर पानी जमा होने के कारण आवागमन में दिक्कतें बढ़ गई हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उनका कहना है कि जलभराव वाले क्षेत्रों से पानी निकालने, नदी की सफाई कराने और प्रभावित लोगों को राहत उपलब्ध कराने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं। लोगों का आरोप है कि प्रशासन की लापरवाही और गैर-जिम्मेदाराना रवैये के कारण स्थिति लगातार बिगड़ रही है। यदि समय रहते उचित कार्रवाई नहीं की गई तो आने वाले दिनों में हालात और गंभीर हो सकते हैं। फिलहाल प्रभावित क्षेत्रों के लोग परेशानी के माहौल में जीवन यापन करने को मजबूर हैं और प्रशासन से राहत की उम्मीद लगाए हुए हैं। हिंडन नदी की नियमित सफाई, अतिक्रमण हटाने और जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने से भविष्य में ऐसी परिस्थितियों से काफी हद तक बचा जा सकता है।

महिला सशक्तिकरण की नई उड़ान: एसआईएमएस व वाल्क फाउंडेशन ने शुरू किया 'ऐशआथी सक्षम' कौशल विकास केंद्र

हापुड़ (शिखर समाचार)। महिलाओं को आत्मनिर्भर, आत्मविश्वासी एवं आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से वाल्क फाउंडेशन चैरिटेबल ट्रस्ट एवं सरस्वती इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड हॉस्पिटल (एस आई एम एस), हापुड़ के संयुक्त तत्वावधान में "ऐशआथी सक्षम" महिला कौशल विकास कार्यक्रम का भव्य शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को आधुनिक, रोजगारपरक एवं गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण देकर उन्हें आर्थिक रूप से सक्षम बनाना है।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद आश्रया रामचंद्रन एवं आथिरा रामचंद्रन ने संयुक्त रूप से रिबन काटकर "ऐशआथी सक्षम" महिला कौशल विकास केंद्र का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर वाल्क फाउंडेशन की संस्थापक एवं प्रबंध न्यासी तथा सरस्वती ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस की वाइस चेयरपर्सन रम्या रामचंद्रन ने

कहा कि यह पहल केवल प्रशिक्षण कार्यक्रम नहीं, बल्कि हजारों महिलाओं के लिए आत्मनिर्भर भविष्य की शुरूआत है। उन्होंने कहा कि जब एक महिला सशक्त होती है तो पूरा परिवार, समाज और राष्ट्र सशक्त बनता है।

प्राचार्या डॉ. बरखा गुप्ता, मेडिकल सुपरिंटेंडेंट मेजर जनरल डॉ. चरणजीत सिंह अहलूवालिया, सीनियर एडवाइजर ब्रिगेडियर डॉ. आर.के. सहगल, डायरेक्टर रघुवर दत्त, जनरल मैनेजर एन. वर्धराजन, एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. ए. रेवंत कुमार सहित चिकित्सकों, शिक्षकों, छात्र-छात्राओं एवं बड़ी संख्या में स्थानीय महिलाओं ने कार्यक्रम में भाग लिया।

जनरल मैनेजर एन. वर्धराजन ने कहा कि संस्थान का उद्देश्य चिकित्सा शिक्षा के साथ-साथ समाज के सर्वांगीण विकास में भी योगदान देना है। वहीं डॉ. ए. रेवंत कुमार ने इसे महिला सशक्तिकरण की दिशा में दूरदर्शी एवं अनुकरणीय पहल बताया।

कार्यक्रम के अंतर्गत महिलाओं के लिए छह माह का पूर्णतः निःशुल्क प्रमाणपत्र आधारित प्रशिक्षण शुरू किया गया है। इसमें कंप्यूटर एप्लीकेशन तथा ब्यूटी एंड वेलनेस से जुड़े रोजगारपरक पाठ्यक्रम विशेषज्ञों द्वारा कराए जाएंगे। प्रशिक्षण पूर्ण होने पर प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र भी प्रदान किए जाएंगे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. कोनिका गुप्ता ने किया। समापन पर अतिथियों ने प्रशिक्षण केंद्र का निरीक्षण कर इस पहल की सराहना की। सरस्वती ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के संस्थापक एवं चेयरमैन डॉ. जे. रामचंद्रन ने भी शुभकामना संदेश प्रेषित किया।

व्यापारियों की समस्याओं पर विधायक विजयपाल आढ़ती का भरोसा : 'चाय पर चर्चा' में जल्द समाधान का आश्वासन

हापुड़ (शिखर समाचार)। रेलवे रोड स्थित श्री पंचायती गौशाला के अध्यक्ष सुरेश ठेकेदार के आवास पर व्यापारी सुरक्षा फोरम संस्थान द्वारा "चाय पर चर्चा" कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें सदर विधायक विजयपाल आढ़ती ने व्यापारियों की समस्याएं सुनीं और उनके शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। बैठक में व्यापारियों ने क्षेत्र की विभिन्न समस्याएं विधायक के समक्ष रखीं। चेतन कोयले वाले ने अतरपुरा चौराहे पर पुलिस द्वारा कथित रूप से गलत ऑनलाइन चालान काटे जाने की शिकायत की। जिला पर्यवेक्षक सचिन जिंदल ने बताया कि विधायक के प्रयासों से राजेंद्र नगर कॉलोनी की सड़क स्वीकृत हो गई है। वहीं जिलाध्यक्ष अरुण गर्ग ने कहा कि विधायक के सहयोग से पक्का बाग की सड़क की मरम्मत हो चुकी है तथा ग्रीन वैली क्षेत्र के लगभग 400 मीटर लंबे नाले को भी स्वीकृति मिल गई है। मंडल अध्यक्ष प्रशांत त्यागी ने कहा कि संगठन जनता की समस्याओं के समाधान के लिए हमेशा तत्पर रहेगा। विधायक विजयपाल आढ़ती ने कहा कि वह प्रतिदिन सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक अपने कार्यालय में बैठकर लोगों की समस्याएं सुनते हैं और हर संभव समाधान का प्रयास करते हैं। कार्यक्रम में विनोद अग्रवाल, राजेंद्र आढ़ती, मनीष सिंघल, गौरव गोयल, मनोज मुन्ना, यशु अग्रवाल, चक्रवर्ती गर्ग, नरेंद्र अग्रवाल 'लालू', विपिन सिंघल सहित अनेक व्यापारी मौजूद रहे।

युवा शक्ति के उत्साह से गूंजा गाजियाबाद, प्रदेश अध्यक्ष के स्वागत में काजल त्यागी का प्रभावी आयोजन

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। भारतीय जनता युवा मोर्चा उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रोहित मिश्रा के प्रथम गाजियाबाद आगमन पर महानगर में विभिन्न स्थानों पर भव्य स्वागत कार्यक्रम आयोजित किए गए। निर्धारित 12 स्वागत स्थलों में युवा मोर्चा की क्षेत्रीय मंत्री काजल त्यागी द्वारा आयोजित स्वागत कार्यक्रम जनसहभागिता, अनुशासन और युवा उत्साह के कारण विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवा कार्यकर्ताओं, महिला कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों ने भाग लेकर प्रदेश अध्यक्ष का पुष्पवर्षा, माल्यार्पण और जयघोष के साथ स्वागत किया। पूरे मार्ग पर उत्साहपूर्ण वातावरण बना रहा और कार्यक्रम में उमड़ी भीड़ ने संगठन की सक्रियता का परिचय दिया। काजल त्यागी के नेतृत्व में आयोजित इस स्वागत कार्यक्रम ने संगठन में महिला नेतृत्व की बढ़ती भूमिका को

भी रेखांकित किया। कार्यक्रम के सफल संचालन, कार्यकर्ताओं के समन्वय और व्यापक जनसंपर्क ने उनकी संगठनात्मक क्षमता को प्रदर्शित किया। बड़ी संख्या में युवाओं की स्वैच्छिक भागीदारी ने यह संकेत दिया कि युवा मोर्चा के बीच उनकी सक्रिय पहचान और मजबूत संगठनात्मक आधार विकसित हुआ है। आयोजन के दौरान अनुशासन और व्यवस्थाओं की भी व्यापक सराहना की गई।

स्वागत कार्यक्रम के उपरांत मोहन नगर स्थित आईटीएस महाविद्यालय में युवा मोर्चा कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित हुई। इसमें प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रोहित मिश्रा ने वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव को लक्ष्य बताते हुए प्रत्येक कार्यकर्ता से बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति भारतीय जनता पार्टी की सबसे बड़ी ताकत है और युवाओं के समर्पण, परिश्रम तथा संगठनात्मक क्षमता के बल पर पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव में बेहतर प्रदर्शन करेगी। बैठक में क्षेत्रीय अध्यक्ष सुखविंदर सोम, प्रदेश मंत्री अमल खटीक, प्रदेश मंत्री अंजलि चौहान, नरेंद्र भाटी, अरुण यादव, महानगर महामंत्री पंकज भारद्वाज, गौरव चोपड़ा, अनुज कश्यप, मीडिया प्रभारी नीरज शर्मा सहित भारतीय जनता पार्टी और युवा मोर्चा के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा में उमड़ा आस्था का सैलाब, श्रद्धालुओं ने नंगे पांव खींचा रथ

मोदीनगर (शिखर समाचार)। नगर में रविवार को भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा धार्मिक उल्लास और श्रद्धा के वातावरण में निकाली गई। रथयात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया, जबकि दिल्ली-मेरठ मार्ग के दोनों ओर दर्शन के लिए लोगों की भीड़ उमड़ी रही। जगह-जगह श्रद्धालुओं और सामाजिक संगठनों ने पुष्पवर्षा कर भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र का स्वागत किया। यात्रा का शुभारंभ सुबह मोदी मंदिर से वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना के बाद हुआ। विधायक डॉ. मंजू सिवाच, आयोजन समिति से जुड़े अजय अग्रवाल, घनश्याम मोदी, विशाल बंसल, निर्दोष तथा अन्य पदाधिकारियों ने भगवान की आरती कर रथयात्रा को रवाना किया। भीषण गर्मी के बावजूद श्रद्धालुओं का उत्साह कम नहीं हुआ। बड़ी संख्या में श्रद्धालु नंगे पांव रस्सियों के सहारे भगवान जगन्नाथ के रथ को खींचते हुए पूरे मार्ग पर चलते रहे। संकीर्तन मंडली के कलाकारों ने भजन-कीर्तन प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों की उल्लेखनीय भागीदारी रही। यात्रा के दौरान विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं के लिए पेयजल और जलपान की भी व्यवस्था की गई। रथयात्रा मोदी मंदिर से प्रारंभ होकर रुक्मणी मार्केट, बस स्टैंड और राज चौक होते हुए लगभग चार घंटे बाद बैंक कॉलोनी स्थित शिवशक्ति मंदिर पहुंचकर संपन्न हुई। समापन पर भगवान की आरती के बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। यात्रा के दौरान पुलिस बल और आयोजन समिति के स्वयंसेवक सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था बनाए रखने में लगातार सक्रिय रहे, जिससे पूरा आयोजन शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ।

साहिबाबाद पुलिस ने दोपहिया वाहन चोरी करने वाले 2 अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना साहिबाबाद पुलिस ने चेकिंग के दौरान दोपहिया वाहन चोरी करने वाले 2 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने इनकी निशानदेही पर चोरी की 2 मोटरसाइकिल बरामद की। सहायक पुलिस आयुक्त साहिबाबाद अमित सक्सेना ने बताया कि साहिबाबाद निवासी सूरज प्रधान ने 19 मई 2026 को शिकायत दर्ज कराई थी कि 7 मई 2026 को अर्थला मेट्रो स्टेशन के पास स्थित वृंदावन गार्डन क्षेत्र से उनकी हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल चोरी हो गई थी। शिकायत के आधार पर थाना साहिबाबाद में बीएनएस की धारा के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। मामले की विवेचना के दौरान 18/19 जुलाई की रात थाना साहिबाबाद पुलिस टीम संदिग्ध वाहन एवं व्यक्तियों की

चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मेट्रो पिलर संख्या 109 और 110 के बीच गाजियाबाद से दिल्ली जाने वाले मार्ग पर पुलिस ने दो संदिग्ध युवकों को रोका। जांच में उनके पास मौजूद दोनों मोटरसाइकिलें चोरी की निकलीं। इनमें से एक मोटरसाइकिल उक्त मुकदमे से संबंधित पाई गई। बरामदगी के आधार पर पुलिस ने मुकदमे में बीएनएस की धारा 317(2) की बढ़ोतरी की गई। दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पूछताछ में गिरफ्तार अभियुक्तों ने बताया कि वह आपस में दोस्त हैं और मिलकर मोटरसाइकिल चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे। बरामद मोटरसाइकिलों में से एक को उन्होंने 7 मई 2026 को मोहननगर स्थित वृंदावन ग्रीन्स बैंक्वेट हॉल के पास से तथा दूसरी को 2 जून 2026 को दिल्ली के खिचड़ीपुर क्षेत्र से चोरी किया था। चोरी की गई मोटरसाइकिलों का उपयोग वह दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में अन्य वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम देने तथा आने-जाने के लिए करते थे। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान रमीज और शमशाद के रूप में हुई है। इसके अलावा इनके खिलाफ पहले भी चोरी और वाहन चोरी से संबंधित मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस अब इनके अन्य आपराधिक मामलों और संभावित साथियों के बारे में भी जानकारी जुटा रही है।

कविनगर पुलिस ने 2 सरिया चोरों को किया गिरफ्तार, 1500 किलो माल बरामद

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। गौतम बुध नगर के बाद गाजियाबाद में भी सरिया चोरी करने वालों के खिलाफ पुलिस लगातार कार्यवाही कर रही है। वेव सिटी पुलिस के साथ मिलकर स्वाट टीम ने कई सरिया चोरी करने वालों को गिरफ्तार किया था। एक बार फिर सरिया चोरों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। इस बार थाना कविनगर पुलिस और स्वाट टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए सरिया चोरी करने वाले 2 चोरों को गिरफ्तार करने का दावा किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से 1500 किलो चोरी का सरिया तथा एक ट्रैक्टर-ट्रॉल बरामद की। सहायक पुलिस आयुक्त

कविनगर सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि थाना कविनगर क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान फैक्ट्री एरिया में मुखर्जी पार्क के पास सरिया से लदी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली आती दिखाई दी। पुलिस टीम ने वाहन को रोकने का प्रयास किया, लेकिन चालक ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को मोड़कर भागने की कोशिश की। इसके बाद थाना कविनगर पुलिस और स्वाट टीम ने घेराबंदी कर वाहन को रोक लिया और उसमें सवार दोनों लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान धर्मेंद्र और रोहित के रूप में हुई है। वहीं पुलिस इनके अन्य साथियों की तलाश कर रही है और जानकारी जुटा रही है कि यह किन लोगों को चोरी का सरिया सप्लाई किया करते हैं। पूछताछ में अभियुक्तों ने पुलिस को बताया कि वह विभिन्न स्थानों से लोहे का सरिया चोरी कर उसे लोहा मंडी में बेच देते थे। जिस सरिया को लेकर वह जा रहे थे, उसे भी बेचने की तैयारी थी, लेकिन उससे पहले ही पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया।

गांधी बाजार में दो महिलाओं के बीच सड़क पर मारपीट, चप्पल-थप्पड़ों का वीडियो वायरल

हापुड़ (शिखर समाचार)। पिलखुवा के गांधी बाजार पुल के नीचे शनिवार को दो महिलाओं के बीच हुई मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। बीच सड़क हुई इस घटना को देखने के लिए लोगों की भीड़ जुट गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार किसी बात को लेकर दोनों महिलाओं के बीच कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। दोनों ने एक-दूसरे पर चप्पलों और थप्पड़ों से हमला कर दिया। मारपीट के दौरान राहगीर तमाशबीन बने रहे। कुछ लोगों ने बीच-बचाव का प्रयास किया, लेकिन काफी देर तक दोनों महिलाओं के बीच हाथापाई जारी रही। इसी दौरान किसी व्यक्ति ने घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। हालांकि शिखर समाचार वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। सीओ पिलखुवा मुनीश चंद्र ने बताया कि मामला उनके संज्ञान में नहीं था। यदि किसी पक्ष की ओर से तहरीर मिलती है तो जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

10वीं की छात्रा के अपहरण व दुष्कर्म का आरोप, अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने की एफआईआर दर्ज

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना हापुड़ देहात क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने गांव के ही युवक पर अपनी नाबालिग पुत्री के अपहरण, दुष्कर्म, अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता के पिता के अनुसार उनकी पुत्री बाबूगढ़ छावनी स्थित एक स्कूल में कक्षा 10 की छात्रा है। आरोप है कि गांव निवासी राजदेव कई दिनों से छात्रा को बहला-फुसला रहा था। 12 जून को जब छात्रा ट्यूशन के लिए निकली तो आरोपी कार से उसे अपने साथ ले गया। आरोप है कि उपैड़ा गांव के पास हाईवे से जंगल की ओर ले जाकर आरोपी ने छात्रा के साथ दुष्कर्म किया और उसका अश्लील वीडियो बना लिया। विरोध करने पर वीडियो वायरल करने तथा छात्रा और उसके भाई की हत्या की धमकी दी गई। डरी हुई छात्रा ने घर पहुंचकर घटना की जानकारी अपनी मां को दी, जिसके बाद परिजनों ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। देहात थाना प्रभारी पारस मलिक ने बताया कि आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम गठित कर दी गई है।

अवैध तमंचा और कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार, न्यायालय के आदेश पर भेजा गया जेल

रबूपुरा (शिखर समाचार) रबूपुरा थाना पुलिस ने अवैध हथियार रखने के मामले में एक युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार नियमित गश्त और संदिग्ध व्यक्तियों की जांच के दौरान गांव मिजार्पुर के निकट यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) के सेक्टर-18 जाने वाले मार्ग पर एक युवक संदिग्ध अवस्था में दिखाई दिया। पुलिस ने उसे रोककर पूछताछ की और तलाशी ली तो उसके कब्जे से एक अवैध तमंचा तथा एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। इसके बाद पुलिस ने तत्काल उसे हिरासत में लेकर थाने पहुंचाया।

पूछताछ में आरोपी की पहचान गांव मिजार्पुर निवासी अंकित के रूप में हुई। पुलिस ने उसके विरुद्ध शस्त्र अधिनियम की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी की। बाद में आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में अवैध हथियार रखने वालों और अपराधियों के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा तथा कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

मेले में खाना पकाने के दौरान लगी आग

बरेली , एजेंसी। गौरी शंकर मंदिर में लगे शिव तेरस में मेले में शुक्रवार सुबह खाना पकाने के दौरान आग लग गई। लोगों ने सबमर्सिबल पंप से पानी निकालकर आग बुझाने का प्रयास किया। बाद में फायर ब्रिगेड की टीम भी मौके पर पहुंची। मशक्कत से आग बुझाई गई। गुलड़िया गौरी शंकर में लगने वाले शिव तेरस के मेले में बदायूं के सहसवान कस्बे के आशीष अग्रवाल सॉफ्टी की दुकान लगाने आए थे। आठ दिन पहले मशीनों समेत सारा सामान पहुंचा दिया गया था। दुकान पर आशीष के दो कर्मचारी अमन और सोनू यहां रुके थे। शुक्रवार सुबह सोनू सिलिंडर गैस से चूल्हे पर खाना पका रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, वे लोग चूल्हा जलता छोड़कर कुछ देर के लिए काम से चले गए थे। इस दौरान आग फैल गई। लोग कुछ समझ पाते तब तक पूरी दुकान आग की चपेट में आ चुकी थी। मंदिर के सेवादारों ने सबमर्सिबल पंप से पानी निकालकर आग बुझाने का प्रयास किया। सूचना पर फायर ब्रिगेड की टीम भी पहुंच गई। मशक्कत से आग बुझाई गई। आशीष अग्रवाल ने बताया कि इस मेले में पहली बार दुकान लगाने आए थे। आग लगने से सॉफ्टी बनाने की तीन मशीनें, एक स्कूटी, इनवर्टर बैटरी और कई डीप फीजर जलकर राख हो चुके हैं।

डॉट नाले धंसने का कारण जानने को गुजरात की कंपनी करेगी सर्वे

कानपुर , एजेंसी। शहर में कई इलाकों में कुछ दिनों में धंसे डॉट नालों के कारणों को जानने के लिए गुजरात की कंपनी सर्वे करेगी। अगले सप्ताह टीम शहर आएगी। नगर निगम जोन चार की अधिशासी अभियंता मीनाक्षी अग्रवाल के मुताबिक, शहर में दो साल में सड़क धंसने की घटनाएं बढ़ी हैं। इसका मुख्य कारण, भूमिगत केबल, सीयूजीएल पाइप लाइन बिछाया जाना है। पाइप लाइनों के लिए खुदाई और डॉट नालों के अंदर से लाइनें निकलने के कारण वह कमजोर हो रहे हैं जिससे बारिश के दौरान सड़कें धंस रही हैं। नगर निगम ने पूरे शहर में सर्वे कराने की जिम्मेदारी गुजरात की ग्रीन टेक्नोलॉजी कंपनी को दी है। कंपनी नालों की स्थिति की जानकारी जुटा कर रिपोर्ट तैयार करेगी। बता दें कि ब्रह्मनगर, बाकरगंज, बेनाझाबर और अशोकनगर में नाला धंसने से सड़क पर बड़े गड्ढे हो गए थे।

महिला एचआईवी पीड़ित मिली, टैटू से संक्रमण का आशंका

कानपुर , एजेंसी। हैलट में चार दिन पहले एक महिला में एचआईवी संक्रमण की पुष्टि हुई है। करीब एक महीने पहले त्वचा रोग विभाग में प्राइवेट पार्ट में गंभीर संक्रमण (जेनिटल इंफेक्शन) की शिकायत लेकर आई थी। उसकी जांच के बाद यह खुलासा हुआ। वहीं, महिला ने टैटू भी बनवाया था। ऐसे में डॉक्टरों ने आशंका जताई है कि टैटू बनाते समय इस्तेमाल की गई दूषित और असंक्रमित सुई के कारण महिला इस जानलेवा वायरस की शिकार हुई होगी। रोगी का इलाज कर रहे चर्म रोग विशेषज्ञ डॉ. श्वेतांक ने बताया कि अभी सीधे तौर पर नहीं कहा जा सकता है कि महिला के टैटू बनवाने से एचआईवी हुआ है। डॉ. श्वेतांक ने बताया कि महिला को एंटी रेट्रोवायरल थैरेपी (एआरटी) सेंटर भेजा गया। हालांकि वहां से परिवार प्राइवेट केंद्र चला गया जहां उसका इलाज जारी है। डॉक्टरों का कहना है कि इस बीमारी का कोई स्थायी इलाज नहीं है और रोगी को जीवन भर बेहद सतर्कता के साथ दवाएं लेनी पड़ती हैं। टैटू के शौकीनों को आगाह करते हुए डॉक्टरों ने बताया कि टैटू से सिर्फ एचआईवी ही नहीं बल्कि कई अन्य त्वचा रोग भी हो रहे हैं। टैटू में इस्तेमाल होने वाली लाल और हरे रंग की स्याही के कारण कुछ लोगों को एलर्जी का खतरा होता है। इसके चलते त्वचा पर दर्दनाक व खुजलीदार चकत्ते उभर आते हैं। उन्होंने कहा कि हमेशा किसी अच्छी, साफ-सुथरी और प्रमाणित जगह से ही टैटू बनवाएं। टैटू आर्टिस्ट पर दबाव बनाएं कि वे आपके सामने ही सील पैक से नई और कीटाणुरहित सुई निकालें। टैटू बनवाने से पहले इस्तेमाल होने वाले रंगों और औजारों की स्वच्छता को लेकर पूरी तसल्ली कर लें। आपकी छोटी सी लापरवाही जानलेवा साबित हो सकती है।

संविधान हमें सुरक्षा के साथ अधिकार भी देता है: प्रिया सरोज

वाराणसी , एजेंसी। मछलीशहर की सपा सांसद प्रिया सरोज ने शुक्रवार को पिंडरा विकास खंड के प्राथमिक विद्यालय जमापुर में बच्चों के शैक्षिक स्तर का मूल्यांकन करने के साथ उन्हें पढ़ाई के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि संविधान हमें सुरक्षा और हक का अधिकार देता है। संविधान के चलते ही आज निशुल्क शिक्षा मिल रही है। कक्षा 5 की छात्रा अनन्या पटेल से उन्होंने डॉ. भीमराव आंबेडकर के बारे में पूछा। छात्रा ने बताया कि डॉ भीमराव ने कहा था कि पैर में जूते भले न हो लेकिन हाथ में किताब होनी चाहिए। प्रियांशी यादव से उन्होंने स्कूल में मिलने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। सांसद ने स्मार्ट क्लास रूम, लाइब्रेरी और किचेन का निरीक्षण किया। उन्होंने 110 छात्र-छात्राओं को स्कूल बैग के साथ स्टेशनरी दी। निरीक्षण के दौरान प्रधान विनोद पटेल, मनोज यादव, नौशाद खां, वंशनरायन पटेल आदि मौजूद रहे।

आईटी सिटी-वेलनेस सिटी के प्रभावितों को राहत की तैयारी

एलडीए देगा निर्माण लागत का मुआवजा

लखनऊ, एजेंसी। एलडीए आईटी सिटी और वेलनेस सिटी योजना से जुड़े उन लोगों को राहत देने की तैयारी में है, जिन्हें प्रॉपर्टी डीलरों ने गलत जमीन बेच दी थी और अब उनके मकान टूटने का खतरा बना हुआ है। एलडीए ऐसे लोगों को निर्माण लागत का मुआवजा देने का प्रस्ताव बना रहा है। यह कदम योजना को कानूनी विवादों से बचाने के लिए उठाया जा रहा है।

एलडीए सुल्तानपुर रोड पर लैंडपूलिंग नीति के तहत आईटी और वेलनेस सिटी योजना ला रहा है। इस नीति में एलडीए भूस्वामियों से निशुल्क जमीन लेकर बदले में 25 फीसदी विकसित जमीन देता है। योजना आने से पहले ही इन गांवों में 500 से अधिक मकान बन चुके हैं। इनमें से ज्यादातर मकान ग्राम समाज की जमीनों पर बने हैं।

बिल्डरों ने कागज पर सही जमीन बेची, लेकिन मौके पर गलत कब्जा दिया। ये मकान 10 से 15 साल पुराने हैं और ज्यादातर बैंक कर्ज लेकर बनाए गए हैं। अब एलडीए बिना मानचित्र निर्माण का नोटिस जारी कर तोड़ने की चेतावनी दे रहा है। ऐसे में लोग कोर्ट जाने की बात कर रहे हैं।

प्रस्ताव लाने का कारण

योजना से जुड़े जानकारों के अनुसार, लैंडपूलिंग योजना में एलडीए को जमीन आने के बाद प्लॉट देना होगा। जिन लोगों को प्रॉपर्टी डीलरों ने धोखाधड़ी से गलत जगह कब्जा दिया, लेकिन रजिस्ट्री में सही खसरा नंबर दिखाया, वहां विवाद होगा। लोग रजिस्ट्री लेकर कोर्ट जाएंगे तो मामला फंस सकता है।

इस स्थिति से बचने के लिए एलडीए बीच का रास्ता निकाल रहा है। विवाद वाली जमीनों पर बने मकानों के मालिकों को निर्माण लागत का मुआवजा दिया जाएगा। जिन लोगों के मकान सही जमीन पर हैं, उन्हें निर्माण लागत के अलावा लैंडपूलिंग के तहत प्लॉट देने का भी ऑफर दिया जा रहा है।

महंगी बिक रही जमीन, नहीं बढ़ेंगे दाम

में व्यावसायिक जमीनों की कीमतें नहीं बढ़ाएगा। इन योजनाओं में जमीनें नीलामी से बेची जा रही हैं। इसको लेकर यह चर्चा थी कि अगले महीने से एलडीए जमीनों की कीमत 10 से 15 प्रतिशत तक बढ़ा सकता है। अब एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार ने कहा कि अभी कीमत नहीं बढ़ाई जा रही है।

दुकान और फ्लैट का पंजीकरण कराने के लिए बैंक से मिलेगा लोन

एलडीए ने भूखंड या फ्लैट खरीदने के इच्छुक लोगों के लिए नई सुविधा शुरू की है। अब पंजीकरण धनराशि के लिए भी बैंक लोन मिलेगा। एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार की पहल पर पंजाब नेशनल बैंक के साथ शुक्रवार को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि पहले आओ-पहले पाओ योजना में फ्लैट खरीदने के लिए ऑनलाइन पंजीकरण होता है। सामान्य श्रेणी के आवेदक को अनुमानित मूल्य का पांच फीसदी और आरक्षित श्रेणी को 2.5 फीसदी पंजीकरण शुल्क देना होता है।

ई-ऑक्शन में व्यावसायिक या आवासीय संपत्ति के लिए 10 फीसदी ईएमडी जमा करनी पड़ती है। लॉटरी से आवंटित होने वाले भूखंड और फ्लैट के लिए भी पंजीकरण धनराशि आवश्यक होती है। पहले बैंक केवल संपत्ति आवंटन के बाद ही ऋण देते थे। इससे कई लोग पंजीकरण शुल्क न होने के कारण आवेदन नहीं कर पाते थे। नई व्यवस्था से इच्छुक नागरिक आसानी से पंजीकरण करा सकेंगे।

कागजी कार्रवाई में बचत

एलडीए के वित्त नियंत्रक अनिल कुमार सिंह ने बताया कि आवंटन होने पर शेष धनराशि के लिए ऋण प्रक्रिया सरल होगी। आवेदक को दोबारा विस्तृत कागजी औपचारिकताएं पूरी नहीं करनी पड़ेंगी। यदि संपत्ति का आवंटन नहीं होता है, तो एलडीए पंजीकरण धनराशि सीधे बैंक को वापस कर देगा।

25 जुलाई को बिजनौर पहुंचेगा राज्य स्थानीय ग्रामीण निकाय समर्पित पिछड़ा वर्ग आयोग, जनसुनवाई में सुने जाएंगे सुझाव व आपत्तियां

बिजनौर (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश राज्य स्थानीय ग्रामीण निकाय समर्पित पिछड़ा वर्ग आयोग का 25 जुलाई को जनपद बिजनौर आगमन प्रस्तावित है। आयोग स्थानीय ग्रामीण निकायों से जुड़े विभिन्न विषयों पर जनप्रतिनिधियों, संबंधित पक्षों तथा नागरिकों के सुझाव और आपत्तियां सुनकर आवश्यक तथ्य संकलित करेगा। जिला प्रशासन ने आयोग के दौरे को लेकर सभी तैयारियां प्रारंभ कर दी हैं और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्थाएं समय से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

जिलाधिकारी जसजीत कौर ने बताया कि आयोग 25 जुलाई को प्रातः 11:00 बजे से अपराह्न 2:30 बजे तक जनसुनवाई आयोजित करेगा। इस दौरान स्थानीय ग्रामीण निकायों से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर संबंधित पक्षों से सुझाव एवं आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी, ताकि आयोग अपनी संस्तुतियां तैयार करने से पूर्व सभी पक्षों का मत जान सके। जनसुनवाई के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों की वास्तविक स्थिति और स्थानीय आवश्यकताओं का भी आकलन किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि आयोग 26 जुलाई 2026 को प्रातः 9:30 बजे नजीबाबाद के लिए प्रस्थान करेगा। वहां विकासखंड तथा ग्राम पंचायतों का भ्रमण कर स्थानीय स्तर पर आवश्यक जानकारी और तथ्य एकत्र किए जाएंगे। आयोग का यह भ्रमण ग्रामीण निकायों की स्थिति का प्रत्यक्ष अवलोकन करने तथा विभिन्न पहलुओं का मूल्यांकन करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को आयोग के प्रस्तावित कार्यक्रम के सफल एवं सुव्यवस्थित संचालन के लिए सभी आवश्यक प्रबंध समय रहते पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई और भ्रमण कार्यक्रम के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें।

कांग्रेस ने कराया सपा को एक सीट का नुकसान

समिति के 12 में से 11 सदस्य भाजपा के

वाराणसी , एजेंसी। गहमागहमी के बीच हुए नगर निगम कार्यकारिणी चुनाव में कांग्रेस की मौजूदगी से सपा को एक सीट का नुकसान हुआ, जबकि भाजपा को एक सीट का फायदा मिला। कार्यकारिणी के छह सदस्यों के सेवानिवृत्त होने के बाद शुक्रवार को टाउनहॉल में नगर निगम सदन की बैठक के दौरान चुनाव कराया गया। इसमें भाजपा के पांच, सपा के एक और कांग्रेस के एक प्रत्याशी समेत कुल सात उम्मीदवार मैदान में रहे। चुनाव के बाद कार्यकारिणी समिति के 12 सदस्यों में भाजपा के 11 और सपा का एक सदस्य रह गया। पहले सपा के दो सदस्य थे। चुनाव में रिकॉर्ड 95.53 प्रतिशत मतदान हुआ।

मेयर अशोक कुमार तिवारी की अध्यक्षता में दोपहर ढाई बजे चुनाव प्रक्रिया शुरू हुई। करीब साढ़े पांच घंटे बाद रात आठ बजे परिणाम घोषित किए गए। भाजपा के प्रत्याशियों में उपसभापति नरसिंह दास, बलराम कन्नौजिया, इंद्रारानी, संदीप रघुवंशी और संजय केशरी विजयी रहे। सपा के गोविंद सिंह पटेल भी चुनाव जीत गए, जबकि कांग्रेस के प्रत्याशी गुलशन अली पराजित हो गए। कार्यकारिणी के 12 सदस्यों में से छह सदस्य 27 जून को सेवानिवृत्त हो गए थे। इन्हीं छह रिक्त पदों के लिए चुनाव कराया गया।

चुनाव के लिए कुल आठ प्रत्याशियों ने नामांकन किया था, लेकिन पर्याप्त समर्थन न होने के कारण सपा प्रत्याशी अमरदेव यादव ने नाम वापस ले लिया। इसके बाद सात प्रत्याशी मैदान में रह गए। कांग्रेस प्रत्याशी गुलशन अली ने नाम वापस नहीं लिया। कांग्रेस के पास पर्याप्त मत न होने के बावजूद चुनाव मैदान में बने रहने के कारण चुनाव कराना पड़ा।

चुनाव में दो राज्यमंत्री, तीन विधायक और तीन एमएलसी ने डाले वोट

चुनाव में राज्यमंत्री रविंद्र जायसवाल और हंसराज विश्वकर्मा ने मतदान किया। विधायकों में डॉ. नीलकंठ तिवारी, सौरभ श्रीवास्तव और सुनील पटेल ने वोट डाला। विधान परिषद सदस्यों में धर्मेंद्र राय, अन्नपूर्णा सिंह और सपा के स्नातक एमएलसी आशुतोष सिन्हा ने मतदान किया। कार्यकारिणी चुनाव की मतदाता सूची में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत 112 सदस्य शामिल हैं। इनमें दो सांसद, पांच विधायक, पांच विधान परिषद सदस्य और 100 पार्षद हैं।

नाबालिग को बहला फुसलाकर ले जाने का आरोपी सुशांत गिरफ्तार

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। नगीना थाना पुलिस ने नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर ले जाने के मामले में मुख्य आरोपी सुशांत को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई कर उसे न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

पुलिस के अनुसार 25 जून को पीड़िता की मां ने नगीना थाने में तहरीर देकर अपनी नाबालिग पुत्री के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई थी। आरोप लगाया गया था कि कुछ युवकों ने साजिश के तहत उनकी बेटी को बहला फुसलाकर अपने साथ ले गए।

तहरीर के आधार पर पुलिस ने बिन्जाहेड़ी निवासी सुशांत, कमलेश, सूरज, नजीबाबाद थाना क्षेत्र के सिकंदरपुर बसी निवासी अनस तथा नगीना देहात थाना क्षेत्र के आल्हाहेड़ी निवासी एक अन्य आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने साक्ष्यों के आधार पर जांच तेज की और मुख्य आरोपी सुशांत को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का कहना है कि नामजद अन्य आरोपियों की भूमिका की भी गहनता से जांच की जा रही है। उनकी संलिप्तता के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

छोटी नहर की पटरी टूटने से आवागमन ठप, सिंचाई विभाग की उदासीनता पर ग्रामीणों में आक्रोश

कांधला/शामली (शिखर समाचार)। थाना क्षेत्र के गांव नाला के समीप स्थित छोटी नहर की पटरी टूट जाने से क्षेत्र में आवागमन पूरी तरह प्रभावित हो गया है। कई दिनों से क्षतिग्रस्त पड़ी पटरी के कारण ग्रामीणों, किसानों, मजदूरों और स्कूली बच्चों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों का आरोप है कि बार-बार शिकायत किए जाने के बावजूद सिंचाई विभाग ने अब तक मरम्मत के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया है, जिससे ग्रामीणों में विभाग के प्रति गहरा रोष व्याप्त है।

ग्रामीणों का कहना है कि नहर की पटरी टूटने से खेतों तक पहुंचना कठिन हो गया है। किसानों को कृषि कार्य के लिए लंबा रास्ता तय करना पड़ रहा है, जबकि स्कूली बच्चों और दैनिक आवागमन करने वाले लोगों को भी अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ रही है। बरसात के चलते हालात और अधिक गंभीर हो गए हैं। जलभराव और फिसलन के कारण दुर्घटना की आशंका लगातार बनी हुई है, जिससे लोगों में भय का माहौल है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि सिंचाई विभाग के अधिकारियों को कई बार इस समस्या से अवगत कराया गया, लेकिन विभागीय स्तर पर केवल आश्वासन ही मिले। समय रहते मरम्मत नहीं होने से लोगों की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र ही नहर की पटरी की मरम्मत कर आवागमन बहाल नहीं कराया गया तो वे प्रशासन के खिलाफ आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग करते हुए कहा है कि सिंचाई विभाग को आवश्यक निर्देश जारी किए जाएं, ताकि क्षतिग्रस्त पटरी की जल्द मरम्मत कराई जा सके। उनका कहना है कि समय पर कार्रवाई होने से न केवल लोगों की परेशानी दूर होगी, बल्कि किसी संभावित बड़े हादसे को भी टाला जा सकेगा।

एयरटेल वाईफाई कर्मी पर ढाई लाख रुपये की दो स्प्लाइसिंग मशीन लेकर फरार होने का आरोप

शामली (शिखर समाचार)। शहर कोतवाली क्षेत्र में एयरटेल वाईफाई सेवा से जुड़े दो कर्मचारियों ने अपने ही एक साथी पर करीब ढाई लाख रुपये मूल्य की दो स्प्लाइसिंग मशीन लेकर फरार होने का आरोप लगाया है। पीड़ितों ने कोतवाली में तहरीर देकर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मशीनें बरामद कराने और कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। दयानंद नगर गली नंबर-11 निवासी रवि सिंह और अमित कुमार ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि वे अपने साथियों के साथ किराये के मकान में रहकर एयरटेल कंपनी की वाईफाई सेवा से संबंधित तकनीकी कार्य करते हैं। उनके साथ दयानंद नगर का एक युवक भी कार्यरत था। आरोप है कि 18 जुलाई की रात करीब आठ बजे वह कार्यस्थल से दो स्प्लाइसिंग मशीन लेकर चला गया। इन मशीनों की अनुमानित कीमत करीब ढाई लाख रुपये बताई गई है। पीड़ितों के अनुसार जब उन्होंने आरोपी से मशीनों के संबंध में पूछताछ की तो उसने कथित तौर पर मशीनें अपने पास होने की बात स्वीकार करते हुए उन्हें चुनौतीपूर्ण अंदाज में जवाब दिया। इसके बाद दोनों कर्मचारी आरोपी के घर पहुंचे, जहां परिजनों ने बताया कि वह उसी रात गाजियाबाद चला गया है। घटना की सूचना तत्काल डायल-112 पर दी गई, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और प्रारंभिक जानकारी जुटाई। कोतवाली पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर पूरे मामले की जांच की जा रही है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का प्रयास है कि आरोपी का जल्द पता लगाकर दोनों स्प्लाइसिंग मशीन बरामद की जाएं।

रेलवे ट्रैक पर मिले युवक के शव को लेकर परिजनों का हंगामा, हत्या की आशंका जताकर कार्रवाई की मांग

शामली (शिखर समाचार)। शहर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला दयानंद नगर, कौशांबी विहार निवासी लोगों ने रविवार को कोतवाली पहुंचकर रेलवे ट्रैक पर मिले युवक के शव के मामले में पुलिस पर कार्रवाई न करने का आरोप लगाते हुए प्रदर्शन किया। परिजनों ने युवक की हत्या कर शव रेलवे ट्रैक पर फेंके जाने की आशंका जताते हुए हत्या का मुकदमा दर्ज करने की मांग की। मामले को लेकर कुछ समय तक कोतवाली परिसर में तनावपूर्ण माहौल बना रहा।

जानकारी के अनुसार मोहल्ला दयानंद नगर निवासी पवन शर्मा का शव 16 जुलाई की शाम बलवा रेलवे ट्रैक के पास लावारिस अवस्था में मिला था। परिजनों का कहना है कि पवन शर्मा कंडेला स्थित एक चम्मच फैक्ट्री में कार्यरत थे। उनका आरोप है कि घटना वाले दिन वह बलवा निवासी एक युवक के साथ थे, जिसने उन्हें शराब पिलाई थी। अगले दिन अज्ञात शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद 17 जुलाई की रात पुलिस ने परिजनों को सूचना दी कि रेलवे ट्रैक के पास मिला शव पवन शर्मा का है।

शनिवार को प्राप्त पोस्टमार्टम रिपोर्ट में अत्यधिक शराब के सेवन के बाद ट्रेन की चपेट में आने से मृत्यु होने की बात सामने आई। इसके आधार पर पुलिस ने परिजनों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन परिजन इस निष्कर्ष से संतुष्ट नहीं हुए। रविवार को पिता वेदप्रकाश, माता प्रेमवती, पत्नी रीटा शर्मा, पुत्री वाणी शर्मा सहित अन्य परिजन और मोहल्लेवासी कोतवाली पहुंचे तथा हत्या की आशंका जताते हुए कार्रवाई की मांग की।

सूचना मिलने पर क्षेत्राधिकारी नगर जितेंद्र कुमार भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने परिजनों को बताया कि कॉल डिटेल, सीसीटीवी फुटेज और गवाहों के बयान सहित उपलब्ध साक्ष्यों की जांच में हत्या के कोई प्रमाण नहीं मिले हैं। इसके बावजूद परिजन हत्या का मुकदमा दर्ज करने की मांग पर अड़े रहे। काफी देर तक समझाने-बुझाने के बाद परिजन वापस लौट गए। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर जारी रहेगी।

रोहिल्लापुर के किसानों ने पुरानी आबादी की भूमि पर 5 प्रतिशत भूखंड योजना का किया विरोध, निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की उठाई मांग

नोएडा (शिखर समाचार) ग्राम रोहिल्लापुर, सेक्टर-132 के किसानों ने रविवार को नोएडा प्राधिकरण द्वारा खसरा संख्या-4 स्थित उनकी पुरानी ग्रामीण आबादी की भूमि पर 5 प्रतिशत आवासीय भूखंड लगाए जाने की प्रक्रिया का कड़ा विरोध जताया। किसानों ने आरोप लगाया कि यह कार्रवाई नियमों, उनके साथ हुए लिखित समझौते तथा न्यायालयों में लंबित मामलों के विपरीत है। उनका कहना है कि प्राधिकरण इस मामले में अपने पक्ष में माहौल बनाने के लिए भ्रामक सूचनाएं प्रसारित कर मीडिया को भी गुमराह करने का प्रयास कर रहा है, ताकि संबंधित भूखंडों का आवंटन आसानी से किया जा सके। किसानों ने पूरे मामले की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कर दोषी अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है।

किसानों ने जारी बयान में कहा कि खसरा संख्या-4 की भूमि का मुआवजा आज तक प्राप्त नहीं हुआ है। इस भूमि से जुड़े मामले जिला न्यायालय तथा उच्चतम न्यायालय में विचाराधीन हैं। किसानों का कहना है कि जब तक मुआवजा नहीं दिया जाता, तब तक नोएडा प्राधिकरण भूमि का वैधानिक स्वामी नहीं माना जा सकता। ऐसे में इस भूमि पर किसी भी प्रकार की योजना लागू करना विधिक रूप से उचित नहीं है। किसानों ने बताया कि खसरा संख्या-4 के बीच से गुजरने वाली 24 मीटर चौड़ी सड़क का निर्माण वर्षों तक उनकी पुरानी आबादी के कारण लंबित रहा था। वर्ष 2016 में प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारियों ने उनसे वार्ता कर सड़क निर्माण में सहयोग मांगा था। उस समय अधिकारियों ने आश्वासन दिया था कि सड़क और संस्थागत भूखंडों में आने वाली भूमि का नियमानुसार मुआवजा दिया जाएगा तथा गांव की आबादी की ओर स्थित शेष भूमि का आबादी विनियमावली के अंतर्गत विनियमीकरण किया जाएगा। इसके बाद प्राधिकरण द्वारा सर्वे कराया गया और आबादी विनियमावली के अंतर्गत गठित समिति ने स्थल का निरीक्षण कर अपनी रिपोर्ट में आबादी को मान्यता देते हुए विनियमीकरण की संस्तुति की। किसानों का कहना है कि इसी आधार पर वर्ष 2017 में आबादी विनियमीकरण की प्रक्रिया भी पूरी की गई थी। उनका दावा है कि सर्वे रिपोर्ट, लिखित समझौता और समिति की संस्तुति आज भी उपलब्ध है। किसानों ने यह भी कहा कि वर्ष 2003 में तत्कालीन मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने इस भूमि को आबादी मानते हुए इसे शासन को संदर्भित करने के आदेश दिए थे। उनके अनुसार यह भूमि नोएडा प्राधिकरण द्वारा पूर्व निर्धारित ग्राम परिधि के भीतर स्थित पुरानी ग्रामीण आबादी है। ऐसे में यहां 5 प्रतिशत आवासीय भूखंड लगाए जाना प्राधिकरण के अपने नियमों और नीतियों के भी विपरीत है।

किसानों का कहना है कि इस भूमि से संबंधित वाद जिला न्यायालय के अलावा अजीत सिंह बनाम उत्तर प्रदेश सरकार प्रकरण के रूप में उच्चतम न्यायालय में भी विचाराधीन है। इसलिए इस भूमि पर किसी भी प्रकार की प्रशासनिक कार्रवाई न्यायिक प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती है। किसानों ने आरोप लगाया कि लिखित समझौते और पूर्व में हुई कार्रवाई के बावजूद अब 5 प्रतिशत भूखंड लगाने की प्रक्रिया गंभीर संदेह उत्पन्न करती है। उन्होंने आशंका जताई कि ग्रामीणों और किसानों के वैधानिक अधिकारों की अनदेखी कर पूरी प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा रहा है।

सक्षम स्थापना दिवस पर दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण का लिया संकल्प

बिजनौर (शिखर समाचार)। सक्षम संस्था का स्थापना दिवस विदुरकुटी स्थित आवासीय वृद्धाश्रम में सेवा, समर्पण और सामाजिक जागरूकता के वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता, संत सूरदास और महामुनि अष्टावक्र के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर किया गया। वक्ताओं ने दिव्यांगजनों के सम्मान, स्वावलंबन और अधिकारों की रक्षा के लिए समाज की सक्रिय भागीदारी पर बल देते हुए अधिक से अधिक लोगों से संस्था के सेवा कार्यों से जुड़ने का आह्वान किया।

मुख्य वक्ता सक्षम मेरठ प्रांत के पूर्णकालिक कार्यकर्ता आशुतोष ने कहा कि सक्षम एक सेवा-समर्पित संस्था है, जो दिव्यांगजनों के सर्वांगीण विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, आत्मनिर्भरता और सम्मानपूर्ण जीवन के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि समाज में दिव्यांगजनों के प्रति संवेदनशीलता और सहयोग की भावना विकसित करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने संस्था द्वारा संचालित विभिन्न सेवा गतिविधियों की जानकारी देते हुए सभी से इन प्रयासों में सहभागी बनने का आग्रह किया। सक्षम बिजनौर के संरक्षक एम.एल. भारद्वाज ने कहा कि दिव्यांगजनों की सेवा ईश्वरीय कार्य है और समाज के प्रत्येक व्यक्ति को इसमें अपनी भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि सक्षम की जिला इकाई बिजनौर में दिव्यांगजनों के हित से जुड़े आवश्यक कार्यों को निःशुल्क और पूरी प्रतिबद्धता के साथ करने के लिए सदैव तत्पर रहेगी। जिला सचिव डॉ. अमित नारायण तथा कोषाध्यक्ष राजीव कुमार शर्मा ने सरकार द्वारा दिव्यांगजनों के लिए संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की विस्तार से जानकारी देते हुए उनका अधिकाधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में जिला कार्यकारिणी सदस्य मोहित गौड़, प्रेमराज, गौरव, पंडित अंकित शर्मा, आश्रम से जुड़ी लक्ष्मी गुप्ता तथा मिथलेश यादव ने भी अपने विचार व्यक्त किए और दिव्यांगजनों के हित में सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया।

बार बार यातायात नियम तोड़ने वालों पर बिजनौर पुलिस का बड़ा शिकंजा, 7,170 वाहनों के पंजीकरण और 185 ड्राइविंग लाइसेंस निलंबन की प्रक्रिया शुरू

बिजनौर (शिखर समाचार)। सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने और जनपद में यातायात व्यवस्था को अधिक सुरक्षित एवं अनुशासित बनाने के उद्देश्य से बिजनौर यातायात पुलिस ने अब तक का बड़ा अभियान शुरू किया है। इस अभियान के तहत बार बार यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों, शराब पीकर वाहन चलाने वालों तथा सड़क दुर्घटनाओं के लिए जिम्मेदार पाए गए लोगों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने ऐसे वाहन स्वामियों और चालकों का विस्तृत ब्यौरा तैयार कर उनके वाहन पंजीकरण तथा ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित कराने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है।

यातायात पुलिस द्वारा चलाए गए विशेष अभियान में ऐसे 7,170 वाहनों की पहचान की गई है, जिनके चालकों ने पांच या उससे अधिक बार यातायात नियमों का उल्लंघन किया है। इन सभी वाहनों के पंजीकरण को निलंबित करने की कार्रवाई प्रक्रियाधीन है। प्रक्रिया पूरी होने के बाद इन वाहनों का सार्वजनिक सड़कों पर संचालन प्रतिबंधित हो जाएगा। इसके साथ ही नियमों की लगातार अनदेखी करने वाले 185 वाहन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित करने के लिए सक्षम प्राधिकारी, परिवहन विभाग को रिपोर्ट भेज दी गई है।

यातायात पुलिस का कहना है कि सड़क सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और नियमों का बार-बार उल्लंघन करने वालों के प्रति किसी प्रकार की ढिलाई नहीं बरती जाएगी। पुलिस का मानना है कि इस कार्रवाई से लापरवाह वाहन चालकों में कानून का भय उत्पन्न होगा तथा सड़क दुर्घटनाओं में कमी आएगी। अधिकारियों ने जनपदवासियों से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन करें, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाएं, नशे की हालत में वाहन न चलाएं तथा स्वयं भी सुरक्षित रहें और दूसरों की सुरक्षा का भी ध्यान रखें। ऐसे अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे।

समाजसेवी राकेश गर्ग के निधन से बुढ़ाना में शोक, व्यापारिक व सामाजिक जगत ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। कस्बे के मोहल्ला नई बस्ती निवासी समाजसेवी एवं प्रतिष्ठित व्यापारी राकेश गर्ग का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। उनके निधन का समाचार मिलते ही परिजनों, रिश्तेदारों, शुभचिंतकों और क्षेत्रवासियों में शोक की लहर दौड़ गई। व्यापारिक और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों ने इसे अपूरणीय क्षति बताते हुए दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की। अंतिम दर्शन के लिए उनके आवास पर बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। राकेश गर्ग अपने सरल, सौम्य और मिलनसार स्वभाव के कारण क्षेत्र में विशेष पहचान रखते थे। वे वर्षों से सामाजिक कार्यों में सक्रिय रहते हुए जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए सदैव तत्पर रहते थे। विभिन्न धार्मिक, सामाजिक और जनकल्याणकारी गतिविधियों में उनकी सहभागिता उल्लेखनीय रही। उनके निधन से कस्बे के लोगों ने एक ऐसे समाजसेवी को खो दिया, जिसने बिना किसी प्रचार-प्रसार के सेवा और सहयोग को अपने जीवन का उद्देश्य बनाया। क्षेत्र के लोगों ने कहा कि उनका सहज व्यवहार, विनम्र व्यक्तित्व और दूसरों के सुख-दुख में सहभागी बनने की भावना हमेशा स्मरणीय रहेगी। राकेश गर्ग के निधन पर विभिन्न सामाजिक एवं व्यापारिक संगठनों ने गहरा शोक व्यक्त किया। मोहन तायल, अरविंद सेठ, राजेश संगल, ईशु गर्ग, सतेंद्र सैनी, पवन जैन सहित अनेक गणमान्य नागरिक उनके निवास पर पहुंचे और शोकाकुल परिजनों से मिलकर उन्हें ढांढस बंधाया। सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोक संतप्त परिवार को इस असहनीय दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। उपस्थित लोगों ने कहा कि राकेश गर्ग का समाजसेवा के प्रति समर्पण और मानवीय मूल्यों के प्रति उनकी निष्ठा आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनी रहेगी।

भनेड़ा उददा में बी-पैक्स समिति का शुभारंभ, हजारों किसानों को मिलेगी सहकारी सुविधाओं की सौगात

शामली (शिखर समाचार)। थाना भवन क्षेत्र के गांव भनेड़ा उददा में बहुउद्देशीय प्राथमिक ग्रामीण सहकारी समिति लिमिटेड (बी-पैक्स) का शुभारंभ होने से आसपास के हजारों किसानों को बड़ी राहत मिली है। नई समिति शुरू होने के बाद अब किसानों को खाद, बीज, यूरिया, कृषि ऋण और अन्य सहकारी सेवाओं के लिए 10 से 12 किलोमीटर दूर स्थित अम्बेहटा की समिति के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। स्थानीय स्तर पर ही अधिकांश सुविधाएं उपलब्ध होने से किसानों के समय और धन दोनों की बचत होगी। किसानों ने इस सुविधा के लिए पूर्व कैबिनेट मंत्री सुरेश राणा के प्रयासों की सराहना करते हुए इसे क्षेत्र के कृषि विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

शुभारंभ समारोह को संबोधित करते हुए सुरेश राणा ने कहा कि किसान देश का अन्नदाता है और उसकी समृद्धि सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार लगातार किसान हित में योजनाएं लागू कर रही है, जिससे कृषि क्षेत्र को मजबूती मिल रही है। उन्होंने कहा कि थाना भवन विधानसभा क्षेत्र के किसानों की समस्याओं का समाधान और उन्हें आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है। भविष्य में भी क्षेत्र के विकास और किसानों के हित में ऐसे जनकल्याणकारी कार्य निरंतर किए जाते रहेंगे।

नई बी-पैक्स समिति से भनेड़ा उददा, मनठ मंटी, हसनपुर, खानपुर तथा आसपास के अनेक गांवों के किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। समय पर कृषि संसाधन उपलब्ध होने से खेती की लागत और समय दोनों में कमी आएगी, जिससे उत्पादन क्षमता बढ़ाने में भी सहायता मिलेगी।

कार्यक्रम में भाजपा जिला उपाध्यक्ष आनंद पुंडीर, विनोद, रामचरण, सोमवीर सिंह, रामनाथ सिंह, नीरज सैनी, आनंद सैनी, विकास सहित क्षेत्र के सैकड़ों किसान एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री भगवत प्रसाद मकवाना का नगीना में भव्य स्वागत, वाल्मीकि समाज के मुद्दों पर रखी बेबाक राय

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। राष्ट्रीय वाल्मीकि क्रांतिकारी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा उत्तराखंड सफाई कर्मचारी आयोग के उपाध्यक्ष (दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री) भगवत प्रसाद मकवाना का रविवार को नगीना आगमन पर वाल्मीकि समाज के लोगों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। देहरादून से मुरादाबाद मंडल स्तरीय सम्मेलन में भाग लेने के लिए स्योहारा जाते समय रेलवे स्टेशन चौराहे पर उनका फूल-मालाओं, पगड़ी और स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया गया। स्वागत कार्यक्रम का नेतृत्व जिला निगरानी समिति एवं पर्यवेक्षक समिति के सदस्य मनोज वाल्मीकि ने अपने समर्थकों के साथ किया। इस दौरान राष्ट्रीय वाल्मीकि क्रांतिकारी मोर्चा के राष्ट्रीय सचिव राजेंद्र सोढ़ी, विनोद कुमार तथा जिलाध्यक्ष विशाल पारछा का भी सम्मान किया गया।

पत्रकारों से बातचीत में भगवत प्रसाद मकवाना ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार ने अनुसूचित वर्ग के भीतर वंचित समाजों के लिए अलग आरक्षण लागू करने का आश्वासन दिया था, लेकिन अभी तक इस दिशा में अपेक्षित निर्णय नहीं लिया गया है, जिससे वाल्मीकि समाज में असंतोष है। उन्होंने कहा कि सरकार ने वाल्मीकि समाज को सम्मान दिलाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। अयोध्या में महर्षि वाल्मीकि के नाम पर स्थापित हवाई अड्डा इसका बड़ा उदाहरण है, जिसने समाज का गौरव बढ़ाया है। साथ ही उन्होंने कहा कि ठेका प्रणाली में कार्यरत सफाई कर्मचारियों को कम से कम 20 हजार रुपये मासिक मानदेय मिलना चाहिए, ताकि वे अपने परिवार का बेहतर पालन-पोषण करने के साथ बच्चों को अच्छी शिक्षा उपलब्ध करा सकें।

कार्यक्रम में मेहर सिंह वाल्मीकि, अभिनव वाल्मीकि, कपिल पवार, जयपाल सिंह, अनिल वेद, राजकुमार सेठी, राजकुमार चावला, अखिल उर्फ काकू वाल्मीकि, अजय वाल्मीकि, गौरव अग्रवाल, अक्षय कुमार, रचित कुमार, विशेष कालिदास, सागर कुमार, वंशु कुमार सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे।

भाजपा नगर मंडल की बैठक में बूथ सम्मेलन की तैयारियों की समीक्षा, संगठन मजबूती पर दिया जोर

शामली (शिखर समाचार)। भारतीय जनता पार्टी के नगर मंडल की संगठनात्मक बैठक रविवार को मंडल अध्यक्ष सतीश धीमन की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में आगामी 22 जुलाई को प्रस्तावित बूथ सम्मेलन की तैयारियों की विस्तार से समीक्षा करते हुए संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने पर जोर दिया गया। इस दौरान शक्ति केंद्र संयोजकों को बूथ स्तर पर कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए।

बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक तेजेंद्र निर्वाल ने कहा कि बूथ सम्मेलन संगठन की मजबूती की दिशा में महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक शक्ति केंद्र संयोजक अपने-अपने क्षेत्र के बूथों का भौतिक सत्यापन निर्धारित समय के भीतर पूरा करें, ताकि सम्मेलन की तैयारियां व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सकें। उन्होंने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर तक संगठन को सशक्त बनाने और प्रत्येक कार्यकर्ता से निरंतर संपर्क बनाए रखने का आह्वान किया। उनका कहना था कि मजबूत बूथ ही किसी भी राजनीतिक दल की सबसे बड़ी ताकत होते हैं और संगठन की सफलता का आधार भी यही है।

मंडल अध्यक्ष सतीश धीमन ने कहा कि सभी कार्यकर्ता पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने में जुटें। उन्होंने कहा कि संगठन द्वारा निर्धारित दायित्वों का समय पर निर्वहन करते हुए बूथ सम्मेलन को सफल बनाया जाए। बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों, जनसंपर्क अभियान तथा आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में जिला उपाध्यक्ष पुनीत द्विवेदी, विशेष सरोहा, सोनू चावला, पंकज कश्यप, प्रमोद धीमन, वरुण शर्मा सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एयरपोर्ट प्रभावित युवाओं ने विधायक से लगाई न्याय की गुहार, स्थायी रोजगार की मांग तेज

जेवर (शिखर समाचार)। नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट परियोजना से प्रभावित युवाओं ने रविवार को तहसील परिसर में बैठक आयोजित कर अपनी लंबित रोजगार संबंधी मांगों को लेकर आवाज बुलंद की। युवाओं ने हाथों में बैनर और पोस्टर लेकर विधायक धीरेन्द्र सिंह से न्याय दिलाने की अपील करते हुए कहा कि अब उन्हें केवल जनप्रतिनिधि से ही उम्मीद है। बैठक में बड़ी संख्या में प्रभावित युवाओं ने हिस्सा लिया और कहा कि वर्षों से अधिकारियों एवं संबंधित संस्थाओं के चक्कर लगाने के बावजूद उनकी समस्या का समाधान नहीं हो सका है। युवाओं का कहना था कि भूमि अधिग्रहण के समय उन्हें स्थायी रोजगार देने का भरोसा दिलाया गया था। इसी विश्वास के आधार पर उन्होंने मुआवजा लेते समय रोजगार के बदले मिलने वाली साढ़े पांच लाख रुपये की राशि का विकल्प नहीं चुना और नौकरी का विकल्प स्वीकार किया था। उनका आरोप है कि इसके बावजूद अब तक उन्हें एयरपोर्ट में स्थायी नियुक्ति नहीं मिली। कई बार साक्षात्कार होने के बाद भी केवल बाहरी एजेंसियों के माध्यम से अस्थायी रोजगार का प्रस्ताव दिया गया, जिसे उन्होंने स्वीकार नहीं किया। बैठक में मौजूद युवाओं ने कहा कि वे सम्मानजनक और स्थायी रोजगार की मांग कर रहे हैं, क्योंकि उनकी जमीन परियोजना के लिए ली गई थी। प्रभावित युवा चांद सैफी ने बताया कि वर्ष 2018 में उन्होंने रोजगार की उम्मीद में मुआवजे के पांच लाख रुपये की राशि छोड़ दी थी, लेकिन आज तक उन्हें एयरपोर्ट में नियमित नियुक्ति नहीं मिली। वहीं मुजम्मिल खान ने कहा कि रोजगार का वादा पूरा न होने से प्रभावित परिवार आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं और कई युवा बेरोजगारी की मार झेल रहे हैं। युवाओं ने विधायक धीरेन्द्र सिंह से मांग की कि वह मामले में हस्तक्षेप कर संबंधित अधिकारियों से वार्ता करें और एयरपोर्ट प्रभावित परिवारों के युवाओं को शीघ्र स्थायी रोजगार दिलाने की दिशा में प्रभावी पहल करें।

घरों के बाहर खड़ी पांच कारों की बैटरियां चोरी, पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

दादरी (शिखर समाचार)। कोतवाली दादरी क्षेत्र के सेक्टर म्यू-2 में चोरों ने एक ही रात में घरों के बाहर खड़ी पांच कारों को निशाना बनाते हुए उनकी बैटरियां चोरी कर लीं। घटना का पता शनिवार सुबह उस समय चला, जब वाहन स्वामियों ने अपनी कारें चालू करने का प्रयास किया। लगातार पांच वाहनों से बैटरी चोरी होने की सूचना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। पीड़ितों की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार मिश्रा ने बताया कि सेक्टर म्यू-2 निवासी संजय राय की ऑल्टो कार घर के बाहर खड़ी थी। उसके पास ही एक वैगनआर सहित अन्य वाहन भी खड़े थे। 17 और 18 जुलाई की रात अज्ञात चोरों ने पांच कारों की बैटरियां निकाल लीं। सुबह जब वाहन स्वामियों ने कार स्टार्ट करने की कोशिश की, तब चोरी की घटना का पता चला। इसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पीड़ितों की तहरीर के आधार पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधियों की जांच कर रही है। लगातार हो रही वाहन चोरी और उनसे जुड़े सामान की वारदातों को लेकर स्थानीय लोगों ने भी चिंता जताई है तथा रात्रि गश्त बढ़ाने की मांग की है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा।

गोविंदपुरी में आवारा कुत्तों पर धारदार हथियार से हमला, छह की मौत, एक गंभीर घायल

मोदीनगर (शिखर समाचार)। नगर की गोविंदपुरी कॉलोनी में शनिवार देर रात अज्ञात व्यक्ति द्वारा आवारा कुत्तों पर धारदार हथियार से किए गए हमले की घटना सामने आई है। इस घटना में छह कुत्तों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य कुत्ता गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना से क्षेत्र के पशु प्रेमियों और स्थानीय लोगों में रोष व्याप्त है। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की और शिकायत के आधार पर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर ली है। जानकारी के अनुसार शनिवार रात किसी अज्ञात व्यक्ति ने गोविंदपुरी क्षेत्र में घूम रहे आधा दर्जन से अधिक कुत्तों पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले में छह कुत्तों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि एक कुत्ता गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की जानकारी रविवार सुबह स्थानीय लोगों को हुई, जिसके बाद पशु प्रेमी संदीप गुप्ता ने पुलिस को सूचना देकर मामले में कार्रवाई की मांग की। संदीप गुप्ता की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि घटना स्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि आरोपी की पहचान कर उसे जल्द गिरफ्तार किया जा सके। वहीं, घायल कुत्ते का उपचार कराया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

चार दिन से बिजली संकट से परेशान लोगों का विद्युत उपकेंद्र पर हंगामा, आश्वासन के बाद शांत हुआ प्रदर्शन

मोदीनगर (शिखर समाचार)। गोविंदपुरी क्षेत्र की राधा एन्क्लेव कॉलोनी में पिछले चार दिनों से लगातार बनी विद्युत आपूर्ति की समस्या से नाराज स्थानीय लोगों ने शनिवार देर रात गोविंदपुरी विद्युत उपकेंद्र पर पहुंचकर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने विद्युत विभाग के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अधिकारियों पर उपभोक्ताओं की शिकायतों की अनदेखी करने का आरोप लगाया। लोगों का कहना था कि लगातार बिजली संकट के कारण क्षेत्रवासियों का जनजीवन प्रभावित हो रहा है, लेकिन समस्या के समाधान की दिशा में कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया जा रहा। प्रदर्शन कर रहे लोगों के अनुसार राधा एन्क्लेव कॉलोनी में पिछले चार दिनों से प्रतिदिन केवल तीन से चार घंटे ही विद्युत आपूर्ति हो रही है। बार-बार बिजली गुल होने से पेयजल आपूर्ति, घरेलू कार्य और बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है। आरोप लगाया कि जब भी किसी फाल्ट या बिजली कटौती की शिकायत संबंधित अधिकारियों को मोबाइल फोन पर देने का प्रयास किया जाता है तो फोन तक नहीं उठाया जाता। बड़ी संख्या में लोग जब विद्युत उपकेंद्र पहुंचे तो वहां मौजूद कर्मचारी उन्हें देखकर मौके से हट गए। इसके बाद प्रदर्शनकारी उपकेंद्र परिसर में धरने पर बैठ गए और विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को शांत कराने का प्रयास किया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों की बातचीत विद्युत विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से कराई। अधिकारियों ने शीघ्र ही कॉलोनी की विद्युत आपूर्ति व्यवस्था दुरुस्त कराने का आश्वासन दिया। आश्वासन मिलने के बाद लोगों ने धरना समाप्त कर दिया। क्षेत्रवासियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ तो वे फिर से आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

आईटीएस स्कूल ऑफ मैनेजमेंट में 20 जुलाई से शुरू होगा एस्पिरेशन्स-2026 ओरिएंटेशन कार्यक्रम

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। मोहन नगर स्थित आईटीएस स्कूल ऑफ मैनेजमेंट में पीजीडीएम सत्र 2026-28 के नवप्रवेशी विद्यार्थियों के स्वागत के लिए 20 से 24 जुलाई तक पांच दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम एस्पिरेशन्स-2026 का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों का संस्थान में स्वागत करने के साथ उन्हें शैक्षणिक वातावरण, उद्योग जगत की अपेक्षाओं तथा भावी व्यावसायिक जीवन के लिए तैयार करना है। इस दौरान विद्यार्थियों को संस्थान की कार्य संस्कृति, प्रबंधन शिक्षा की उपयोगिता और व्यक्तित्व विकास के विभिन्न पहलुओं से परिचित कराया जाएगा। ओरिएंटेशन कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में उद्योग एवं कॉर्पोरेट जगत के कई वरिष्ठ विशेषज्ञ विद्यार्थियों को संबोधित करेंगे। इनमें पीबी फिनटेक लिमिटेड के समूह अध्यक्ष राजीव कुमार गुप्ता, हीरो साइकिल्स लिमिटेड के वरिष्ठ महाप्रबंधक नारायण, ईएक्सएल के रणनीतिक साझेदारी एवं गठबंधन उपाध्यक्ष विनय आनंद, ऑटोब्रिज वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी धीरज त्रिपाठी तथा रेटिनाएचआर प्राइवेट लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजेश त्रिपाठी शामिल हैं। विशेषज्ञ विद्यार्थियों को प्रबंधन शिक्षा, उद्योग की वर्तमान आवश्यकताओं और रोजगार के बदलते परिदृश्य पर मार्गदर्शन देंगे।

संस्थान की ओर से बताया गया कि पूरे कार्यक्रम को इस प्रकार तैयार किया गया है, जिससे विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास, टीम भावना और व्यावसायिक दृष्टिकोण का विकास हो सके। इसके अंतर्गत विशेषज्ञ व्याख्यान, संवादात्मक सत्र, समूह गतिविधियां और सहभागितापूर्ण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। ओरिएंटेशन का समापन संस्थान के पूर्व विद्यार्थियों के साथ विशेष संवाद सत्र और प्रेरक गतिविधियों के साथ होगा, जिससे नवप्रवेशी विद्यार्थियों को संस्थान की उपलब्धियों, पूर्व छात्रों के अनुभवों तथा उद्योग जगत में उपलब्ध अवसरों की विस्तृत जानकारी मिल सके।

संपादकीय

लोकतंत्र की असली परीक्षाः असहमति की आवाज, संवाद की ज़िम्मेदारी और व्यवस्था का संतुलन

दिल्ली के जंतर मंतर से शुरू हुआ पर्यावरण कार्यकर्ता और शिक्षा सुधार के समर्थक सोनम वांगचुक का अनशन अब केवल एक व्यक्ति का आंदोलन नहीं रह गया है, बल्कि यह लोकतंत्र, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, जन आंदोलनों और सरकार की जवाबदेही पर राष्ट्रीय बहस का विषय बन चुका है। 28 जून से शुरू हुए इस अनिश्चितकालीन अनशन का उद्देश्य केवल एक मंत्री के इस्तीफे की मांग तक सीमित नहीं था, बल्कि परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता, युवाओं के भविष्य और जवाबदेह शासन की मांग को राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बनाना भी था। 21 दिन के लगातार अनशन के बाद शनिवार तड़के दिल्ली पुलिस द्वारा उन्हें जंतर मंतर से हटाकर सफदरजंग अस्पताल ले जाना इस आंदोलन का नया मोड़ बन गया है। पुलिस का कहना है कि यह कार्रवाई दिल्ली हाई कोर्ट के निर्देशों के अनुरूप स्वास्थ्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए की गई, जबकि आंदोलन से जुड़े लोग इसे शांतिपूर्ण विरोध को सीमित करने वाला कदम मान रहे हैं। इसी के साथ 20 जुलाई को प्रस्तावित "चलो संसद" मार्च को लेकर राजनीतिक और सामाजिक हलकों में भी हलचल तेज हो गई है। लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत यह होती है कि वह विरोध की आवाज को भी उतनी ही गंभीरता से सुने, जितनी समर्थन की आवाज को सुनता है। संविधान नागरिकों को शांतिपूर्ण ढंग से अपनी बात रखने का अधिकार देता है। दूसरी ओर राज्य का यह दायित्व भी है कि किसी आंदोलनकारी के जीवन पर संकट न आए और कानून व्यवस्था बनी रहे। यही कारण है कि ऐसे मामलों में संतुलन सबसे बड़ी चुनौती बन जाता है। यदि किसी व्यक्ति का स्वास्थ्य लगातार गिर रहा हो तो प्रशासन की जिम्मेदारी बढ़ जाती है, लेकिन उसी के साथ यह भी आवश्यक है कि कार्रवाई पारदर्शी हो और ऐसी न लगे कि विरोध की आवाज को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। सोनम वांगचुक लंबे समय से पर्यावरण संरक्षण, हिमालयी क्षेत्रों के विकास और शिक्षा सुधार जैसे विषयों पर सक्रिय रहे हैं। इस बार उनका आंदोलन राष्ट्रीय स्तर पर परीक्षा प्रणाली और युवाओं की चिंताओं से जुड़ गया। देश में प्रतियोगी परीक्षाओं की विश्वसनीयता पिछले कुछ वर्षों से लगातार सवालों के घेरे में रही है। पेपर लीक, परीक्षा रद्द होने, परिणामों में देरी और भर्ती प्रक्रियाओं की अनिश्चितता ने करोड़ों युवाओं के मन में गहरी निराशा पैदा की है। ऐसे माहौल में यदि कोई सामाजिक कार्यकर्ता इन मुद्दों को लेकर आंदोलन करता है तो सरकार के लिए यह अवसर भी होता है कि वह केवल राजनीतिक प्रतिक्रिया देने के बजाय संस्थागत सुधारों की दिशा में ठोस पहल करे। दूसरी ओर यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि लोकतांत्रिक आंदोलनों की दिशा और स्वरूप पूरी तरह शांतिपूर्ण तथा संवैधानिक बना रहे। अनशन भारतीय लोकतांत्रिक परंपरा का पुराना और सम्मानित माध्यम रहा है, लेकिन लंबे समय तक चलने वाला उपवास आंदोलनकारी के जीवन के लिए गंभीर खतरा भी बन सकता है। इसलिए न्यायालयों और प्रशासन की चिंता को पूरी तरह नजरअंदाज भी नहीं किया जा सकता। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में जीवन की रक्षा और नागरिक अधिकार दोनों समान रूप से महत्वपूर्ण हैं।

~ मौलिक चिंतन ~

यदि आपकी परछाई आपके साथ है, तो इसका मतलब यह भी है कि उजाले आपके आसपास हैं।

~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~

©
विनय संकोची

ज़िंदगी और कूटनीतिः शतरंज सिर्फ खेल नहीं, जीने का सलीका है

दिलीप कुमार पाठक

जब खेल खत्म होता है, तो राजा और प्यादा दोनों एक ही डिब्बे में बंद कर दिए जाते हैं। शतरंज की बिसात का यह सबसे सीधा नियम, असल में हमारी जिंदगी का भी सबसे बड़ा कड़वा सच है। आज दुनिया अंतर्राष्ट्रीय शतरंज दिवस मना रही है लेकिन यकीन मानिए, यह महज किसी एक खेल का जश्न नहीं है। यह तो इंसानी दिमाग के उस अनोखे जादू का सम्मान है, जो लकड़ी के चंद टुकड़ों और 64 खानों के भीतर पूरी कायनात के फैसले तय कर देता है। आज के इस दौर में, जब मोबाइल की रील्स और शॉर्ट्स ने हमारी गहराई से सोचने की आदत को लगभग खत्म कर दिया है, शतरंज की अहमियत पहले से कहीं ज्यादा बढ़ गई है। एक मजे की बात देखिए, जिस खेल को आज पूरी दुनिया कूटनीति और दिमाग की सबसे बड़ी कसौटी मानती है, उसकी असली जड़ें हमारे अपने हिंदुस्तान में हैं। सदियों पहले हमारे पुरखे इसे चतुरंग कहते थे। भारत की मिट्टी से निकला यह खेल दुनिया भर का चक्कर लगाकर आज वापस अपने घर में एक नए अवतार में लौट आया है। आज जब हम इस खेल को देखते हैं, तो सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है। भारतीय शतरंज इस समय अपने स्वर्णिम दौर में है। विश्वनाथन आनंद ने जिस सिलसिले को शुरू किया था, उसे आज डी. गुकेश, आर. प्रज्ञानंद और अर्जुन एरिगैसी जैसे युवाओं ने दुनिया के नक्शे पर चमका दिया है। इन लड़कों ने दुनिया के बड़े-बड़े धुरंधरों को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया है और यह साबित किया है कि भारत सिर्फ शतरंज की शुरूआत करने वाला देश नहीं है, बल्कि इसका बॉस भी है। पर क्या शतरंज को सिर्फ एक खेल के चश्मे से देखना सही होगा? बिल्कुल नहीं। अगर आप इसे थोड़ा ठहरकर समझेंगे, तो यह लाइफ मैनेजमेंट की सबसे बेहतरीन गाइड बुक है। यह खेल हमें सिखाता है कि आप जो भी कदम उठाते हैं, उसकी एक कीमत चुकानी पड़ती है। बिना सोचे-समझे चली गई एक भी लापरवाही भरी चाल आपको बबार्दी की तरफ ले जा सकती है। यही बात हमारी रोजमर्रा की जिंदगी पर भी फिट बैठती है।

आज की हमारी नई पीढ़ी, जो हर चीज में तुरंत नतीजा चाहती है और बहुत जल्दी धैर्य खो देती है, उसके लिए शतरंज से बड़ा कोई गुरु नहीं हो सकता। यह खेल हमें ठंडे दिमाग से सोचना सिखाता है और यह भी बताता है कि कभी-कभी किसी बड़ी कामयाबी को पाने के लिए अपने छोटे-छोटे स्वार्थों या प्यादों की कुबार्नी भी देनी पड़ती है। सिर्फ जिंदगी ही क्यों, आज की ग्लोबल पॉलिटिक्स और अखबारों के पहले पन्ने की खबरों को समझने के लिए भी शतरंज की बिसात सबसे बढ़िया जरिया है। दुनिया के ताकतवर देशों के बीच जो इस वक्त खींचतान चल रही है, वो और कुछ नहीं बल्कि शह और मात का ही खेल है। वहां भी कमजोरों को मोहरा बनाकर आगे कर दिया जाता है और असली खिलाड़ी पीछे बैठकर रिमोट कंट्रोल चलाते हैं। जो नेता या देश दूर की चाल नहीं भांप पाता, वो इतिहास के पन्नों में हमेशा के लिए मात खा जाता है।

वैश्विक राजनीति की इस बिसात पर आज कोई भी देश पूरी तरह आजाद नहीं है। भारत भी इस समय एक ऐसी मुश्किल स्थिति में है, जहाँ उसे अपनी जरूरतों के लिए रूस से दोस्ती भी निभानी है और व्यापार के लिए अमेरिका के साथ भी तालमेल बिठाना है। दुनिया में जब भी कोई नया तनाव या युद्ध शुरू होता है, तो किसी एक बड़ी ताकत के पीछे आंख मूंदकर चलने के बजाय, अपने देश के फायदे को ध्यान में रखकर कदम उठाना ही असली कूटनीति है। तनाव के इस दौर के बीच, आज कंप्यूटर और एआई खेल के मैदान पर इंसानों से कहीं ज्यादा तेजी से चालें सोच लेते हैं। लेकिन इसके बावजूद शतरंज का असली मानवीय रोमांच कभी कम नहीं हो सकता। कोई भी सॉफ्टवेयर उस इंसानी दिमाग की जगह नहीं ले सकता, जो हार के डर और भारी दबाव के बीच भी अपनी सूझबूझ से हारी हुई बाजी पलट देता है। इस अंतर्राष्ट्रीय शतरंज दिवस पर हमें अपनी नई पीढ़ी को इस खेल से जोड़ने की जरूरत है, ताकि बच्चे मोबाइल स्क्रीन की दुनिया से बाहर निकलकर असल जिंदगी की उलझनों को धैर्य से सुलझाना सीखें। आखिर जिंदगी भी तो चौंसठ खानों का एक खूबसूरत खेल है, जहाँ हमारा हर एक फैसला आगे का रास्ता तय करता है।

(लेखक पत्रकार हैं)

विदेशी बाजारों में खारिज होते भारतीय उत्पाद!

सोनम लववंशी

किसी भी देश की आर्थिक ताकत उसके उत्पादन से नहीं, बल्कि इस बात से तय होती है कि दुनिया उसके उत्पादों पर कितना भरोसा करती है। निर्यात केवल विदेशी मुद्रा अर्जित करने का माध्यम नहीं होता, वह किसी राष्ट्र की गुणवत्ता, विश्वसनीयता और वैश्विक प्रतिष्ठा का प्रमाण भी होता है। इसलिए जब विदेशी बाजार किसी देश के उत्पादों को गुणवत्ता संबंधी खामियों के कारण लौटाने लगें या उन पर प्रतिबंध लगाने लगें, तो यह व्यापारिक नुकसान ही नहीं , देश की साख पर लगा गंभीर धब्बा भी होता है। दुर्भाग्य से आज भारत इसी चुनौती से जूझ रहा है। पिछले कुछ वर्षों में भारतीय मसाले, आम, मिर्च और चावल जैसे उत्पाद लगातार अंतरराष्ट्रीय जांच और प्रतिबंधों का सामना कर रहे हैं। हाल ही में चीन ने भारत से भेजी गई मिर्च की खेप को यह कहते हुए रोक दिया कि उसमें खतरनाक कीटनाशक मेथामिडोफॉस की मात्रा तय सीमा से अधिक थी। इससे पहले चीन गैर-बासमती चावल की लगभग 70 खेप भी लौटा चुका है। दूसरी ओर जापान ने भारतीय आमों के आयात पर रोक लगा दी क्योंकि निरीक्षण के दौरान फ्यूमिगेशन प्रणाली में गंभीर कमियां मिलीं। इतना ही नहीं हांगकांग ने लोकप्रिय भारतीय मसालों में एथिलीन ऑक्साइड की मौजूदगी पर सवाल उठाए, जिसके बाद सिंगापुर सहित कई देशों ने भारतीय मसालों पर प्रतिबंध, रिकॉल अथवा जांच की प्रक्रिया शुरू कर दी। ये घटनाएं अलग-अलग नहीं बल्कि एक खतरनाक प्रवृत्ति का संकेत हैं।

सबसे बड़ी चिंता यह है कि भारत की वैश्विक पहचान गुणवत्ता से नहीं, गुणवत्ता पर उठ रहे सवालों से बनने लगी है। दुनिया के सबसे बड़े कृषि उत्पादक देशों में शामिल होने के बावजूद वैश्विक कृषि व्यापार में भारत की हिस्सेदारी आज भी तीन प्रतिशत से कम है। वर्ष 2024-25 में कृषि निर्यात लगभग 51 अरब डॉलर तक जरूर पहुंचा, फिर भी हमारी क्षमता और संसाधनों की तुलना में यह बेहद सीमित है। ऐसे समय में, जब भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का प्रमुख केंद्र बनने का दावा कर रहा है, गुणवत्ता संबंधी ऐसी घटनाएं हमारे प्रयासों को ही कमजोर कर रही हैं। जापान का फैसला विशेष रूप से इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि वह दुनिया के सबसे सख्त और भरोसेमंद आयातक देशों में गिना जाता है। वर्ष 1986 में भी फ्रूट-फ्लाई की आशंका के कारण उसने भारतीय आमों पर प्रतिबंध लगाया था। लगभग बीस वर्षों की मेहनत, बेहतर क्वारंटीन व्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय मानकों के पालन के बाद 2006 में भारतीय आमों को फिर जापानी बाजार मिला। इस वर्ष निरीक्षण में दोबारा खामियां मिलने के बाद वही बाजार भारत के लिए बंद हो गया। यह केवल एक व्यापारिक निर्णय नहीं, हमारी गुणवत्ता नियंत्रण प्रणाली पर अविश्वास का संकेत है। अंतरराष्ट्रीय व्यापार में सबसे मूल्यवान चीज उत्पाद नहीं, भरोसा होता है। एक बार यदि कोई देश भारतीय उत्पादों पर संदेह करने लगे, तो उसका असर दूसरे बाजारों पर भी पड़ता है।

जापान द्वारा गुणवत्ता पर सवाल उठाने के बाद यूरोपीय संघ, अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देश भी भारतीय कृषि उत्पादों की जांच और कड़ी कर देते हैं। परिणामस्वरूप हमारे प्रतिस्पर्धी देश पाकिस्तान, वियतनाम, थाईलैंड और ताइवान उन बाजारों में तेजी से अपनी जगह बना लेते हैं। वैश्विक व्यापार में खोया हुआ बाजार वापस पाना वर्षों की मेहनत मांगता है। इसका सबसे बड़ा नुकसान किसानों को उठाना पड़ता है। महाराष्ट्र के अल्फांसो उत्पादक हों या गुजरात के केसर आम उगाने वाले किसान, वे पहले ही मौसम की मार झेल रहे हैं। ऐसे समय में निर्यात रुकने से प्रीमियम गुणवत्ता वाले उत्पाद घरेलू बाजार में औने-पौने दाम पर बिकते हैं और किसानों की आय पर सीधा प्रहार होता है। विडंबना यह है कि दुनिया का सबसे बड़ा आम उत्पादक देश होने के बावजूद भारत अपनी कुल आम उपज का लगभग एक प्रतिशत ही निर्यात कर पाता है। समस्या उत्पादन की नहीं, अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप परीक्षण, प्रसंस्करण, कोल्ड-चेन और गुणवत्ता नियंत्रण की है।

चिंता केवल कृषि उत्पादों तक सीमित नहीं है। नीति आयोग के हालिया आंकड़े बताते हैं कि जनवरी-मार्च 2026 की तिमाही में भारत का कुल व्यापार बढ़ा जरूर, जबकि वस्तुओं का निर्यात घटा और आयात उससे कहीं अधिक तेजी से बढ़ा। व्यापार घाटे को सेवा क्षेत्र ने संभाल लिया। यदि विनिर्मित और कृषि उत्पाद भी वैश्विक बाजार में भरोसा खोने लगेंगे, तो तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य और कठिन हो जाएगा। सवाल यह है कि जिन खामियों का पता विदेशी प्रयोगशालाएं लगा रही हैं, वे भारत से उत्पाद भेजने से पहले हमारी जांच प्रणाली को क्यों नहीं दिखाई देतीं? यदि विदेशी एजेंसियां ही हमारे उत्पादों की गुणवत्ता का प्रमाणपत्र देंगी, तो मेड इन इंडिया की विश्वसनीयता कभी मजबूत नहीं हो सकेगी। सरकार ने जांच के निर्देश दिए, स्पाइस बोर्ड ने मानक कड़े किए और कुछ राज्यों ने कार्रवाई भी की। यह समस्या छिटपुट कदमों से हल नहीं होगी। खेत से लेकर प्रयोगशाला, प्रसंस्करण केंद्र, पैकेजिंग और निर्यात तक पूरी व्यवस्था को जीरो एरर की संस्कृति अपनानी होगी। भारत आज दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का सपना देख रहा है। यह सपना केवल उत्पादन बढ़ाने से पूरा नहीं होगा। वैश्विक बाजार सस्ता माल नहीं, भरोसेमंद माल खरीदता है। अब समय आ गया है कि गुणवत्ता को औपचारिकता नहीं, राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया जाए। दुनिया में सबसे महंगा बिकने वाला उत्पाद मसाला, आम या चावल नहीं, विश्वसनीयता होती है। यदि हम उसे खो देंगे, तो विदेशी बाजार ही नहीं, भारत की आर्थिक महत्वाकांक्षाएं भी धीरे-धीरे हमारे हाथों से फिसलती चली जाएंगी।

(स्वतंत्र लेखिका एवं शोधार्थी)

(यह लेखिका के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संसद का मानसून सत्र : लोकतंत्र का महायुद्ध या राष्ट्रीय सहमति का महापर्व ?

विनोद कुमार सिंह

संसद किसी एक दल,गठबंधन या सरकार की नहीं,बल्कि भारत की जनता की सर्वोच्च लोकतांत्रिक संस्था है। मतभेद लोकतंत्र का स्वाभाविक गुण हैं,परन्तु संवाद उसका प्राण है।यदि यह मानसून सत्र राजनीतिक संघर्ष के बीच भी राष्ट्रीय सहमति का मार्ग प्रशस्त करता है,तो यह भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता का नया अध्याय सिद्ध होगा।यदि संवाद की जगह केवल टकराव ले लेता है,तो इतिहास इसे एक खोए हुए अवसर के रूप में भी दर्ज करेगा। लोकतंत्र की वास्तविक विजय सत्ता की नहीं,बल्कि संसद की गरिमा,संविधान की प्रतिष्ठा और जनविश्वास की विजय होती है।

सर्वदलीय बैठक से शुरू हुआ राजनीतिक संग्राम,महत्त्वपूर्ण विधेयकों,संवैधानिक विमर्श, परिसीमन,महिला आरक्षण, भ्रष्टाचार और जनसरोकारों के मुद्दों पर सत्ताझविपक्ष की निर्णायक परीक्षा...

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसकी संसद है।संविधान निमार्ताओं ने संसद को केवल कानून बनाने की संस्था नहीं, बल्कि राष्ट्रीय संवाद, जनाकांक्षाओं की अभिव्यक्ति और सरकार की जवाबदेही सुनिश्चित करने वाले सर्वोच्च लोकतांत्रिक मंच के रूप में स्थापित किया।संसद की गरिमा केवल सत्ता पक्ष के बहुमत से नहीं,बल्कि एक सशक्त,जागरूक और उत्तरदायी विपक्ष से भी निर्मित होती है।लोकतंत्र का सौंदर्य इसी संतुलन में निहित है।सरकार जनादेश का प्रतिनिधित्व करती है,जबकि विपक्ष जनमत की निगरानी करता है।दोनों की सक्रिय और रचनात्मक भूमिका ही संसदीय लोकतंत्र को जीवंत बनाती है।इसी लोकतांत्रिक परंपरा को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से प्रत्येक संसदीय सत्र से पूर्व केन्द्र सरकार सर्वदलीय बैठक आयोजित करती है।यद्यपि यह संविधान द्वारा अनिवार्य नहीं है, फिर भी दशकों से विकसित यह संसदीय परम्परा सरकार और विपक्ष के बीच संवाद का सबसे महत्त्वपूर्ण माध्यम रही है।इस बैठक में आगामी सत्र की कार्ययोजना,विधायी प्राथमिकताओं,जनहित से जुड़े मुद्दों तथा सदन को व्यवस्थित और सुचारु रूप से चलाने पर विचार-विमर्श किया जाता है। लोकतंत्र में संवाद की यह परम्परा ही राजनीतिक मतभेदों को संवैधानिक मयार्दाओं के भीतर बनाए रखने का आधार बनती है।20 जुलाई से प्रारम्भ हुए संसद के मानसून सत्र की शुरूआत इस बार सहमति के वातावरण में नहीं,बल्कि तीखे राजनीतिक मतभेदों के साथ हुई है।सत्र से पूर्व आयोजित सर्वदलीय बैठक में आम आदमी पार्टी,तृणमूल कांग्रेस तथा इंडिया गठबंधन के कई दलों ने उन सांसदों को आमंत्रित किए जाने पर आपत्ति जताई,जिन्होंने अपनी मूल राजनीतिक पार्टी से अलग होने की घोषणा की है अथवा जिनकी स्थिति दल-बदल विरोधी कानून के अंतर्गत अभी लोकसभा अध्यक्ष के समक्ष विचाराधीन है।विपक्ष ने इसे संसदीय मयार्दाओं के विपरीत बताते हुए बैठक का बहिष्कार किया। सरकार का पक्ष है कि निमंत्रण संसदीय अभिलेखों और उपलब्ध आधिकारिक स्थिति के आधार पर भेजे गए हैं तथा इसमें किसी प्रकार की प्रक्रिया का उल्लंघन नहीं हुआ है।यह विवाद केवल एक बैठक तक सीमित नहीं है।इसके पीछे भारतीय राजनीति में लगातार बढ़ता अविश्वास,दल -बदल की घटनाएँ, गठबंधनों का विघटन,राजनीतिक ध्रुवीकरण तथा लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता को लेकर उठ रहे प्रश्न भी जुड़े हैं।विपक्ष का आरोप है कि सत्तारूढ़ दल विपक्ष को कमजोर करने की दीर्घकालिक राजनीतिक रणनीति पर कार्य कर रहा है।सरकार इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहती है कि लोकतंत्र में प्रत्येक निर्वाचित जनप्रतिनिधि को कानून के दायरे में राजनीतिक निर्णय लेने का अधिकार है तथा दल- बदल से जुड़े मामलों का अंतिम

निर्णय संविधान की दसवीं अनुसूची के अनुसार संबंधित अध्यक्ष अथवा सभापति ही करते हैं।इस बार मानसून सत्र का महत्त्व इसलिए भी अधिक है क्योंकि सरकार अनेक महत्त्वपूर्ण विधेयकों को संसद में प्रस्तुत करने अथवा पारित कराने की तैयारी में है।संसद की उपलब्ध कार्यसूची और सरकारी संकेतों के अनुसार आयकर(संशोधन) विधेयक,सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम उद्यम विकास(संशोधन) विधेयक, जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) विधेयक,सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने संबंधी विधेयक, राष्ट्रीय सम्मान अपमान निवारण (संशोधन)विधेयक तथा विदेशी अंशदान (विनियमन)अधिनियम में संशोधन जैसे विषय सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल हैं। हालाँकि संसद की कार्यसूची गतिशील होती है और कार्यमंत्रणा समिति अथवा सरकार के निर्णय के अनुसार इसमें परिवर्तन,नए विधेयकों का समावेश अथवा प्राथमिकताओं का पुनर्निर्धारण भी संभव है।सरकार का दावा है कि इन विधेयकों का उद्देश्य प्रशासनिक सुधार,न्यायिक दक्षता,कर व्यवस्था का सरलीकरण,निवेश को प्रोत्साहन, सुशासन तथा पारदर्शिता को और अधिक सुदृढ़ करना है।सरकार का यह भी कहना है कि विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए विधायी सुधारों की गति बनाए रखना समय की आवश्यकता है।यही कारण है कि मानसून सत्र को सरकार अपने तीसरे कार्यकाल के सबसे महत्त्वपूर्ण विधायी सत्रों में से एक मान रही है।दूसरी ओर राजनीतिक विमर्श का सबसे संवेदनशील विषय संविधान संशोधन,परिसीमन तथा महिला आरक्षण का प्रभावी क्रियान्वयन बना हुआ है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम संसद से पारित हो चुका है,किन्तु उसका वास्तविक क्रियान्वयन नई जनगणना और परिसीमन की प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद ही संभव है।विपक्ष का आरोप है कि महिला आरक्षण को तत्काल लागू करने के बजाय भविष्य की प्रक्रिया से जोड़ दिया गया है। सरकार का कहना है कि संविधान के वर्तमान प्रावधानों के अंतर्गत परिसीमन के बिना आरक्षण लागू करना संभव नहीं है।स्पष्ट है कि यह विषय राजनीतिक बहस के साथ-साथ संवैधानिक व्याख्या का भी प्रश्न बन चुका है।परिसीमन आने वाले वर्षों की भारतीय राजनीति का सबसे महत्त्वपूर्ण संवैधानिक विषय बनता दिखाई दे रहा है। जनसंख्या के आधार पर लोकसभा क्षेत्रों के पुनर्गठन से राज्यों के संसदीय प्रतिनिधित्व में परिवर्तन की संभावना है।दक्षिण भारत के अनेक राज्यों और क्षेत्रीय दलों ने पहले ही आशंका व्यक्त की है कि जनसंख्या नियंत्रण में सफलता प्राप्त करने वाले राज्यों को प्रतिनिधित्व के स्तर पर नुकसान उठाना पड़ सकता है।दूसरी ओर उत्तर भारत के राज्य समान जनसंख्या के अनुपात में प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल देते हैं। इसलिए परिसीमन केवल चुनावी गणित का विषय नहीं, बल्कि संघीय ढाँचे,क्षेत्रीय संतुलन और राष्ट्रीय राजनीतिक संरचना से जुड़ा संवेदनशील प्रश्न बन गया है।मानसून सत्र में विपक्ष की रणनीति भी लगभग स्पष्ट दिखाई दे रही है।विपक्ष संसद के भीतर सरकार को भ्रष्टाचार,बेरोजगारी, महँगाई,कृषि संकट,राज्यों के अधिकार,संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता,जाँच एजेंसियों के कथित दुरुपयोग,दल-बदल, सामाजिक न्याय तथा महिला आरक्षण के क्रियान्वयन जैसे विषयों पर घेरने की तैयारी में है। इसके अतिरिक्त लद्दाख को संवैधानिक संरक्षण,छठी अनुसूची के प्रावधानों तथा पर्यावरणीय संरक्षण की माँग को लेकर सोनम वांगचुक द्वारा चलाए गए आंदोलन को भी विपक्ष राष्ट्रीय विमर्श का विषय बनाने का प्रयास करेगा।सीमावर्ती क्षेत्रों का विकास, पर्यावरणीय संतुलन और स्थानीय जनप्रतिनिधित्व अब केवल क्षेत्रीय मुद्दे नहीं,बल्कि राष्ट्रीय नीति के अभिन्न अंग बन चुके हैं।भ्रष्टाचार का प्रश्न भी इस सत्र में प्रमुखता से उठ सकता है।विपक्ष विभिन्न सरकारी निर्णयों, सार्वजनिक संस्थाओं की कार्यप्रणाली तथा राजनीतिक जवाबदेही को लेकर सरकार से प्रश्न पूछने की तैयारी में है।वहीं सरकार डिजिटल भुगतान, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण,सरकारी खरीद की ई-प्रणाली, जीएसटी, डिजिटल प्रशासन तथा तकनीक आधारित पारदर्शिता को भ्रष्टाचार के विरुद्ध अपनी उपलब्धियों के रूप में प्रस्तुत कर रही है। स्वाभाविक है कि इस विषय पर सत्ता और विपक्ष के बीच तीखी बहस देखने को मिल सकती है।

लोकतांत्रिक व्यवस्था में संसद केवल बहुमत का मंच नहीं होती। संविधान के अनुच्छेद107 से 111 तक विधेयकों की संसदीय प्रक्रिया का उल्लेख है,जबकि अनुच्छेद 368 संविधान संशोधन की विशेष प्रक्रिया निर्धारित करता है।इसी प्रकार दसवीं अनुसूची दल-बदल विरोधी कानून का आधार है।इन प्रावधानों का मूल उद्देश्य लोकतांत्रिक स्थिरता,जनादेश की रक्षा और संसदीय मयार्दाओं को सुरक्षित रखना है।यदि राजनीतिक विवादों का समाधान इन्हीं संवैधानिक व्यवस्थाओं के माध्यम से होता है तो लोकतंत्र मजबूत होता है; किन्तु यदि संवैधानिक संस्थाओं के प्रति अविश्वास बढ़ता है,तो उसका प्रभाव लोकतांत्रिक व्यवस्था पर दूरगामी होता है।यह भी स्मरण रखना होगा कि संसद का दायित्व केवल विधेयक पारित करना नहीं है।संसद सरकार से प्रश्न पूछती है,नीतियों की समीक्षा करती है,सार्वजनिक धन के उपयोग पर निगरानी रखती है तथा जनता की आकांक्षाओं को राष्ट्रीय नीति में स्थान देती है।इसलिए संसद का प्रत्येक दिन और प्रत्येक घंटा राष्ट्र की अमूल्य लोकतांत्रिक पूँजी है। यदि पूरा सत्र केवल हंगामे, नारेबाजी और स्थगन की भेंट चढ़ जाता है,तो सबसे बड़ा नुकसान जनता के विश्वास और लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता को होता है।

आज भारत महँगाई,रोजगार, वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं, कृत्रिम बुद्धिमत्ता,जलवायु परिवर्तन,कृषि सुधार,राष्ट्रीय सुरक्षा,साइबर सुरक्षा,शिक्षा, स्वास्थ्य तथा सामाजिक समरसता जैसी अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है। इन विषयों पर गंभीर संसदीय विमर्श की अपेक्षा केवल विपक्ष या सरकार की नहीं,बल्कि पूरे राष्ट्र की है। जनता चाहती है कि संसद राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का मंच अवश्य बने,किन्तु राष्ट्रीय समाधान का केन्द्र भी बनी रहे। 20 जुलाई से प्रारम्भ हुआ यह मानसून सत्र केवल सरकार के विधायी एजेंडे अथवा विपक्ष के राजनीतिक प्रतिरोध तक सीमित नहीं है। यह भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता,संसदीय परम्पराओं और संवैधानिक मूल्यों की भी परीक्षा है।सरकार के सामने चुनौती है कि वह अपने बहुमत का उपयोग संवाद, सहमति और संवैधानिक मयार्दाओं के साथ करे,जबकि विपक्ष की जिम्मेदारी है कि वह तथ्य,तर्क और जनहित के आधार पर अपनी भूमिका निभाए।लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति बहुमत नहीं,बल्कि संविधान के प्रति सामूहिक आस्था है।अंततः संसद किसी एक दल,गठबंधन या सरकार की नहीं,बल्कि भारत की जनता की सर्वोच्च लोकतांत्रिक संस्था है। मतभेद लोकतंत्र का स्वाभाविक गुण हैं,परन्तु संवाद उसका प्राण है।यदि यह मानसून सत्र राजनीतिक संघर्ष के बीच भी राष्ट्रीय सहमति का मार्ग प्रशस्त करता है,तो यह भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता का नया अध्याय सिद्ध होगा।यदि संवाद की जगह केवल टकराव ले लेता है,तो इतिहास इसे एक खोए हुए अवसर के रूप में भी दर्ज करेगा। लोकतंत्र की वास्तविक विजय सत्ता की नहीं,बल्कि संसद की गरिमा,संविधान की प्रतिष्ठा और जनविश्वास की विजय होती है।

ऑक्सीजन देने वाले वृक्ष के आध्यात्मिक रहस्य

हर धर्म में पेड़, पौधे और वृक्षों का बहुत महत्व है, परंतु इसको कोई महत्व नहीं देता है। जिस देजी से वृक्ष कटते जा रहे हैं उससे धरती का पर्यावरण ही नहीं बदल रहा है बल्कि जीवन में संकट में हो चला है। धरती पर ऑक्सीजन का निर्माण करने में वृक्षों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। वृक्ष नहीं होंगे तो एक दिन वायु भी नहीं होगी और वायु नहीं होगी तो फिर मानव भी नहीं होगा। आओ जानते हैं वृक्ष के 20 रहस्य।

- शास्त्रों के अनुसार जो व्यक्ति एक पीपल, एक नीम, दस इमली, तीन कैथ, तीन बेल, तीन आंवला और पांच आम के वृक्ष लगाता है, वह पुण्यात्मा होता है और कभी नरक के दर्शन नहीं करता। इसी तरह धर्म शास्त्रों में सभी तरह से वृक्ष सहित प्रकृति के सभी तत्वों के महत्व की विवेचना की गई है।
- भारतीय धर्म मानता हैं कि प्रकृति ही ईश्वर की पहली प्रतिनिधि है। प्रकृति के सारे तत्व ईश्वर के होने की सूचना देते हैं। इसीलिए प्रकृति को देवता, भगवान और पितृ माना गया है। यहां प्रत्येक देवी और देवता से एक वृक्ष, एक पशु या एक पक्षी जुड़ा हुआ है। यहां तक की ग्रह और नक्षत्र भी जुड़े हुए हैं। धर्म मानता है कि दूरस्थ स्थिति ध्रुव तारा भी हमारे जीवन को संचालित कर रहा है। फिर हिमालय के ग्लेशियर और चंद्रमा के तो कहने ही क्या। संपूर्ण ब्रह्मांड एक दूसरे से जुड़ा हुआ है। एक कड़ी टूटी तो सबकुछ बिखर जाएगा। यह ब्रह्मांड उल्टे वृक्ष की भांति है।
- धर्मानुसार पांच तरह के यज्ञ होते हैं जिनमें से दो यज्ञ– देवयज्ञ और वैश्वदेवयज्ञ प्रकृति को समर्पित है। दोनों ही तरह के यज्ञों का वैज्ञानिक और धार्मिक महत्व है। देवयज्ञ से जलवायु और पर्यावरण में सुधार होता है तो वैश्वदेवयज्ञ प्रकृति और प्राणियों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का तरीका है। सभी प्राणियों तथा वृक्षों के प्रति करुणा और कर्त्तव्य समझना उन्हें अन्न–जल देना ही भूतयज्ञ या वैश्वदेव यज्ञ कहलाता है।
- हिन्दू धर्मानुसार वृक्ष में भी आत्मा होती है। वृक्ष संवेदनशील होते हैं और उनके शक्तिशाली भावों के माध्यम से आपका जीवन बदल सकता है। प्रत्येक वृक्ष का गहराई से विश्लेषण करके हमारे ऋषियों ने यह जाना की पीपल और वट वृक्ष सभी वृक्षों में कुछ खास और अलग है। इनके धरती पर होने से ही धरती के पर्यावरण की रक्षा होती है। यही सब जानकर ही उन्होंने उक्त वृक्षों के संवरक्षण और इससे मनुष्य के द्वारा लाभ प्राप्ति के हेतु कुछ विधान बनाए गए उन्ही में से दो है पूजा और परिक्रमा।
- स्कन्द पुराण में वर्णित पीपल के वृक्ष में सभी देवताओं का वास है। पीपल की छाया में ऑक्सीजन से भरपूर आरोग्यवर्धक वातावरण निर्मित होता है। इस वातावरण से वात, पित्त और कफ का शमन–नियमन होता है तथा तीनों स्थितियों का संतुलन भी बना रहता है। इससे मानसिक शांति भी प्राप्त होती है। पीपल की पूजा का प्रचलन प्राचीन काल से ही रहा है। इससे मानसिक शांति भी प्राप्त होती है।
- अथर्ववेद के उपवेद आयुर्वेद में पीपल के औषधीय गुणों का अनेक असाध्य रोगों में उपयोग वर्णित है। औषधीय गुणों के कारण पीपल के वृक्ष को 'कल्पवृक्ष' की संज्ञा दी गई है। पीपल के वृक्ष में जड़ से लेकर पत्तियों तक तैंतीस कोटि देवताओं का वास होता है और इसलिए पीपल का वृक्ष प्रात : पूजनीय माना गया है। उक्त वृक्ष में जल अर्पण करने से रोग और शोक मिट जाते हैं। पीपल की पूजा का प्रचलन प्राचीन काल से ही रहा है। इसके कई पुरातात्विक प्रमाण भी है। गीता में भगवान कृष्ण कहते हैं, 'हे पार्थ वृक्षों में मैं पीपल हूं।' अश्वत्थोपनयन व्रत के संदर्भ में महर्षि शौनक कहते हैं कि मंगल मुहूर्त में पीपल वृक्ष की नित्य तीन बार परिक्रमा करने और जल चढ़ाने पर दरिद्रता, दु :ख और दुर्भाग्य का विनाश होता है। पीपल के दर्शन–पूजन से दीर्घायु तथा समृद्धि प्राप्त होती है। अश्वत्थ व्रत अनुष्ठान से कन्या अखण्ड सौभाग्य पाती है। सड़क के किनारे पीपल का वृक्ष लगाने, तथा उसका पालन करने वाला देवलोक प्राप्त करता है। पीपल के वृक्षों का रोपण करने वाला इस लोक में तो कीर्ति प्राप्त करता है, मृत्युपरांत भी मोक्ष को प्राप्त होता है। इसमें संदेह नहीं है।

- बरगद को वटवृक्ष कहा जाता है। हिंदू धर्म में वट सावत्री नामक एक त्योहार पूरी तरह से वट को ही समर्पित है। हिंदू धर्मानुसार चार वटवृक्षों का महत्व अधिक है। अक्षयवट, पंचवट, वंशीवट, गयावट और सिद्धवट के बारे में कहा जाता है कि इनकी प्राचीनता के बारे में कोई नहीं जानता। संसार में उक्त चार वटों को पवित्र वट की श्रेणी में रखा गया है। प्रयाग में अक्षयवट, नासिक में पंचवट, वृंदावन में वंशीवट, गया में गयावट और उज्जैन में पवित्र सिद्धवट है।
- **आम है खास** : हिंदू धर्म में जब भी कोई माँगलिक कार्य होते हैं तो घर या पूजा स्थल के द्वार व दीवारों पर आम के पत्तों की लड़ लगाकर मांगलिक उत्सव के माहौल को धार्मिक और वातावरण को शुद्ध किया जाता है। अक्सर धार्मिक पांडाल और मंडपों में सजावट के लिए आम के पत्तों का इस्तेमाल किया जाता है। 5 या अधिक आम के वृक्षों का रोपण पालन करने वाला अनेक दुर्लभ यज्ञों के फल को प्राप्त कर सकता है।
- **भविष्यवक्ता शमी** : विक्रमादित्य के समय में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य वराहमिहिर ने अपने बृहतसंहिता' नामक ग्रंथ के 'कुसुमलता' नाम के अध्याय में वनस्पति शास्त्र और कृषि उपज के संदर्भ में जो जानकारी प्रदान की है उसमें शमीवृक्ष अर्थात खिजड़े का उल्लेख मिलता है। वराहमिहिर के अनुसार जिस साल शमीवृक्ष ज्यादा फूलता–फलता है उस साल सूखे की स्थिति का निर्माण होता है। विजयादशमी के दिन इसकी पूजा करने का एक तात्पर्य यह भी है कि यह वृक्ष आने वाली कृषि विपत्ती का पहले से संकेत दे देता है जिससे किसान पहले से भी ज्यादा पुरुषार्थ करके आनेवाली विपत्ती से निजात पा सकता है।
- जो मनुष्य अपने घर में फलदार पेड़, पौधे आदि लगाता है और उसकी भली भांति देखभाल करता है, उसे आरोग्य की प्राप्ति होती है।
- जो मनुष्य 5 वट वृक्षों का रोपण और उसका पालन किसी चौराहे या मार्ग में करता है तो, उसकी सात पीढ़ियां तर जाती है। जो मनुष्य नीम के वृक्ष जितने अधिक लगाता है उतनी अधिक उसकी पीढ़ियां तर जाती है.
- वृक्षों के बाग या वाटिका लगाने वाला प्रसिद्धि प्राप्त करता है।
- जो भी व्यक्ति बिल्व वृक्ष का रोपण शिव मंदिर में करता है वह अकाल मृत्यु से मुक्त हो जाता है।
- घर में तुलसी, आंवला, निर्गुण्डी, अशोक, आदि के वृक्ष शुभ फलदायी होते हैं। शीशम के 11 वृक्ष को सड़क पर लगाने से यह लोक और परलोक दोनों ही संवर जाते हैं।
- कनक चम्पा के 2 वृक्ष लगाने वाले का सर्वार्थ कल्याण हो जाता है।
- 5 या अधिक महुआ के वृक्षों का रोपण और पालन करने वाला धन प्राप्त करता है। तथा उसे अनुरूप यज्ञों का फल भी प्राप्त होने लगता है।
- जो भी मनुष्य सड़क के किनारे 2 या 2 से अधिक मौलश्री के वृक्षों का रोपण एवं पालन करता है। वह एक सौ यज्ञों को करने का पुण्य प्राप्त करता है।
- जो भी मनुष्य 5 या अधिक अशोक वृक्ष का रोपण और पालन करता है, उसके घर परिवार में कभी भी अकाल मृत्यु नहीं होती है। उसके यहां अचानक कोई बड़ी मुसीबत खड़ी नहीं होती तथा उसे आगामी जन्म में पुण्यात्मा होने का सौभाग्य प्राप्त होता है।
- जो मनुष्य 5 पलास के वृक्षों का रोपण और पालन करते हैं। उसे 10 गौवों के दान के समतुल्य पुण्य लाभ मिलता है। पलास के वृक्षों को सड़क के किनारे अथवा किसी बड़े क्षेत्र में रोपना चाहिए। इसका रोपण घर में नहीं करना चाहिए।
- जो भी मनुष्य 2 या अधिक हारसिंगार (पारिजात) के पौधों का रोपण श्री हनुमानजी के मंदिर में अथवा नदी के किनारे या किसी भी सामाजिक स्थल पर करता है तो उसे एक लक्ष्य तोला स्वर्णदान के समतुल्य पुण्य प्राप्त होता है तथा उसे जीवन भर श्री हनुमानजी की कृपा मिलती रहती है।
- जो भी व्यक्ति सोमवार के दिन, प्रदोष वाले दिन, शिवरात्री को, श्रावणमास में किसी भी दिन अथवा शिवयोग वाले दिन 5 या अधिक बिल्व वृक्षों का रोपण और उसका नियमित पालन भी करता है तो उसे शिवलोक प्राप्त होता है। यदि इन वृक्षों को कोई भी मनुष्य शिव मंदिर में या मंदिर के समीप रोपण करता है तो निश्चय ही वह कोटि कोटि पुण्य का भागीदार तो होता ही है और उसे व उसके परिवार पर भगवान शिव की असीम अनुकम्पा भी प्राप्त होती है।

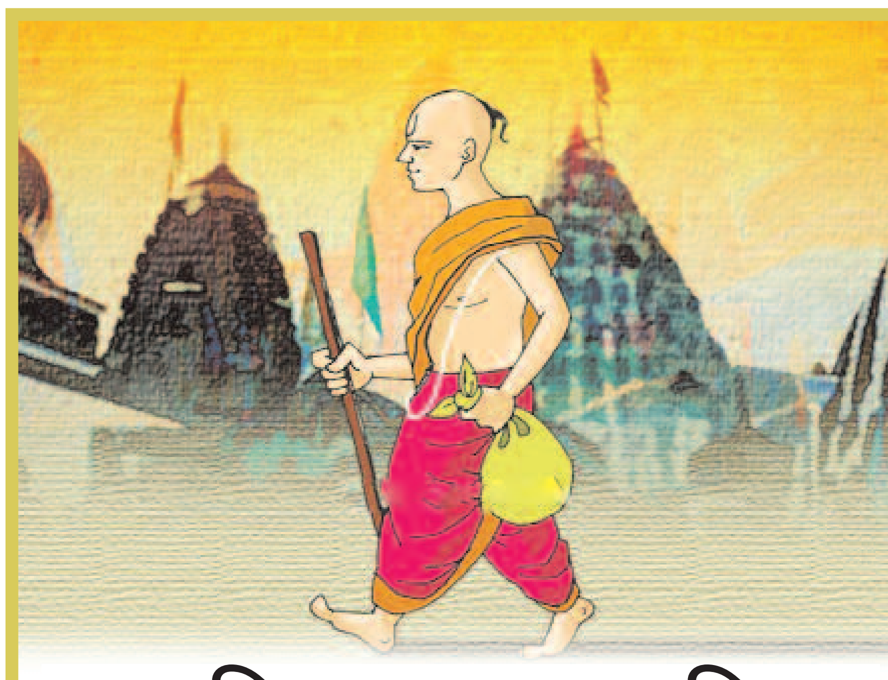

परिक्रमा या प्रदक्षिणा के 10 प्रकार

सभी ग्रह सूर्य की परिक्रमा कर रहे हैं और सभी ग्रहों को साथ लेकर यह सूर्य महासूर्य की परिक्रमा कर रहा है। संपूर्ण ब्रह्माण में चक्र और परिक्रमा का बड़ा महत्व है। भारतीय धर्मो (हिन्दू, जैन, बौद्ध आदि) में पवित्र स्थलों के चारो ओर श्रद्धाभाव से चलना 'परिक्रमा' या 'प्रदक्षिणा' कहलाता है। आओ जानते हैं कि किन किन की परिक्रमा की जाती है या कितने प्रकार की परिक्रमा की जाती है। ये हैं प्रमुख 10 परिक्रमाएं -

देवमंदिर परिक्रमा
जैसे देव मंदिर में जगन्नाथ पुरी परिक्रमा, रामेश्वरम, तिरुवन्नमल, तिरुवनन्तपुरम, शक्तिपीठ, ज्योतिर्लिंग आदि।

देव मूर्ति परिक्रमा
देवमूर्ति में शिव, दुर्गा, गणेश, विष्णु, हनुमान, कार्तिकेय आदि देवमूर्तियों की परिक्रमा करना।

नदी परिक्रमा
जैसे नर्मदा, सिंधु, सरस्वती, गंगा, यमुना, सरयु, क्षिप्रा, गोदावरी, कृष्णा, कावेरी परिक्रमा आदि।

पर्वत परिक्रमा
जैसे गोवर्धन परिक्रमा, गिरनार, कामदगिरि, मेरू पर्वत, हिमालय, नीलगिरी, तिरुमलै परिक्रमा आदि।

वृक्ष परिक्रमा
जैसे पीपल और बरगद की परिक्रमा करना।

तीर्थ परिक्रमा
जैसे चौरासी कोस परिक्रमा, अयोध्या, उज्जैन या प्रयाग पंचकोशी यात्रा, राजिम परिक्रमा, सप्तपुरी आदि।

चार धाम परिक्रमा
जैसे छोटा चार धाम (केदारनाथ, बद्रीनाथ, यमुनोत्री, गंगोत्री) परिक्रमा या बड़ा चार धाम (बद्रीनाथ, द्वारिका, जगन्नाथ और रामेश्वरम) यात्रा।

भरत खण्ड परिक्रमा
अर्थात संपूर्ण भारत की परिक्रमा करना। परिवाज्रक संत और साधु ये यात्राएं करते हैं। इस यात्रा के पहले क्रम में सिंधु की यात्रा, दूसरे में गंगा की यात्रा, तीसरे में ब्रह्मपुत्र की यात्रा, चौथे में नर्मदा, पांचवें में महानदी, छठे में गोदावरी, सातवें में कावेरी, आठवें में कृष्णा और अंत में कन्याकुमारी में इस यात्रा का अंत होता है। हालांकि प्रत्येक साधु समाज में इस यात्रा का अलग–अलग विधान और नियम है।

विवाह परिक्रमा
मनु स्मृति में विवाह के समक्ष वधू को अग्नि के चारों ओर तीन बार प्रदक्षिणा करने का विधान बतलाया गया है जबकि दोनों मिलकर 7 बार प्रदक्षिणा करते हैं तो विवाह संपन्न माना जाता है।

माता पिता की परिक्रमा
भगवान गणेशजी ने अपने माता पिता की परिक्रमा की थी जिससे पता चलता है कि इस परिक्रमा का क्या महत्व है।

शव परिक्रमा
जब कोई किसी का अपना देह छोड़ देता है कि उसकी देह की परिक्रमा की जाती है। दाह संस्कार करते वक्त और करने के बाद मटकी से जल अर्पित करते वक्त भी परिक्रमा की जाती है।

धरती की परिक्रमा
एक बार देवताओं के बीच में धरती परिक्रमा की प्रतियोगिता हुई थी, जिसमें जीते तो भगवान कार्तिकेय थे परंतु गणेशजी ने माता पिता की परिक्रमा करके यह प्रतियोगिता जीत ली थी।

ब्रह्मांड की परिक्रमा
यह परिक्रमा नारद जी करते रहते हैं।

किस देव की कितनी बार परिक्रमा?

- भगवान शिव की आधी परिक्रमा की जाती है।
- माता दुर्गा की एक परिक्रमा की जाती है।
- हनुमानजी और गणेशजी की तीन परिक्रमा की जाती है।
- भगवान विष्णु की चार परिक्रमा की जाती है।
- सूर्यदेव की चार परिक्रमा की जाती है।
- पीपल वृक्ष की 108 परिक्रमाएं करना चाहिए।
- जिन देवताओं की प्रदक्षिणा का विधान नहीं प्राप्त होता है, उनकी तीन प्रदक्षिणा की जा सकती है।

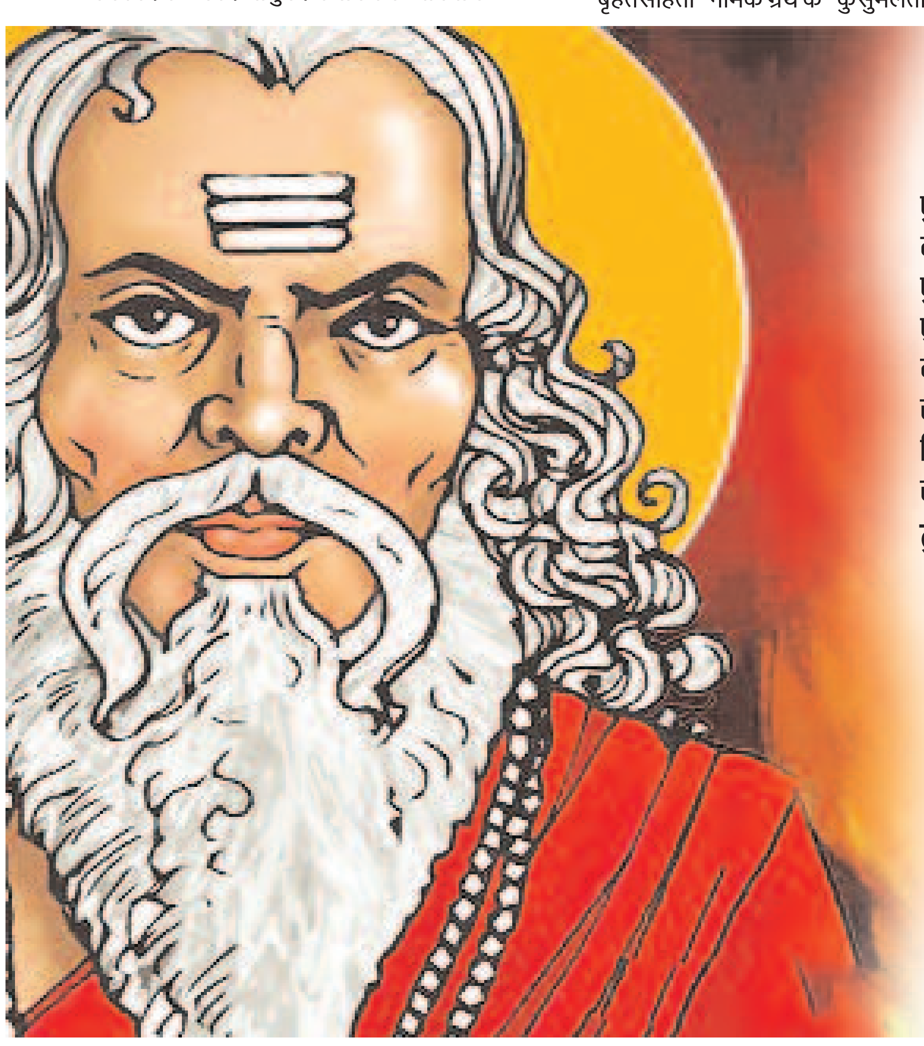

ब्रह्मा के पुत्र क्रतु ऋषि के थे 60 हजार पुत्र

पुराणों अनुसार ब्रह्मा जी के मानस पुत्र- मन से मारिचि, नेत्र से अत्रि, मुख से अंगिरस, कान से पुलस्त्य, नाभि से पुलह, हाथ से कृतु, त्वचा से भृगु, प्राण से वशिष्ठ, अंगुष्ठ से दक्ष, छाया से कंदर्भ, गोद से नारद, इच्छा से सनक, सनन्दन, सनातन, सनतकुमार, शरीर से स्वायंभुव मनु, ध्यान से चित्रगुप्त आदि। आओ जानते हैं ऋषि अंगिरा के बारे मं संक्षिप्त में जानकारी।

ब्रह्मा के पुत्र कृतु ऋषि :

- कृतु या क्रतु का जन्म ब्रह्माजी के हाथ से हुआ था। क्रतु 16 प्रजापतियों में से एक हैं। इनकी गणना सप्तर्षियों में की जाती है।
- ब्रह्मा की आज्ञा से उन्होंने दक्ष प्रजापति और क्रिया की पुत्री सन्नति से विवाह किया था। कहते हैं कि क्रतु और सन्नति से 'बालिखिल्य' नाम के 60 हजार पुत्र हुए। इन बालखिल्यों का आकार अंगूठे के बराबर माना जाता है। यह सभी पुत्र भगवान सूर्य के उपासक थे। सूर्य के रथ के आगे अपना मुख सूर्य की ओर किये हुए बालखिल्य चलते हैं और उनकी स्तुति करते हैं। इन ब्रह्मर्षियों की तपस्या शक्ति सूर्यदेव को प्राप्त होती रहती है।
- पुराणों अनुसार एक बार महर्षि मरीचि के पुत्र महर्षि कश्यप एक यज्ञ कर रहे थे। उन्होंने अपने तात महर्षि क्रतु से निवेदन किया कि वे उस यज्ञ के लिए ब्रह्मा का स्थान ग्रहण करें। अपने भतीजे के निवेदन पर महर्षि क्रतु अपने 60 हजार पुत्रों के साथ महर्षि कश्यप के यज्ञ में पधारे। उसी यज्ञ में देवराज इंद्र और महर्षि क्रतु के पुत्र बालखिल्यों में विवाद हो चला तब अपने पिता और महर्षि कश्यप द्वारा बीच–बचाव करने पर बालखिल्यों ने ही पक्षीराज गरुड़ को महर्षि कश्यप को पुत्र रूप में प्रदान किया था।
- पुराणों में महर्षि क्रतु की दो बहनों– पुण्य एवं सत्यवती का भी वर्णन मिलता है। महर्षि क्रतु और सन्नति की एक पुत्री का नाम भी पुण्य था। इसके साथ ही पर्वासा नाम की एक पुत्रवधु का भी वर्णन मिलता है।
- सर्वप्रथम वेद एक रूप में ही ब्रह्मा द्वारा उत्पन्न किए गए थे। बाद में महर्षि क्रतु ने ही वेदों के चार भाग करने में उनकी सहायता की थी। आगे चलकर वराहकल्प में क्रतु ऋषि ही महाभारत काल में वेद व्यास ऋषि हुए।
- मनु के पुत्र उत्तानपाद और उत्तानपाद के पुत्र ध्रुव से महर्षि क्रतु अत्यंत प्रेम करते थे। जब अपने पिता से उपेक्षित होकर ध्रुव ने परमलोक की प्राप्ति करने की सोची तो सबसे पहे वो महर्षि क्रतु के पास गया। क्रतु ने ध्रुव को भगवान विष्णु की तपस्या करने की सलाह दी। बाद में देवर्षि नारद द्वारा अनुमोदन करने पर ध्रुव ने विष्णुजी की घोर तपस्या की और उनकी कृपा से परमलोक को प्राप्त हुआ। क्रतु ऋषि नाम का एक तारा है जो ध्रुव की परिक्रमा करने में आज भी लीन है। ध्रुव के प्रति अपने प्रेम के कारण ही महर्षि क्रतु उसके समीप चले गए।
- पुराणों में महर्षि क्रतु को महर्षि अगस्त्य के वातापि भक्षण और समुद्र को पी जाने के कारण उनकी प्रशंसा करते हुए भी बताया गया है। कुछ ग्रंथों में इस बात का वर्णन है कि महर्षि क्रतु ने महर्षि अगस्त्य के पुत्र ईधवाहा को भी गोद लिया था। इसके अलावा महाराज भरत ने महर्षि क्रतु से देवताओं के चरित्र के विषय में प्रश्न किया था। तब महर्षि क्रतु ने उनकी इस शंका का समाधान किया था।
- क्रतु नाम से एक अग्नि का नाम भी है और श्रीकृष्ण और जाम्बवती के कई पुत्रों में से एक का नाम क्रतु था। प्लक्षद्वीप की एक नदी का नाम भी क्रतु है। क्रतु का एक अर्थ 'आषाढ़' भी होता है और वर्ष के इसी मास में अधिकांश यज्ञ करने का प्रावधान शास्त्रों में बताया गया है।
- मैत्रेय संहिता के अनुसार एक बार यज्ञ से प्राप्त पशुओं का देवाताओं ने विभाजन कर दिया और उन्होंने रुद्र को उस विभाजन के हिस्से में शामिल नहीं किया तब रुद्रदेव क्रोधित हो गए और उन्होंने देवताओं पर आक्रमण कर दिया। इस आक्रमण में पूषणा के दन्त, भग के नेत्र और क्रतु के अंडकोषों को नष्ट हो गए। बाद में ब्रह्माजी ने उनकी स्तुति करके उन्हें शांत किया और उन्हें 'पशुपति' की उपाधि दी। फिर रुद्रदेव ने सभी को पहले जैसा कर दिया।

शीर्ष 5 कंपनियों का मार्केट कैप 1.54 लाख करोड़ बढ़ा

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को सबसे अधिक फायदा हुआ

-मुंबई ।

बीते सप्ताह शेयर बाजार के सकारात्मक माहौल के बीच सेंसेक्स की शीर्ष 10 मूल्यवान कंपनियों में से पांच के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 1.54 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इस दौरान टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को सबसे अधिक फायदा हुआ, जबकि एचडीएफसी बैंक और भारती एयरटेल जैसी कंपनियों को नुकसान उठाना पड़ा। समीक्षाधीन सप्ताह में बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 582.06 अंक और एनएसई निफ्टी 127.4 अंक के लाभ में रहा। इस सकारात्मक रुख का असर रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और बजाज फाइनेंस के बाजार मूल्यांकन पर पड़ा, जिससे उनकी हैसियत बढ़ गई। टीसीएस का बाजार पूंजीकरण सर्वाधिक 72,072.3 करोड़ रुपये बढ़कर 8,20,672.70 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। कंपनी ने हाल ही में जून तिमाही में शुद्ध लाभ में 4.61 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 29,062.06 करोड़ रुपये बढ़ा, जबकि रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अपने बाजार पूंजीकरण में 23,884.93 करोड़ रुपये का इजाफा किया। इसके अलावा, बजाज फाइनेंस की बाजार हैसियत 21,946.5 करोड़ रुपये और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का पूंजीकरण 7,338.34 करोड़ रुपये बढ़ा। हालांकि, यह सप्ताह सभी के लिए फायदेमंद नहीं रहा। एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी), लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) और हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) जैसी पांच कंपनियों की बाजार हैसियत में गिरावट देखी गई। एलएंडटी का बाजार मूल्यांकन 18,097.72 करोड़ रुपये, एलआईसी का 12,080.75 करोड़ रुपये और भारती एयरटेल का 7,706.45 करोड़ रुपये घट गया।

एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन भी 7,084.61 करोड़ रुपये कम हुआ, जबकि हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार पूंजीकरण में 1,221.79 करोड़ रुपये की कमी आई। बाजार पूंजीकरण के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी रही, इसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, बजाज फाइनेंस, एलआईसी, लार्सन एंड टुब्रो और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा।

जेके सीमेंट का शुद्ध लाभ पहली तिमाही में 15.3 घटकर 274.62 करोड़

नई दिल्ली ।

वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में जेके सीमेंट` लिमिटेड का मुनाफा 15.3 प्रतिशत घटकर 274.62 करोड़ रुपए रहा। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि 2025-26 की समान तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 324.25 करोड़ रुपए था। जेके सीमेंट की परिचालन आय जून तिमाही में 20.25 प्रतिशत बढ़कर 4,031.72 करोड़ रुपए हो गई, जो 2025-26 की पहली तिमाही में 3,352.53 करोड़ रुपए थी। कंपनी का कुल खर्च आलोच्य तिमाही में 25.5 प्रतिशत बढ़कर 3,664.82 करोड़ रुपए हो गया। कंपनी की कुल आय जून 2026 को समाप्त तिमाही में 19.41 प्रतिशत बढ़कर 4,070.97 करोड़ रुपए रही।

हुरुन की रियल एस्टेट सूची में आईएचसीएल, ओयो शीर्ष 10 में शामिल

प्रिज्म (ओयो) का मूल्यांकन 107 फीसदी बढ़ा, इंडियन होटल्स भी शीर्ष पर

नई दिल्ली ।

2026 की ग्रोहे-हुरुन इंडिया रियल एस्टेट-150 सूची में हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र ने अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। इस सूची में टाटा समूह की इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड (आईएचसीएल) और ओयो की मूल कंपनी प्रिज्म शीर्ष-10 में जगह बनाने वाली आतिथ्य कंपनियां बनकर उभरी हैं। प्रिज्म ने अपने मूल्यांकन में जबरदस्त उछाल के साथ पहली बार इस प्रतिष्ठित सूची के शीर्ष-10 में प्रवेश किया है। रिपोर्ट के अनुसार रितेश अग्रवाल की अगुवाई वाली प्रिज्म (ओयो) आतिथ्य क्षेत्र की सबसे बड़ी सफलता की कहानी बनकर उभरी। इसका मूल्यांकन 107 प्रतिशत बढ़कर 67,200 करोड़ रुपये हुआ, जिससे यह छह पायदान ऊपर चढ़कर पांचवें स्थान पर पहुंची और पहली बार शीर्ष-10 में शामिल हुई। प्रिज्म अदाणी प्रॉपर्टीज के बाद देश की दूसरी सबसे मूल्यवान गैर-सूचीबद्ध रियल एस्टेट कंपनी भी रही। टाटा समूह की इंडियन होटल्स कंपनी का मूल्यांकन 93,300 करोड़ रुपये दर्ज किया गया, जबकि हाल ही में सूचीबद्ध हुई आईटीसी होटल्स ने 32,300 करोड़ रुपये के मूल्यांकन के साथ सूची में पहली बार जगह बनाई। एक दशक पहले सीमित योगदान देने वाला आतिथ्य क्षेत्र अब कंपनियों की संख्या के लिहाज से दूसरा सबसे बड़ा वर्ग है, सूची में कुल 24 कंपनियां शामिल हैं जिनका कुल मूल्यांकन 2.85 लाख करोड़ रुपये है। हुरुन इंडिया के अनुसार उपभोक्ता खर्च से जुड़े क्षेत्रों ने बेहतर प्रदर्शन किया, जबकि आवासीय और वाणिज्यिक रियल एस्टेट जैसे डेवलपर्स-निर्भर क्षेत्रों में गिरावट आई। कुल 151 कंपनियों में से केवल 31 के मूल्यांकन में वृद्धि हुई, जिसमें आतिथ्य और खुदरा क्षेत्र ही अग्रणी रहे।

केजी-डी6 गैस उत्पादन में बड़ी गिरावट, रिलायंस-बीपी को झटका

भरपाई के लिए योजना तैयार कर रही कंपनी

नई दिल्ली ।

रिलायंस इंडस्ट्रीज और बीपी द्वारा संचालित कृष्णा-गोदावरी (केजी-डी6) ब्लॉक से प्राकृतिक गैस उत्पादन में चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में सालाना आधार पर करीब सात प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। इस अवधि में उत्पादन घटकर 2.48 करोड़ मानक घन मीटर प्रतिदिन (एमएमएससीएमडी) रह गया, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 2.66 करोड़ एमएमएससीएमडी था। कंपनी ने बताया कि यह गिरावट प्राकृतिक आधार पर जारी है, और पिछली जनवरी-मार्च तिमाही में उत्पादन 2.52 करोड़ एमएमएससीएमडी था। विश्लेषकों से बातचीत में कंपनी ने स्वीकार किया कि केजी-डी6 के दूसरे चरण की गैस परियोजनाओं का उत्पादन जनवरी-मार्च 2024 में 3.06 करोड़ एमएमएससीएमडी के शीर्ष पर पहुंचा था, जिसके बाद से इसमें लगभग 19 प्रतिशत की कमी आई है। रिलायंस ने तत्काल यह नहीं बताया कि उत्पादन में गिरावट कब तक जारी रहेगी। हालांकि, कंपनी के एक अधिकारी ने कहा कि इस गिरावट की भरपाई के लिए योजना तैयार की गई है, जिसकी जानकारी जल्द दी जाएगी। केजी-डी6 ब्लॉक में रिलायंस इंडस्ट्रीज की 66.67 प्रतिशत और बीपी की 33.33 प्रतिशत हिस्सेदारी है। पुराने डी-1 और डी-3 क्षेत्रों के बंद होने के बाद, रिलायंस और बीपी ने आर-क्लस्टर, सैटेलाइट क्लस्टर और एमजे जैसी गहरे समुद्र की गैस परियोजनाओं में लगभग 5 अरब डॉलर का निवेश कर उत्पादन शुरू किया था। अप्रैल-जून तिमाही में गैस से औसत प्राप्ति कीमत .8.89 प्रति इकाई (एमएमबीटीयू) रही, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 9.97 डॉलर से कम थी। वहीं, तेल/कंडन्सेट से औसत प्राप्ति कीमत बढ़कर 107.4 डॉलर प्रति बैरल हो गई, जो एक वर्ष पहले .69.9 प्रति बैरल थी।

तिमाही नतीजे, पश्चिम एशिया तनाव तय करेंगे शेयर बाजार की दिशा

निवेशकों की नजर मानसून, कच्चे तेल और वैश्विक घटनाक्रमों पर, कई दिग्गज कंप नियों के आएंगे नतीजे

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार इस सप्ताह कई महत्वपूर्ण घटनाक्रमों के कारण अत्यधिक उतार-चढ़ाव का सामना कर सकता है। विश्लेषकों का मानना है कि कंपनियों के पहली तिमाही के नतीजे, पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों की दिशा दलाल स्ट्रीट की चाल को निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इसके अलावा, दक्षिण-पश्चिम मानसून की प्रगति और विदेशी निवेशकों की गतिविधियां भी बाजार के लिए प्रमुख संकेतक रहेंगी। बाजार के जानकारों के अनुसार इस सप्ताह घरेलू कंपनियों के तिमाही परिणाम और वृहद आर्थिक आंकड़े बाजार की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएंगे। उन्होंने बताया कि मानसून की प्रगति और खरीफ फसलों की बुवाई की स्थिति पर निवेशकों की गहरी नजर रहेगी, क्योंकि इनका सीधा असर ग्रामीण मांग, खाद्य महंगाई और भारतीय रिजर्व बैंक की भविष्य की मौद्रिक नीतियों पर पड़ सकता है। वैश्विक स्तर पर पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव और उसके कारण कच्चे तेल की कीमतों पर पड़ने वाले प्रभाव पर निवेशक करीबी नजर रखेंगे।

यश बैंक के मुनाफे में 33.7 फीसदी उछाल, 1,071 करोड़ के पार

मुंबई

` निजी क्षेत्र के प्रमुख बैंक यश बैंक ने मौजूदा कारोबारी साल की पहली तिमाही के शानदार नतीजे जारी किए हैं। जून 2026 को खत्म हुई इस तिमाही में बैंक का स्टैंडअलोन नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 33.7 प्रतिशत उछलकर 1,070.99 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। पिछले साल इसी तिमाही में बैंक को 801 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। बैंक की ब्याज से होने वाली कमाई में भी अच्छी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। यश बैंक का नेट इंटरेस्ट इनकम 17.5 फीसदी बढ़कर 2,786.46 करोड़ रुपये रहा, जो बीते साल की समान तिमाही में 2,371 करोड़ रुपये था। इसके साथ ही बैंक का नेट इंटरेस्ट मार्जिन भी 2.5 प्रतिशत से सुधरकर 2.7 प्रतिशत पर आ गया है। डिपॉजिट की लागत में कमी और पीएसएल शॉर्टफॉल डिपॉजिट के बैलेंस में गिरावट आने से बैंक के मार्जिन को मजबूत सहारा मिला है। यश बैंक के लिए सबसे बड़ी राहत की बात यह रही कि इसके फंसे हुए कर्ज में कमी आई है, जिससे एसेट क्वालिटी काफी बेहतर हुई है। बैंक का ग्रॉस एनपीए रेशियो पिछले साल के 1.6 फीसदी से घटकर अब 1.3 फीसदी रह गया है। वहीं, नेट एनपीए रेशियो भी 0.3 फीसदी से कम होकर 0.2 फीसदी पर आ गया है।

अगर बैंक के कामकाज से होने वाले मुनाफे (ऑपरेटिंग प्रॉफिट) की बात करें, तो इसमें सालाना आधार पर 25.5 प्रतिशत की तेजी आई है और यह 1,704 करोड़ रुपये रहा। इसके अलावा बैंक की नॉन-इंटरेस्ट इनकम मामूली रूप से 2.6 फीसदी बढ़कर 1,798 करोड़ रुपये दर्ज की गई।

शुक्रवार को बाजार बंद होने पर यश बैंक के शेयर 0.59 फीसदी की गिरावट के साथ 23.61 रुपये पर थे। हालांकि, साल 2026 में अब तक इस स्टॉक ने निफ्टी 50 के मुकाबले काफी बेहतर प्रदर्शन किया है। जहां इस साल निफ्टी 50 में 6.9 फीसदी की गिरावट आई है`।

सेबी ने फॉरेंसिक ऑडिट पैनल का विस्तार किया, वित्तीय निगरानी को मिलेगा बल

प्रमुख फर्मों समेत 18 कंपनियों को तीन साल के लिए पैनल में शामिल किया गया

नई दिल्ली ।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने सूचीबद्ध कंपनियों के वित्तीय विवरणों के फॉरेंसिक ऑडिट के लिए अपने विशेषज्ञ पैनल में 18 नई फर्मों को शामिल किया है। यह कदम वित्तीय पारदर्शिता को मजबूत करने और निवेशकों के हितों की बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित करने के नियामक के प्रयासों का हिस्सा है। इस विस्तार के साथ, सेबी की सूचीबद्ध कंपनियों की वित्तीय जांच की क्षमता और गहरी होगी। सेबी ने 15 जुलाई को जारी एक अधिसूचना में बताया कि इन फॉरेंसिक ऑडिटरों का चयन एक निर्धारित सार्वजनिक खरीद प्रक्रिया के तहत किया गया है। ये फर्म पहले से मौजूद ऑडिटरों की सूची के अतिरिक्त होंगी, जिससे पैनल की समग्र क्षमता में वृद्धि होगी। नई सूची के प्रकाशन की तारीख से ये कंपनियां अगले तीन साल तक सेबी के पैनल में अपनी सेवाएं देंगी।

पैनल में शामिल प्रमुख फर्मों में अर्न्स्ट एंड यंग एलएलपी, केपीएमजी एश्योरेंस एंड कंसल्टिंग सर्विसेज एलएलपी, जेडएक्स ग्रांट थॉर्नटन भारत एलएलपी और नांगिया एंड कंपनी एलएलपी शामिल हैं। इनके अतिरिक्त जे सी काबरा एंड एसोसिएट्स, जे मंडल एंड कंपनी एलएलपी, पिपारा एंड कंपनी एलएलपी, आर एस पटेल एंड कंपनी, सारथ एंड एसोसिएट्स, एएसए एंड एसोसिएट्स एलएलपी समेत कुल 18 विशेषज्ञ कंपनियों को इस पैनल में जगह मिली है। नांगिया एंड कंपनी एलएलपी के फॉरेंसिक सलाहकार विभाग के एक वरिष्ठ भागीदार ने इस कदम का स्वागत करते हुए कहा कि पैनल में शामिल होना इन कंपनियों की फॉरेंसिक विशेषज्ञता और वित्तीय पारदर्शिता के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने जोर दिया कि यह मान्यता वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र में उनके भरोसेमंद भागीदार के रूप में उनकी भूमिका को और मजबूत करेगी, जिससे निवेशक हितों की बेहतर सुरक्षा हो सकेगी।

त्योहारों की दस्तक, मंडियों में सन्नाटा, तेल-तिलहन बाजार में जोरदार उछाल

किसान नहीं बेच रहे सस्ते में, घट गई सोयाबीन-सरसों की आवक

नई दिल्ली ।

आगामी त्योहारों की बढ़ती मांग और मंडियों में किसानों की कम आवक के चलते देश के तेल-तिलहन बाजारों में जोरदार तेजी दर्ज की गई। बीते सप्ताह सरसों, मूंगफली, सोयाबीन तेल-तिलहन समेत कच्चा पामतेल (सीपीओ) और बिनौला तेल के दाम में मजबूती देखी गई। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार किसानों को सोयाबीन जैसी फसलों के पहले ही बेहतर दाम मिल चुके हैं, जिसके चलते वे अब कम कीमत पर बिक्री से कतरा रहे हैं। मंडियों में आवक बेहद कम बनी हुई है, खासकर सोयाबीन की आवक दैनिक खपत की तुलना में काफी कम है। बिनौले की उपलब्धता तो लगभग नगण्य है। दूसरी ओर आगामी त्योहारी मांग जोर पकड़ रही है। बरसात के मौसम में अचार उद्योग से सरसों की मांग बढ़ी है। बिनौले की अनुपलब्धता के कारण ब्रांडेड कंपनियां मूंगफली तेल की ओर रुख कर रही हैं। इसके अलावा, डॉलर के मुकाबले रुपये की गिरावट और सरकार द्वारा पाम-पामोलीन के आयात शुल्क मूल्य में वृद्धि ने भी आयातित तेलों को महंगा कर दिया है, जिससे सभी खाद्य तेलों में मजबूती आई है। इस स्थिति में सरसों का तेल अब सोयाबीन और पाम-पामोलीन से 10-15 रुपये प्रति किलो महंगा बिक रहा है। महाराष्ट्र के लातूर में सोयाबीन प्लांटों ने किसानों को आकर्षित करने के लिए भविष्य के खरीद भाव 7,700 से बढ़ाकर 8,100 रुपये प्रति क्विंटल कर दिए हैं। वहीं, नगण्य उपलब्धता के कारण देश की लगभग 97त्न बिनौला पेराई मिलें बंद हो चुकी हैं, जिससे बिनौला तेल में भी तेजी है। आयातित खाद्य तेलों में पहले हो रहे घाटे में भी कुछ कमी आई है। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 350 रुपये के सुधार के साथ 8,075-8,100 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों तेल 650 रुपये के सुधार के साथ 16,550 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल क्रमश- 90-90 रुपये के सुधार के साथ क्रमश- 2,705-2,805 रुपये और 2,705-2,855 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमश- 375-375 रुपये के सुधार के साथ क्रमश- 7,550-7,600 रुपये और 7,400-7,475 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

इसी प्रकार दिल्ली में सोयाबीन तेल 275 रुपये के सुधार के साथ 15,825 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 375 रुपये के सुधार के साथ 15,675 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 300 रुपये के सुधार के साथ 12,350 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।औद्योगिक मांग बढ़ने के बीच बीते सप्ताह मूंगफली तिलहन का दाम 400 रुपये के सुधार के साथ 7,350-7,925 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 1,000 रुपये के सुधार के साथ 17,000 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 105 रुपये के सुधार के साथ 2,665-2,965 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। लागत से नीचे दाम पर बिकवाली का अंतर पहले के मुकाबले घटने के कारण समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 225 रुपये के सुधार के साथ 13,850 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

डाउनस्ट्रीम' एल्युमीनियम उद्योगों की सीमा शुल्क घटाने की मांग

कच्चे एल्युमीनियम व कबाड़ पर उच्च आयात शुल्क से बढ़ रही लागत, केंद्र को सौंपा ज्ञापन

नई दिल्ली ।

एल्युमीनियम से तैयार उत्पाद बनाने वाले उद्योगों (डाउनस्ट्रीम) ने केंद्र सरकार से प्राथमिक एल्युमीनियम और एल्युमीनियम कबाड़ (स्क्रैप) पर सीमा शुल्क कम करने की मांग की है। उनका कहना है कि मौजूदा उच्च शुल्क व्यवस्था के कारण सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) पर लागत का भारी दबाव है, जिससे उनकी प्रतिस्पर्धा क्षमता प्रभावित हो रही है। एल्युमीनियम सेकेंडरी मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन सहित प्रमुख उद्योग संगठनों ने हाल ही में खान मंत्रालय को सौंपे संयुक्त ज्ञापन में कहा है कि प्राथमिक एल्युमीनियम पर 8.25 फीसदी और कबाड़ पर 2.75 फीसदी का प्रभावी आयात शुल्क घरेलू उत्पादकों को आयात-समता के आधार पर कीमतें तय करने का मौका देता है, जिससे डाउनस्ट्रीम उद्योगों की लागत बढ़ती है। भारत की प्रति व्यक्ति एल्युमीनियम खपत वैश्विक औसत (11 किग्रा) से काफी कम (2.5 किग्रा) है, जिसकी मुख्य वजह लागत है। संगठनों का दावा है कि पिछले कुछ वर्षों में एमएसएमई के लाभ मार्जिन में 70 फीसदी तक की गिरावट आई है, वहीं हाल के तीन महीनों में वैश्विक कीमतों, मालढुलाई और ऊर्जा लागत बढ़ने से कच्चे माल की लागत 20-35 फीसदी बढ़ी है। उन्होंने उलट शुल्क ढांचे पर भी चिंता जताई है, जहां तैयार एल्युमीनियम उत्पाद मुक्त व्यापार समझौतों के तहत कम शुल्क पर आयात होते हैं, जबकि कच्चे माल पर अधिक शुल्क लगता है। यूरोपीय संघ के कार्बन सीमा समायोजन तंत्र से भारतीय निर्यातकों की प्रतिस्पर्धी क्षमता और प्रभावित होने का खतरा है। उद्योग का मानना है कि शुल्क घटाने से लागत कम होगी, उत्पादन बढ़ेगा और मूल्यवर्धित उत्पादों के निर्यात को प्रोत्साहन मिलेगा। हालांकि, प्राथमिक एल्युमीनियम उत्पादक इस कदम का विरोध कर सकते हैं, क्योंकि मौजूदा व्यवस्था उन्हें बेहतर कीमतें दिलाने में सहायक है।

जेके सीमेंट का शुद्ध लाभ पहली तिमाही में 15.3त्न घटकर 274.62 करोड़

नई दिल्ली ।

वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में जेके सीमेंट `लिमिटेड का मुनाफा 15.3 प्रतिशत घटकर 274.62 करोड़ रुपए रहा। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि 2025-26 की समान तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 324.25 करोड़ रुपए था। जेके सीमेंट की परिचालन आय जून तिमाही में 20.25 प्रतिशत बढ़कर 4,031.72 करोड़ रुपए हो गई, जो 2025-26 की पहली तिमाही में 3,352.53 करोड़ रुपए थी। कंपनी का कुल खर्च आलोच्य तिमाही में 25.5 प्रतिशत बढ़कर 3,664.82 करोड़ रुपए हो गया। कंपनी की कुल आय जून 2026 को समाप्त तिमाही में 19.41 प्रतिशत बढ़कर 4,070.97 करोड़ रुपए रही।

पीएनबी के मुनाफे में तीन गुना से ज्यादा का बंपर उछाल

मुंबई ।

सरकारी बैंक पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने अप्रैल-जून 2026 तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। इस दौरान बैंक का मुनाफा बढ़कर 5,253 करोड़ रुपये पहुंच गया। पिछले साल इसी तिमाही में बैंक का मुनाफा 1,675 करोड़ रुपये था। यानी इस बार बैंक ने तीन गुना से ज्यादा मुनाफा कमाया है। बैंक ने शेयर बाजार को दी गई जानकारी में बताया कि जून तिमाही में उसकी कुल आय 37,231 करोड़ रुपये रही, जो पिछले साल के मुकाबले लगभग बराबर रही। हालांकि, ब्याज से होने वाली कमाई बढ़कर 32,897 करोड़ रुपये हो गई। एक साल पहले यह 31,964 करोड़ रुपये थी। जून तिमाही में बैंक का ऑपरेटिंग प्रॉफिट भी बढ़ा है। यह 7,519 करोड़ रुपये रहा, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 7,081 करोड़ रुपये था। बैंक के खराब कर्ज में भी सुधार देखने को मिला। जून 2026 के अंत तक यह घटकर 2.78 फीसदी रह गया, जबकि एक साल पहले यह 3.78 फीसदी था।

रकम के हिसाब से जीएनपीए 42,673 करोड़ रुपये से घटकर 35,381 करोड़ रुपये रह गया। यानी इसमें 7,292 करोड़ रुपये की कमी आई। वहीं, नेट एनपीए भी 0.38 फीसदी से घटकर 0.26 फीसदी पर आ गया। इसकी कुल राशि 4,132 करोड़ रुपये से घटकर 3,433 करोड़ रुपये रह गई, यानी 699 करोड़ रुपये की कमी दर्ज की गई। हालांकि, बैंक ने खराब कर्ज के लिए इस तिमाही में 792 करोड़ रुपये का रखा है, जो पिछले साल की समान तिमाही के 396 करोड़ रुपये से दोगुना है। वहीं, बैंक का कैपिटल एडिक्वेसी रेशियो भी बढ़कर 18.13 फीसदी हो गया, जो पिछले साल जून के अंत में 17.5 फीसदी था।

पटेल इंजीनियरिंग ने मप्र में 12 किमी सिंचाई सुरंग परियोजना का अहम चरण पूरा किया

1600 करोड़ की इस परियोजना से 2.45 लाख हेक्टेयर को मिलेगा पानी

मुंबई ।

शेयर बाजार में लिस्टेड पेनी कैटेगरी के स्टॉक पटेल इंजीनियरिंग के शेयर सोमवार को फोकस में रहेंगे। कंपनी ने हाल ही में एक अहम घोषणा की, जिसमें बताया गया कि उसने मध्य प्रदेश में बन रही 12 किलोमीटर लंबी, भारत की सबसे लंबी सिंचाई सुरंग परियोजना में बड़ी सफलता हासिल कर ली है। यह 1,600 करोड़ रुपए की लागत वाली परियोजना है, जिसके पूरा होने से राज्य में कृषि और जल आपूर्ति को नया जीवन मिलेगा। पटेल इंजीनियरिंग ने जानकारी दी कि मध्य प्रदेश में स्लीमानाबाद कैरियर नहर परियोजना के तहत बन रही 12 किलोमीटर लंबी सिंचाई सुरंग का कार्य पूरा हो गया है। यह नहर परियोजना पूरी होने के बाद मध्य प्रदेश में लगभग 2,45,000 हेक्टेयर क्षेत्र की सिंचाई क्षमता को बढ़ाएगी। इसके साथ ही, यह जबलपुर और कटनी को प्रतिदिन 28.4 करोड़ लीटर घरेलू और औद्योगिक पानी की भी आपूर्ति करेगी। स्लीमानाबाद कैरियर नहर, नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण द्वारा विकसित की जा रही बरगी डायवर्जन परियोजना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। पटेल इंजीनियरिंग का शेयर बीते शुक्रवार को बीएसई पर 29.60 पर बंद हुआ, जिसमें 2.28 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। शेयर का 52-सप्ताह का उच्चतम स्तर 40.57 रुपए और न्यूनतम स्तर 22.08 रुपए है। वित्तीय मोर्चे पर कंपनी ने हाल ही में समाप्त हुई मार्च तिमाही में शानदार प्रदर्शन किया। इस तिमाही में कंपनी का मुनाफा दोगुने से अधिक होकर 71.49 करोड़ रुपए हो गया, जो पिछले साल की समान तिमाही में 32.80 करोड़ रुपए था।

30 की हुईं स्मृति मंधाना

बल्ले से लिख रही हैं भारतीय महिला क्रिकेट की नई कहानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना आज 30 साल की हो गई हैं। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी, शानदार रिकॉर्ड और लगातार बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर उन्होंने भारतीय महिला क्रिकेट को नई पहचान दिलाने में अहम भूमिका निभाई है।

भारतीय महिला क्रिकेट की लोकप्रियता पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ी है। आज महिला टीम के मुकाबलों में स्टेडियम दर्शकों से भरने लगे हैं और टीवी व डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी बड़ी संख्या में लोग मैच देखते हैं। इस बदलाव के पीछे जिन खिलाड़ियों का सबसे बड़ा योगदान माना जाता है, उनमें भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान और स्टार सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना का नाम सबसे आगे आता है। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी, शानदार तकनीक और निरंतर प्रदर्शन के दम पर स्मृति मंधाना ने न केवल भारतीय टीम को कई यादगार जीत दिलाई हैं, बल्कि महिला क्रिकेट को नई पहचान भी दिलाई है। लोकप्रियता के मामले में वह देश के कई पुरुष क्रिकेटरों को भी कड़ी टक्कर देती हैं। मैदान पर अक्सर फैंस के बीच 'मंधाना... मंधाना...' के नारे उनकी बढ़ती लोकप्रियता की गवाही देते हैं।

बचपन से ही क्रिकेट से जुड़ाव

स्मृति मंधाना का जन्म 18 जुलाई 1996 को मुंबई में हुआ था। उनका परिवार पहले से ही क्रिकेट से जुड़ा रहा है। उनके पिता और भाई दोनों क्रिकेट खेल चुके हैं। इसी माहौल ने स्मृति को भी क्रिकेट की ओर प्रेरित किया। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि उनके पिता को बाएं हाथ के बल्लेबाज बेहद पसंद थे, इसलिए उन्होंने भी बाएं हाथ से बल्लेबाजी करना शुरू किया। महज नौ साल की उम्र में उन्हें महाराष्ट्र की अंडर-15 टीम में जगह मिल गई थी, जबकि 11 साल की उम्र में वह राज्य की अंडर-19 टीम का हिस्सा बन गईं।

तीनों फॉर्मेट में शानदार रिकॉर्ड

करीब 13 साल के अंतरराष्ट्रीय करियर में स्मृति मंधाना ने तीनों फॉर्मेट में शानदार प्रदर्शन किया है।
टेस्टः 9 मैच, 788 रन, 2 शतक, 5 अर्धशतक
वनडेः 120 मैच, 5,411 रन, 14 शतक, 35 अर्धशतक
टी20 अंतराष्ट्रीयः 171 मैच, 4,538 रन, 1 शतक, 35 अर्धशतक
उनकी आक्रामक बल्लेबाजी भारतीय टीम को कई महत्वपूर्ण मुकाबलों में जीत दिला चुकी है।

फाइनल में यामागुची को हराया

पीवी सिंधु ने जापान ओपन जीतकर रचा इतिहास

जीतने वाली पहली भारतीय बनी

टोक्यो (एजेंसी)। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने जापान ओपन सुपर-750 बैडमिंटन टूर्नामेंट जीत लिया है। वे यह टूर्नामेंट जीतने वाली पहली भारतीय बनी हैं।31 साल की सिंधु ने रविवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में जापान की अकाने यामागुची को 21-17, 21-17 से हराया। यह मैच 50 मिनट तक चला।

सिंधु 4 साल बाद यामागुची को किसी फुल मैच में हरा सकी हैं। उन्हें पिछली जीत थाईलैंड ओपन में 2022 में मिली थी। पिछले साल मलेशिया ओपन में यामागुची रिटायर हर्ट हो गई थीं।

एस. जयशंकर ने भी दी शुभकामनाएं

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी सिंधु को बधाई देते हुए लिखा, पीवी सिंधु को 2026 जापान ओपन महिला एकल खिताब जीतने वाली पहली भारतीय बनने पर हार्दिक बधाई। हमें आप पर गर्व है।

2019 के बाद पहला बड़ा खिताब जीतीं

सिंधु ने 2 साल बाद कोई खिताब जीता है। उन्होंने 2024 में सैयद मोदी इंटरनेशनल जीता था। वे 2022 में सिंगापुर ओपन सुपर 500 में चैंपियन बनी थीं। यह सिंधु के करियर का पहला सुपर-750 खिताब है। 2019 वर्ल्ड चैंपियनशिप जीतने के बाद यह उनका सबसे बड़ा इंटरनेशनल खिताब है।

सेमीफाइनल में चेन यू फेई चोटिल होकर बाहर हुईं- सेमीफाइनल में चीन की चेन यू फेई हैम्स्ट्रिंग चोट के कारण रिटायर्ड हर्ट हो गईं। उस समय सिंधु 21-19, 15-10 से आगे थीं। इससे पहले सिंधु ने जापान की पूर्व वर्ल्ड चैंपियन नोजोमी ओकुहारा चोट के कारण नहीं उतरीं, जिससे सिंधु को वॉकओवर मिला।इससे पहले दूसरे दौर में सिंधु ने चीन की हान यू को 35 मिनट में 21-16, 21-14 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

पीवी सिंधु की ऐतिहासिक जीत पर पूरा देश गर्व महसूस कर रहा है: राजनाथ सिंह

भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने जापान ओपन 2026 का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने उन्हें बधाई देते हुए देश का गौरव बताया।रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सिंधु की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, पीवी सिंधु को जापान ओपन 2026 महिला एकल खिताब जीतने पर हार्दिक बधाई।

कॉमनवेल्थ गेम्स में चानू और लवलीना होंगी भारत की ध्वजवाहक

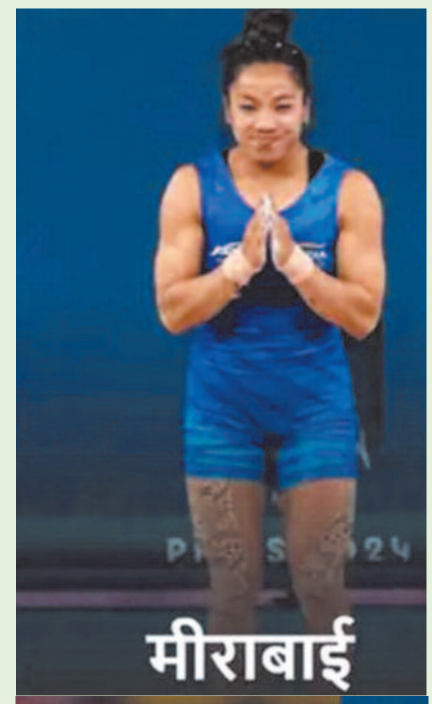

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक मेडलिस्ट मीराबाई चानू और लवलीना बोरगोहेन ग्लासगो में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स के उद्घाटन समारोह में भारत की ध्वजवाहक होंगी। भारतीय ओलंपिक संघ ने शनिवार को इसकी घोषणा की। इस मल्टी-स्पोर्ट इवेंट का उद्घाटन समारोह 23 जुलाई को आयोजित किया जाएगा। आईओए अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा कि दोनों खिलाड़ियों का यह सम्मान मिलना गर्व की बात है। फिलहाल दोनों खिलाड़ी यूनाइटेड किंगडम में ट्रेनिंग कर रही हैं। चानू ने टोक्यो ओलिंपिक में सिल्वर जीता था मीराबाई चानू 8 अगस्त को 32 साल की हो जाएंगी। वे करीब एक दशक से भारत की प्रमुख वेटलिफ्टर हैं। उन्होंने 2021 टोक्यो ओलंपिक में सिल्वर और 2022 बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल जीता था। हालांकि वे 2024 पेरिस ओलंपिक में पदक नहीं जीत सकीं, लेकिन ग्लासगो में वे भारत की बड़ी उम्मीद हैं। लवलीना ने टोक्यो में ब्रॉन्ज जीता था

2022 में सिंधु और मनप्रीत ध्वजवाहक थे

बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 के उद्घाटन समारोह में भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु और पुरुष हॉकी टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह भारतीय दल के ध्वजवाहक थे। वहीं समापन समारोह में विश्व चैंपियन मुक्केबाज निखत जरीन और टेबल टेनिस के दिग्गज शरत कमल ने तिरंगा थामकर भारतीय दल की अगुआई की।

इंग्लैंड ने फुटबॉल वर्ल्ड कप में ब्रॉन्ज जीता

मियामी गार्डन्स (एजेंसी)। इंग्लैंड ने फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 के तीसरे स्थान के मैच में फ्रांस को 6-4 से हराकर ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। इंग्लैंड ने वर्ल्ड कप इतिहास में अपना दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। टीम 1966 में चैंपियन बनी थी।

इंग्लैंड की जीत के हीरो बुकायो साका रहे, जिन्होंने हैट्रिक लगाई। वहीं, फ्रांस के कप्तान किलियन एम्बाप्पे ने दो गोल करके गोल्डन बूट की रेस में मेसी को पीछे छोड़ दिया। उनके 10 गोल हो गए हैं, जबकि मेसी के 8 गोल हैं।

इतना ही नहीं, एमबाप्पे वर्ल्ड कप इतिहास में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बने। उनके नाम अब 22 विश्व कप गोल हो गए हैं, जबकि लियोनेल मेसी के 21 गोल हैं। हालांकि, आज देर रात होने वाले वर्ल्ड कप फाइनल में मेसी के पास वापसी करने का मौका है।

वर्ल्ड कप के तीसरे स्थान के मैच में पहली बार कुल 10 गोल देखने को मिले। यह वर्ल्ड कप 1982 के बाद सबसे ज्यादा गोल वाला मुकाबला रहा। डेक्लान राइस ने इंग्लैंड के लिए फुटबॉल वर्ल्ड कप इतिहास का दूसरा सबसे तेज (2 मिनट 14 सेकेंड) गोल किया।

साका की हैट्रिक, फ्रांस हारा, एम्बाप्पे गोल्डन बूट की रेस में मेसी से आगे, टूर्नामेंट में 10 गोल

रोहित-विराट टीम में परमानेंट नहीं, प्रदर्शन के दम पर ही मिलनी चाहिए जगह

कपिल देव बोले-

नई दिल्ली (एजेंसी)। 1983 वर्ल्ड कप विजेता कप्तान कपिल देव ने कहा कि टीम इंडिया में किसी भी खिलाड़ी की जगह पक्की नहीं होती। उन्होंने कहा कि रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे सीनियर खिलाड़ियों को भी जब तक प्रदर्शन कर रहे हैं, तब तक खेलना चाहिए। साथ ही टीम मैनेजमेंट को भविष्य के लिए नए खिलाड़ियों को भी तैयार रखना चाहिए।

कपिल देव ने कहा कि इंटरनेशनल क्रिकेट में टीम में बने रहने का एकमात्र पैमाना प्रदर्शन है। उन्होंने रोहित और विराट के अनुभव की तारीफ करते हुए कहा कि जब तक वे टीम के लिए रन बना रहे हैं और मैच जिता रहे हैं, तब तक उन्हें खेलने का मौका मिलना चाहिए। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि अगर कोई सीनियर खिलाड़ी फॉर्म से बाहर होता है, तो टीम के पास मजबूत बैकअप तैयार होना चाहिए।रोहित शर्मा और विराट कोहली 2024 टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद टी-20 इंटरनेशनल से संन्यास ले चुके हैं। फिलहाल दोनों वनडे और टेस्ट क्रिकेट में भारत के लिए खेल रहे हैं।

संन्यास की अफवाहों के बीच बेफिक्र दिखे रोहित

लॉर्ड्स की बॉलकनी में गंभीर के साथ हंसी-मजाक करते आए नजर

गौतम गंभीर के साथ हंसी-मजाक का वीडियो वायरल

लॉर्ड्स में अभ्यास सत्र से पहले भारतीय टीम के खिलाड़ी और सपोर्ट स्टाफ बालकनी में मौजूद थे। इसी दौरान मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कुछ मजाकिया इशारे किए, जिन्हें देखकर रोहित शर्मा अपनी हंसी नहीं रोक पाए। उनके साथ मौजूद सपोर्ट स्टाफ के सदस्य भी ठहाके लगाते नजर आए। यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और फैंस इसे काफी पसंद कर रहे हैं।

संन्यास की अफवाहों ने पकड़ा था जोर

दूसरे वनडे के दौरान सोशल मीडिया पर ऐसी खबरें सामने आई थीं कि लॉर्ड्स में खेला जाने वाला तीसरा वनडे रोहित शर्मा के करियर का आखिरी वनडे हो सकता है। हालांकि, इन अटकलों पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने विराम लगा दिया। सैकिया ने स्पष्ट किया कि रोहित शर्मा के संन्यास को लेकर चल रही खबरों में कोई सच्चाई नहीं है। उन्होंने कहा कि जब तक चयनकर्ताओं की योजनाओं में रोहित शामिल हैं, तब तक वह भारतीय टीम के लिए

लंदन (एजेंसी)। संन्यास की अटकलों के बीच रोहित शर्मा के लॉर्ड्स से दो वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। एक वीडियो में वह गौतम गंभीर के साथ हंसी-मजाक करते दिखे, जबकि दूसरे में उन्होंने कहा, 'बाहर क्या चल रहा है, उससे हमको क्या', जिससे उन्होंने बाहरी चर्चाओं को तवज्जो न देने का संदेश दिया। भारत और इंग्लैंड के बीच लॉर्ड्स में खेले जाने वाले तीसरे और निर्णायक वनडे से पहले टीम इंडिया के अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा एक बार फिर चर्चा का केंद्र बन गए हैं। एक ओर उनके वनडे भविष्य को लेकर संन्यास की अटकलें तेज हैं, तो दूसरी ओर सोशल मीडिया पर उनके दो वीडियो तेजी से वायरल हो रहे हैं। पहले वीडियो में रोहित शर्मा टीम इंडिया के मुख्य कोच गौतम गंभीर के साथ हंसी-मजाक करते नजर आ रहे हैं, जबकि दूसरे वीडियो में उन्होंने अपने अंदाज में साफ कर दिया कि बाहरी चर्चाओं से उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता।

चयनकर्ताओं के बीच हुई थी चर्चा-रिपोर्ट्स के मुताबिक, रोहित शर्मा के भविष्य को लेकर चयनकर्ताओं के बीच चर्चा जरूर हुई थी और टीम इंडिया के मुख्य कोच गौतम गंभीर को भी इस पूरी प्रक्रिया की जानकारी थी।

भारत और इंग्लैंड तीसरे वनडे में काली पट्टी बांधकर उतरे खिलाड़ी

महान क्रिकेटर सोबर्स को दी श्रद्धांजलि

लंदन (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने रविवार को लॉर्ड्स में वेस्टइंडीज के महान क्रिकेटर सर गारफील्ड सोबर्स की याद में काली पट्टी बांधी। 89 साल की उम्र में उनका निधन हो गया था। वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान और अब तक के सबसे महान क्रिकेटरों में से एक सोबर्स ने शुक्रवार को आखिरी सांस ली। वे अपने 90वें जन्मदिन से 11 दिन दूर थे। भारतीय टीम मैनेजमेंट ने एक पोस्ट में कहा, %टीम इंडिया वेस्टइंडीज के दिग्गज सर गारफील्ड सोबर्स को श्रद्धांजलि देने के लिए काली पट्टी बांध रही है, जिनका शुक्रवार को निधन हो गया। यहां भारत और इंग्लैंड के बीच सीरीज का फैसला करने वाले तीसरे वनडे मैच की शुरुआत से पहले क्रिकेट के मक्का (लॉर्ड्स) में एक मिनट का मौन रखा गया। भीड़ और खिलाड़ियों ने एक साथ खड़े होकर सोबर्स को श्रद्धांजलि दी। भारत के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने खेल की शुरुआत के लिए घंटी बजाई। इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया। इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने टॉस जीतने के बाद कहा, आज हम पहले बैटिंग करेंगे। पिच अच्छी लग रही है। साकिब महमूद की जगह टंग टीम में वापस आ रहे हैं। रूट ने जिस तरह से बैटिंग की, उससे एक बढ़िया मिसाल कायम हुई है। उम्मीद है कि हम हालात को जल्दी समझ लेंगे। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने टॉस के बाद कहा,हम बॉलिंग करते।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर करेंगे। शुभांक-2-5-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा)
सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधनों में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। आलस्य का त्याग करे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-1-4-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभांक-2-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। शुभांक-3-5-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि व अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। आगे से रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिलेगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
समाज में मान-सम्मान मिलेगा। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-1-3-5

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें। संतान की उन्नति के योग हैं। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रही अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। शुभांक-1-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
सुख-आनंददायी समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य के लिए समय अच्छा रहेगा। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-1-3-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

काकुरो पहेली - 3953

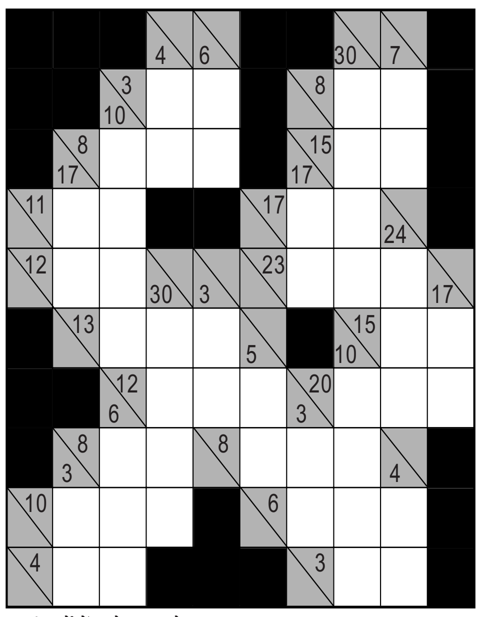

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

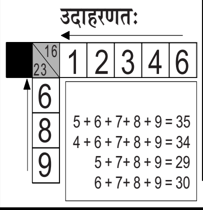

5 + 6 + 7 + 8 + 9 = 35
4 + 6 + 7 + 8 + 9 = 34
5 + 7 + 8 + 9 = 29
6 + 7 + 8 + 9 = 30

काकुरो - 3952 का हल

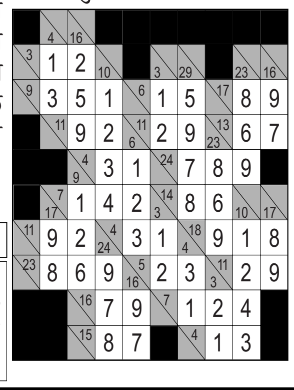

लॉफिंग ज़ोन

प्रेमिका (प्रेमी से)– नरेश, आप जुआ मत खेला करो, जुएँ में अगर आदमी एक दिन जीतता है तो दूसरे दिन हारता भी है।

नरेश– तो ठीक है! तुम्हें घबराने की कोई जरूरत नहीं। आज से मैं एक दिन छोड़कर जुआ खेला करूँगा!

□ □ □

एक रईसजादी ने दो घोड़े खरीदे। उन दोनों घोड़ों की अलग-अलग पहचान के लिए अंतर कैसे रखा जाए, इस बाबद उसने अपने पड़ोसी से पूछा। पड़ोसी ने सुझाया कि एक घोड़े की पूँछ काट दो।

उसने पूँछ काट दी, लेकिन दूसरे दिन दूसरे घोड़े की पूँछ एक झाड़ी में फँस गई और काटनी पड़ी। अब दोनों घोड़े पूँछ कटे हो गए थे। फिर पहचान की समस्या आ खड़ी हुई। उसने फिर पड़ोसी से राय ली।

पड़ोसी ने कहा कि एक घोड़े का एक कान काट दो, लेकिन दूसरे दिन दूसरे घोड़े का कान खेत के चारों तरफ लगी तार फेंसिंग में उलझ कर कट गया।

उसने सुझाया कि उनकी ऊँचाई नाप लो। रईसजादी ने घोड़ों की ऊँचाई नापकर पड़ोसी को बताई– 'सफेद घोड़ा काले घोड़े से दो इंच ऊँचा है।'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3953

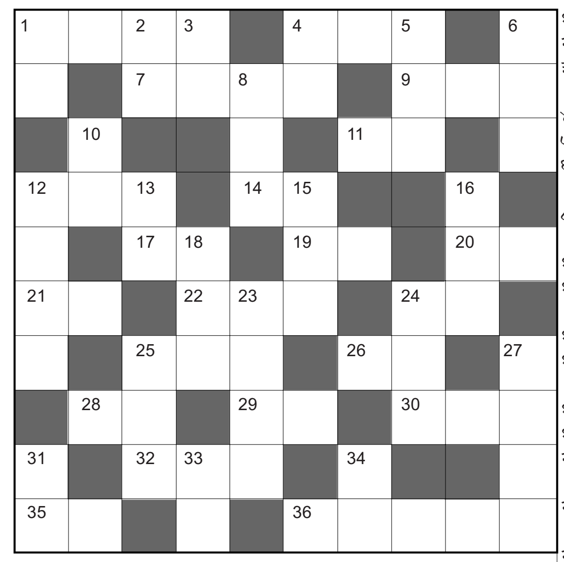

बायें से दायें:-

१. 'इश्क कभी करियो' गीत वाली फिल्म-४
४. 'किस कारण नैया डोली' गीतवाली सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
७. मिथुन, रंभा, वैष्णवी की 'कारी कजरारी कंवारी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'मैं एक प्यासी' गीत वाली सनी, संजय, धर्मेन्द्र, रवीना, दिव्या की फिल्म-३
११. विनोद खन्ना, शबाना आजमी की अरूणा विकास निर्देशित फिल्म-२
१२. 'जब दिल चुराये कोई' गीत वाली दिनो मोरिया, बिपाशा की फिल्म-३
१४. अनिलकपूर, अक्षय, ऐश्वर्या की 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली अर्जुन रामपाल, जायेद, अमीषा की फिल्म-२
१९. सलमान खान, शिल्पा की 'फरियाद क्या करें हम' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'प्यार काहे बनाया' गीत वाली विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-२
२१. 'प्रहार' में डिम्पल का नायक कौन-२
२२. जैकी श्रॉफ, मनीषा कोइराला की 'एक बात बताऊं' गीतवाली फिल्म-३
२४. लक्की अली, गौरी की एक फिल्म-२
२५. फिल्म 'बड़े दिलवाला' में प्रिया गिल के साथ नायक-३
२६. संजयकपूर, माधुरी की 'तूने अगर प्यार से देखा' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'जूली' में प्रियांशु की नायिका-२
२९. जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'मेरे चेहरे पे लिखा है' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
३२. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
३५. 'राज की बात कह दूं तो' गीत वाली नवीननिश्चल, प्राण, रेखा की फिल्म-२
३६. मिथुन, मधु की तू चीज बड़ी है सख्त सख्त' गीत वाली फिल्म-५

ऊपर से नीचे:-

१. संजीवकुमार, विद्या सिन्हा की फिल्म-२
२. 'एक मैं हूं एक तू है' गीत वाली फिल्म-२
३. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
४. सनी, शाहरूख खान, जूही चावला फिल्म-२
५. 'तन्हा तन्हा दिल अपना' गीत वाली फिल्म-३
६. तुषार कपूर, अंतरा माली की 'मैं लव तुम से' गीत वाली फिल्म-३
८. 'चूड़े वाली छमिया मिला' गीत वाली सनी देओल, जयाप्रदा की फिल्म-३
१०. फिल्म 'विश्वनाथ' में नायिका कौन थी?-२
१२. मनोजकुमार, नंदा की 'जाने चमन शोला बदन' गीत वाली फिल्म-४
१३. इमरान, शाहबाज, तब्बू की फिल्म-२
१५. परीक्षित साहनी, नूतन की 'एक छोरा है गोरा' गीत वाली फिल्म-३
१६. आफताब, लिसा रे की फिल्म-३
१८. 'बिन साजन झूला झूलू' गीत वाली फिल्म-३
२३. राजेंद्रकुमार, धर्मेन्द्र, मालासिन्हा की 'बोल मेरे साथिया' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'जलते हैं जिसके लिये' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
२५. अक्षय, अजय, करिश्मा, नगमा की 'तेरे लिए जानम' गीत वाली फिल्म-३
२७. अक्षय कुमार, करीना, प्रियंका की फिल्म-४
३१. 'कहाँ गये ममता भरेदिन' गीतवाली फिल्म-२
३३. 'बाबूजी जरा धीरे चलो' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया की फिल्म-२
३४. अमिताभ, ओमपुरी, फरदीन, करीना की 'जब नही' गीत वाली फिल्म-२

९५३फिल्म वर्ग पहेली- 3885

सूडोकु -3953

6					7			
		8	2				7	5
	4			3				6
	7	1			2		5	
8				4				3
	2		8			9	6	
2				8			3	
4	3				9	8		
			3					9

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3952 का हल

7	4	6	9	1	5	8	3	2
1	5	2	8	3	7	4	6	9
9	3	8	2	6	4	7	1	5
8	6	4	7	9	1	5	2	3
5	2	7	3	4	6	9	8	1
3	9	1	5	8	2	6	7	4
2	7	9	1	5	8	3	4	6
6	1	5	4	7	3	2	9	8
4	8	3	6	2	9	1	5	7

शब्द पहेली - 3953

बाएँ से दाएँ

1.महर्षि वेदव्यास द्वारा रचित महाकाव्य-5
4.आज्ञापत्र, पतंगा-4
7.शरीर, बदन-2
8.होशियार, हुनरमंद-3
9.नस, नाड़ी-2
10.तीर रखने का पात्र-4
11.गधा, गर्दभ-2
13.जो बंदी हो-3
14.पत्नी, भार्या-2
15.दृष्टि, निगाह-3
17.खैरात, दक्षिणा-2
19.अपने ही घर में कैद होना-5
22.भाग्यवाला-5
25.जी, इच्छा-2
26.तन, काया-3
28.दुनिया, संसार-2
29.वेतन-3
30.भीगा हुआ-2
32.सागौन, एक प्रकार की मूल्यवान लकड़ी-4
34.परिणाम,हल,फ्रूट-2
36.सचेग-3
37.राजकपूर,नरगिस की फिल्म-2
38.चाणक्य के समय मगध की राजधानी-4
39.निरस्त करना-2,3

ऊपर से नीचे

1.आमिर,मनीषा कोइराला की फिल्म-2
2.रवि, सूर्य-3
3.तमाशा देखनेवाले-5
4.परीक्षण,जांच-3
5.सप्ताह का दिन-2
6.जो नापसंद हो (उर्दू-4)
7.गोविंदा व खुशबू की फिल्म-2,3
10.भाग्य,किस्मत-4
12.क्रिकेट में बनते हैं-2
16.नसीरुद्दीन शाह की एक फिल्म -3
17.खुजली-2
18.रस्सी पर अपराधी को लटकाना-2
20.आवश्यक-3
21.कैदी, बंधक-2
22.इसाई साध्वी-2
23.बालकपन-4
24.असावधान-5
25.महासमुद्र-5
26.सज्जनता, भद्रता-4
27.अभिषेक की फिल्म-2
31.मुद्दा (उर्दू-3)
33.वाचन करनेवाला-3
35.उद्देश्य-2
37.आगमन,आने का भाव-2

शब्द पहेली -3952 का हल

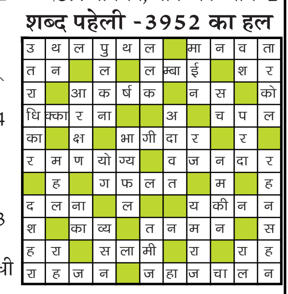

मच्छरों को भगाने के लिए ट्राई करें ये 6 घरेलू उपाय

जिन लोगों को मच्छर ज्यादा काटते हैं, वो लोग जानते हैं कि मच्छरों का आंतक छोटा नहीं होता। नींद खराब करने के अलावा मच्छर डेंगू, मलेरिया जैसी कई जानलेवा बीमारियां दे सकते हैं। ऐसे में घर में मच्छर भगाने के लिए कई डिवाइस, कॉयल पर पैसे फूंकने पड़ते हैं। वहीं, यह चीजें स्वास्थ्य के लिहाज से सही नहीं हैं। ऐसे में अगर आप मच्छर भगाने का घरेलू इलाज करना चाहते हैं, तो इन उपायों को अपना सकते हैं-

तेजपत्ता

सबसे पहले नीम के तेल में कपूर मिलाकर एक स्प्रे बॉटल में भर लें। अब इस मिश्रण का तेजपत्तों पर स्प्रे करें और तेजपत्ते को जला लें। तेजपत्ते का धुआं सेहत के लिए किसी भी प्रकार से हानिकारक नहीं है। इस धुंए के असर से आश्चर्यजनक रूप से घर के सभी मच्छर भाग जाएंगे।

अजवाइन और सरसों का तेल

सरसों के तेल में अजवाइन पाउडर मिलाकर इससे गत्ते के टुकड़ों को तर कर लें और कमरे में ऊंचाई पर रख दें। मच्छर पास भी नहीं आएंगे।

नीम के तेल का दीपक जलाएं

सोते समय कुछ दूरी पर, सिरहाने कपूर मिले नीम के तेल का दीपक जलाएं, इससे मच्छर आपके पास नहीं फटकेंगे।

नारियल तेल के साथ ये तेल भी करेंगे कमाल

नारियल तेल, नीम तेल, लौंग का तेल, पिपरमिंट तेल और नीलगिरी के तेल को आपस में समान मात्रा में मिलाएं और एक बॉटल में भरकर रख लें। रात में सोते समय त्वचा पर लगाएं और निश्चिंत होकर सो जाएं। यह तरीका बाजार की क्रीम से भी ज्यादा प्रभावशाली है।

पुदीना के पत्तों के रस का छिड़काव करें

पुदीने के पत्तों के रस का छिड़ाव करने से मच्छर दूर भागते हैं। इसे शरीर पर भी लगाया जा सकता है।

तुलसी के पत्तों का रस लगाएं

शरीर पर तुलसी के पत्तों का रस लगाने से मच्छर नहीं काटते हैं। आमतौर पर घरों में लगा तुलसी का पौधा मच्छरों को दूर रखता है।

शिमला मिर्च गुजिया

सामग्री

- मैदा: 500 ग्राम ■ सूजी: 200 ग्राम ■ घी: मोयन के लिए।

भरावन के लिए

- शिमला मिर्च: 1/2किलो ■ आलू: 1/2किलो ■ बारीक कटा अदरक: 1 बड़ा चम्मच ■ बारीक कटी हरी मिर्च: 1 बड़ा चम्मच ■ जीरा: 1 चम्मच ■ चुटकीभर हींग ■ नमक: स्वाद के अनुसार ■ अमचूर: 1/2 चम्मच ■ गरम मसाला: 1/2चम्मच ■ पिसी धनिया: 1 चम्मच ■ बारीक कटा हरा धनिया: 1/2कप ■ तलने के लिए तेल।

विधि

मैदा-सूजी को मिला लें। चाहें तो हल्का-सा नमक भी डाल लें। मोयन डालकर मसलें। आवश्यकता के अनुसार पानी डालकर कड़ा आटा गूंथ लें। आलू और शिमला मिर्च को बारीक-बारीक काट लें। कड़ाही में 1 चम्मच तेल डालकर जीरा डालें। जीरा चटकने पर हींग, अदरक, आलू, शिमला मिर्च एवं नमक डालें। अच्छी तरह चलाकर ढक दें और धीमी आंच पर पकने दें। जब आलू गल जाएं तब शेष मसाले मिलाकर 1-2 मिनट और भूनें। भरावन सामग्री तैयार है। अब गुंथे हुए आटे की छोटी-छोटी पेड़ियां बनाएं। प्रत्येक पेड़ी को पतला गोल बेलें। भरावन सामग्री भरकर दोहरा मोड़ें। गुझिया के सांचे में रखकर दबाएं, जिससे किनारी बन जाए। बचे हुए मैदे को हटा दें। कड़ाही में तेल गर्म करें। धीमी आंच पर सुनहरी होने तक गुझिया तलें। चटनी के साथ गरम-गरम कैप्सिकम गुझिया सर्व करें।

मटर चाट

सामग्री

- मटर: 250 ग्राम ■ प्याज : 2 बारीक कटा ■ टमाटर: 2 बारीक कटे ■ हरी मिर्च: 2-3 बारीक कटी ■ अदरक: 1 इंच टुकड़ा कद्दूकस किया हुआ ■ हल्दी पाउडर: 1 चम्मच ■ चाट मसाला: 1 चम्मच ■ जीरा पाउडर: 2 चम्मच ■ लाल मिर्च पाउडर: 1/2 चम्मच ■ नमक: स्वाद के अनुसार ■ इमली का रस: 2 चम्मच ■ दही: 4 चम्मच ■ सेव भुजिया: 100 ग्राम ■ हरी धनिया बारीक कटी

विधि

मटर को कुकर में 2 सीटी आने तक उबाल लें। अब एक बाउल में मटर डालें। जितने लोगों के लिए चाट बनाना है, उतने प्लेट में 4 से 5 चम्मच मटर डालें। इसके ऊपर कटा प्याज, टमाटर, हरी मिर्च, कद्दूकस किया अदरक, चाट मसाला, लाल मिर्च पाउडर, भूना जीरा पाउडर और स्वाद के अनुसार नमक डाल लें। इसके ऊपर सेव भुजिया या कोई भी नमकीन डाल सकती हैं। इमली की चटनी इसका स्वाद बढ़ाने के लिए डालें। अब बस ऊपर से कटी हरी धनिया डालकर गरमा-गरम सर्व करें।

RATE TARIFF

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	-	50%	Island Position	-	50%	Strip Advt.	-	15%
Front Page (Solus)	-	75%	Right Hand Page	-	10%	Political Advt.	-	50%
Back Page	-	25%	Top of AD Column	-	15%	Pull Outs	-	50%
Page Three	-	20%	Any Other Spl. Position	-	10%	Discount as per deal		

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

हॉलीवुड फिल्म 'हॉलीगार्ड्स सागा- द पोर्टल ऑफ फोर्स' में नजर आएंगी दिशा पाटनी

प्रियंका चोपड़ा, दीपिका पादुकोण और तब्बू जैसी अदाकाराओं के बाद अब दिशा पाटनी ने भी हॉलीवुड में कदम बढ़ा दिए हैं। वे ऑस्कर विजेता निर्देशक केविन स्पेसी की सुपरनैचुरल थ्रिलर फिल्म 'हॉलीगार्ड्स सागा- द पोर्टल ऑफ फोर्स' में नजर आएंगी। इस फिल्म के जरिए वे इंटरनेशनल स्तर पर अपनी पहचान बनाने को तैयार हैं। हाल ही में दिशा ने स्पेसी के साथ शूटिंग के अनुभव साझा किए। फिल्म 'हॉलीगार्ड्स सागा' में दिशा के साथ डॉल्फ लुंडग्रेन, टायरेस गिब्सन, ब्रायना हिल्डेब्रांड और एरिक रॉबर्ट्स जैसे बड़े ग्लोबल स्टार्स अहम भूमिकाओं में हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में दिशा ने हॉलीवुड में सफल होने के लिए जरूरी चीजों के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एक्टर्स सिर्फ भारत में बैठकर इंटरनेशनल ऑडिशन, टैलेंट रिप्रेजेंटेशन और वीजा से जुड़ी मुश्किल प्रक्रियाओं को समझे बिना ग्लोबल रोल पाने की उम्मीद नहीं कर सकते।

केविन स्पेसी की तारीफ में कहा?

दिशा पाटनी ने वैरायटी इंडिया से बात करते हुए कहा, 'वे (केविन स्पेसी) कमाल के हैं। एक एक्टर होने के नाते, वे अपने एक्टर्स को समझते हैं। एक्सपेरिमेंट करने के लिए काफी आजादी देते हैं। वे हमसे कहते थे कि हम अपने अनुभवों का इस्तेमाल करें। वह हमें ऐसे सवाल सोचने के लिए प्रोत्साहित करते थे, जैसे- 'आप ऐसी स्थिति में कैसा रिएक्ट करेंगे?' 'क्या आप रोएंगे?' 'आप कैसा महसूस करेंगे?' 'आप अपनी भावनाएं कैसे जाहिर करेंगे?' हर सुबह, वे हमारे साथ बैठते थे और हमें सीन समझाते थे। मुझे यह बात बहुत खास लगी। मुझे नहीं लगता कि मैंने पहले किसी क्रिएटर के साथ ऐसा किया है।

अपने हॉलीवुड सफर पर बोलीं

एक्ट्रेस ने हॉलीवुड डेब्यू और ऑडिशन को लेकर कहा, 'पश्चिम में ऑडिशन टेम्पलेट पर बहुत जोर दिया जाता है। आपको चीजों के लिए ऑडिशन देना होता है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि आपके लिए वह कितना आसान है और आपने किसके साथ साइन किया है। किस्मत भी इसमें भूमिका निभाती है। कभी-कभी, वे बस आपका काम देखते हैं और आपको प्रोजेक्ट और ऑडिशन ऑफर करते हैं। यह वीजा और दूसरी लॉजिस्टिकल चीजों पर भी निर्भर करता है। यह सब बहुत टेक्निकल है। आखिरकार, यह एक अलग देश है। लेकिन आपको वहां मौजूद रहना होगा। आप यहां भारत में बैठकर वहां रोल नहीं पा सकते। आप यहां से ऑडिशन दे सकते हैं, लेकिन सबसे अच्छा यही है कि आप वहां जाएं, कुछ समय के लिए रहें और उस पर काम करें। किसी भी देश के साथ ऐसा ही होता है'।

फिल्म 'रूपा' से कमबैक करेंगे गोविंदा, शेयर किया लकी नंबर का दिलचस्प किस्सा

1990 के दशक में अपनी शानदार कॉमिक टाइमिंग, दमदार डांस और अभिनय के लिए पहचाने जाने वाले एक्टर गोविंदा लंबे समय से फिल्मों से दूर थे। वह अब फिल्म 'रूपा' के जरिए वापसी करने के लिए तैयार हैं। अभिनेता ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि शायद उनकी किस्मत में यही लिखा था कि फिल्म इंडस्ट्री ने उन्हें नजरअंदाज कर दिया, ताकि वह पहले से ज्यादा मजबूती के साथ वापसी कर सकें। उन्होंने कहा कि शायद मेरी किस्मत में कई बार लोगों द्वारा नकारा जाना ही लिखा था। लोगों ने कहा कि अब यह फिल्मों में नजर नहीं आएगा, लेकिन मैं हर बार फिर से शुरुआत करता हूं। मैं भगवान से प्रार्थना करता हूं कि जो मैंने सोचा है और जिसकी लोग कल्पना भी नहीं कर सकते, वह इस फिल्म के जरिए सच हो जाए। यह फिल्म खास तौर पर युवाओं के लिए है। जब वे इसे सिनेमाघरों में देखेंगे, तो उनके सपनों को नई उड़ान मिलेगी। यह सब संभव है। मैं इस पर आध्यात्मिक बातें नहीं करना चाहता। एक्टर गोविंदा ने यह भी बताया कि वह अंक ज्योतिष (न्यूमरोलॉजी) में बहुत यकीन रखते हैं। 14 नंबर मेरा लकी नंबर है। मेरा नाम भी अंक ज्योतिष के हिसाब से ही रखा गया है। मैंने बहुत कम उम्र में ही इसमें यकीन करना शुरू कर दिया था। मैं 14 साल का था। मुझ पर भगवान की कृपा थी। मैंने एक हफ्ते में 14 फिल्में साइन की थीं। फिर मैंने 14 साल तक सुपर-स्टारडम देखा। फिर मैं 14वीं लोकसभा में सांसद बना। मैंने 14 साल तक संघर्ष किया और फिर मैं फिल्मों में वापस आया। यह पहली बार है जब मैं 5 साल से ज्यादा इंतजार नहीं कर सका। मैं फिर से शुरुआत करूंगा और अब मुझे उम्मीद है कि सफर यहीं से शुरू हुआ है। गोविंदा ने कहा कि जब मैं गांव में कहता था कि मैं हीरो बनूंगा, तो लोग मुझ पर हंसते थे। वे कहते थे, 'तुम न तो सिगरेट पीते हो, न शराब पीते हो, न नॉन-वेज खाते हो, न लहसुन-प्याज खाते हो। तुम हीरो कैसे बन सकते हो। गोविंदा ने कहा कि लोग कहते थे कि अगर तुम डर के मारे भागोगे, तो साधु बन जाओगे लेकिन ऐसा नहीं हुआ। मैंने वही किया जो मेरी मां ने सोचा था। अब मुझे लगता है कि यह फिल्म बच्चों के लिए बहुत जरूरी है। ऐसी फिल्में बननी चाहिए। और बच्चों को आगे बढ़ना चाहिए।

ऋतिक रोशन ने पूरी की 'जेलर 2' में कैमियो की शूटिंग

रजनीकांत इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'जेलर 2' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म की अभी शूटिंग हो रही है। बताया जाता है कि बॉलीवुड स्टार ऋतिक रोशन इस फिल्म में कैमियो करने वाले हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ऋतिक रोशन ने फिल्म में अपने कैमियो की शूटिंग पूरी कर ली है। एक्स पर ओम नाम के एक वैरिफाइड यूजर ने एक तस्वीर शेयर की है। इसमें रजनीकांत और ऋतिक रोशन एक साथ नजर आ रहे हैं। नेल्सन दिलीप कुमार ने 'जेलर 2' में ऋतिक रोशन के लिए शानदार किरदार तैयार किया है। उनका एक दमदार सीक्वेंस है। इसके बाद रजनीकांत के साथ एक सीन है। यह एक दमदार कैमियो है, जिसे दर्शकों से तारीफ बटोरने के लिए डिजाइन किया गया है। उनका कैमियो फिल्म के एक अहम मोड़ पर आता है और कहानी को आगे बढ़ाने में बड़ी भूमिका निभाता है। 'जेलर 2', रजनीकांत की ब्लॉकबस्टर एक्शन एंटरटेनर फिल्म 'जेलर' का सीक्वल है।

हिंदी-साउथ के बाद अब पंजाबी सिनेमा में डेब्यू करेंगे नवाजुद्दीन सिद्दीकी

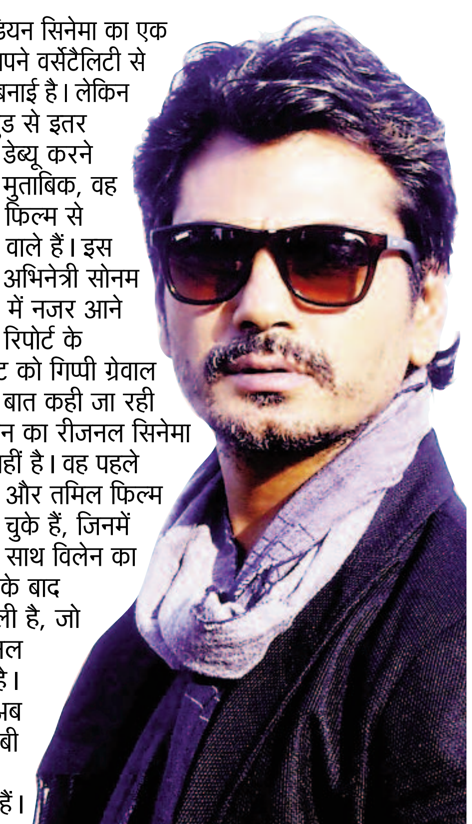

नवाजुद्दीन सिद्दीकी इंडियन सिनेमा का एक बड़ा नाम हैं। उन्होंने अपने वर्सेटैलिटी से अपनी अलग पहचान बनाई है। लेकिन अब नवाजुद्दीन बॉलीवुड से इतर पंजाबी इंडस्ट्री में भी डेब्यू करने जा रहे हैं। खबरों के मुताबिक, वह पंजाबी भाषा की एक फिल्म से इंडस्ट्री में डेब्यू करने वाले हैं। इस फिल्म में उनके साथ अभिनेत्री सोनम बाजवा के प्रमुख रूप में नजर आने की संभावना है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस प्रोजेक्ट को गिप्पी ग्रेवाल का सपोर्ट मिलने की बात कही जा रही है। हालांकि, नवाजुद्दीन का रीजनल सिनेमा में यह पहला कदम नहीं है। वह पहले तेलुगु फिल्म 'सैंधव' और तमिल फिल्म 'पेट्टा' का हिस्सा रह चुके हैं, जिनमें उन्होंने रजनीकांत के साथ विलेन का रोल निभाया था। इसके बाद 'तुम्बाड 2' आने वाली है, जो 2018 की ओरिजिनल फिल्म का सीक्वल है। रिपोर्ट की मानें तो अब नवाज जल्द ही पंजाबी सिनेमा में अपनी शुरुआत करने वाले हैं। हालांकि, अभी तक इसको लेकर ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं हुई है।

निक को ज्यादा पता हैं बॉलीवुड के राज

बॉलीवुड और हॉलीवुड फिल्मों से सभी का दिल जीत चुकीं प्रियंका चोपड़ा ने हाल ही में एक मजेदार खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि उनके पति और अमेरिकी सिंगर निक जोनस को बॉलीवुड की गपशप में काफी दिलचस्पी है। जोनस ब्रदर्स के एक पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान प्रियंका ने बताया कि निक उनके लिए बॉलीवुड की खबरों का सबसे भरोसेमंद जरिया बन चुके हैं। प्रियंका के मुताबिक, बॉलीवुड में किसका क्या चल रहा है, इसकी जानकारी निक को उनसे भी ज्यादा रहती है।

प्रियंका ने सुनाया एक दिलचस्प किस्सा

इस दौरान प्रियंका ने एक मजेदार किस्सा सुनाते हुए बताया, 'कभी-कभी जब मैं किसी सेलिब्रिटी को मैसेज करके कहती हूं कि 'अपने पार्टनर को मेरा प्यार देना', तो निक मुझे टोकते हैं और कहते हैं कि 'नहीं, उन दोनों का तो ब्रेकअप हो चुका है।' तब मुझे सच पता चलता है।' जब निक के भाई केविन ने उनसे पूछा कि उन्हें ये सब कैसे पता चलता है, तो निक ने हंसते हुए कहा कि वह चुपके से सोशल मीडिया पर कुछ बॉलीवुड गॉसिप पेजों को फॉलो करते हैं, लेकिन वह उन पेजों का नाम नहीं बताएंगे। निक का मानना है कि बॉलीवुड सेलिब्रिटीज की कहानियां लगातार बदलती रहती हैं, इसलिए उन्हें पढ़ना काफी दिलचस्प लगता है।

प्रियंका और निक की जोड़ी

प्रियंका और निक की लव स्टोरी साल 2016 में सोशल मीडिया पर एक मैसेज से शुरू हुई थी। इसके बाद 2017 में दोनों पहली बार 'मेट गाला' इवेंट में एक साथ नजर आए। 2018 में दोनों ने डेटिंग शुरू की और इसी साल हिंदू और ईसाई रीति-रिवाजों से बेहद धूमधाम से शादी कर ली। 2022 जनवरी में उनके घर एक प्यारी बेटी का जन्म हुआ, जिसका नाम उन्होंने मालती मैरी चोपड़ा जोनस रखा है।

एक कलाकार को रियल में अपने किरदार जैसा बनने की जरूरत नहीं

बॉलीवुड के अनुभवी एक्टर अन्नू कपूर का कहना है कि किसी कलाकार की निजी सोच और उसके निभाए गए किरदार को कभी एक जैसा नहीं समझना चाहिए। उनकी आने वाली कॉमेडी-ड्रामा फिल्म 'उत्तर दा पुत्तर' में वह एक ऐसे फिजिक्स प्रोफेसर का रोल निभा रहे हैं, जिसे वास्तु शास्त्र पर पूरा भरोसा होता है। दिलचस्प बात यह है कि असल जिंदगी में उनकी सोच इस किरदार से बिल्कुल अलग है। अन्नू कपूर कहते हैं, 'मैं खुद नास्तिक हूं, लेकिन इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं कि मैं किसी धर्म या किसी की आस्था का सम्मान नहीं करता।

जब निर्माता संदीप कपूर ने मुझे इस किरदार के बारे में बताया तो मैंने बिना देर किए हां कह दी। एक एक्टर होने के नाते मुझे ऐसे रोल करना सबसे ज्यादा पसंद है, जो मेरी असली जिंदगी से बिल्कुल अलग हों।'

पर्सनल दिलचस्पी को उनकी एक्टिंग से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए

उन्होंने आगे कहा कि उन्होंने हस्तरेखा और ज्योतिष जैसी चीजों पर कई किताबें पढ़ी हैं, लेकिन सिर्फ अपनी जिज्ञासा और जानकारी बढ़ाने के लिए। उनका मानना है कि उनकी पर्सनल दिलचस्पी को उनकी एक्टिंग से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए।

मैंने कभी किसी धर्म या किसी की आस्था का मजाक नहीं उड़ाया

अन्नू कपूर का कहना है कि कई बार उनके बयानों को गलत तरीके से पेश किया जाता है, जिससे बेवजह विवाद खड़े हो जाते हैं। उन्होंने साफ कहा, 'मैंने कभी किसी धर्म या किसी की आस्था का मजाक नहीं उड़ाया। मेरा इरादा कभी किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का नहीं रहा। हर इंसान को अपनी सोच और विश्वास रखने का पूरा अधिकार है और मैं उसका सम्मान करता हूं।' एक्टर के मुताबिक, असली जिंदगी और पर्दे पर निभाए गए किरदार के बीच फर्क होना ही एक्टिंग की सबसे बड़ी खूबसूरती है। उन्होंने कहा, 'एक कलाकार को असल जिंदगी में अपने किरदार जैसा बनने की जरूरत नहीं होती। उसकी जिम्मेदारी सिर्फ इतनी होती है कि वह अपनी एक्टिंग से दर्शकों को उस किरदार पर भरोसा दिला सके।' अपनी फिल्म 'उत्तर दा पुत्तर' के बारे में बात करते हुए अन्नू कपूर ने कहा कि यह फिल्म दर्शकों को खूब हंसाएगी और साथ ही एक अच्छा संदेश भी देगी। उन्होंने लोगों से फिल्म का ट्रेलर आखिर तक देखने की अपील की। उनके मुताबिक, जब फिल्म में उनकी पत्नी उनसे कहती है, 'इस वास्तु के चक्कर में तुम डरपोक हो गए हो,' तो यही एक संवाद पूरी कहानी का सार बता देता है।

रविंदर सिवाच के निर्देशन में बनी 'उत्तर दा पुत्तर'

रविंदर सिवाच के निर्देशन में बनी 'उत्तर दा पुत्तर' में अन्नू कपूर के साथ रुखसार रहमान, बृजेंद्र काला, पवन मल्होत्रा, इश्तियाक खान, जीवेशु अहलूवालिया, राजेंद्र सेठी, सुमित गुलाटी और नितिन अरोड़ा भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

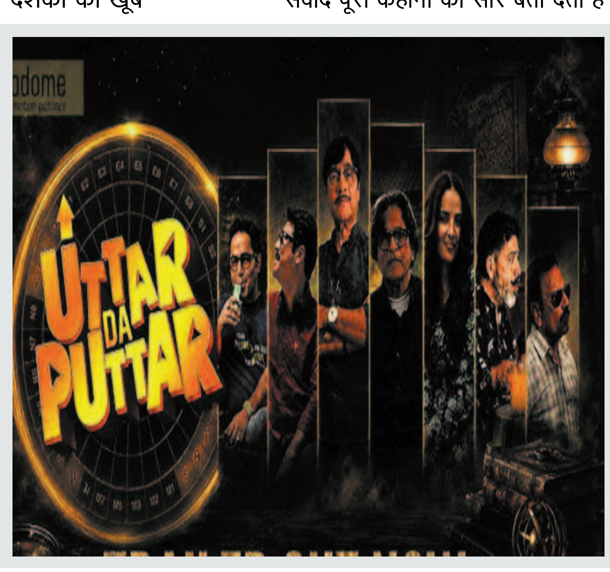

संक्षिप्त समाचार

ग्लोबल वॉर्मिंग का कहर : यूरोप में रिकॉर्ड तोड़ गर्मी ने ली 10,000 लोगों की जान, बुजुर्गों पर सबसे ज्यादा आफत

लंदन, एजेंसी। यूरोप ने इस साल अप्रत्याशित रूप से भीषण गर्मी का सामना किया और पूरे महाद्वीप से संकलित आंकड़ों के मुताबिक, तापमान में बेतहाशा वृद्धि से जुड़ी घटनाओं में सामान्य से कहीं अधिक करीब 10 हजार लोगों की जान गई है। अध्ययनकर्ताओं के अनुसार, जून के अंत में इसमें तेजी से तब वृद्धि हुई जब यूरोप के कुछ हिस्सों में तापमान ने रिकॉर्ड तोड़ दिया। जानकारों का कहना है कि पूरी स्थिति समझने में समय लगता है और गर्मी से होने वाली कई मौतों को आधिकारिक तौर पर उस तरह दर्ज नहीं किया जाता। उदाहरण के लिए, भीषण गर्मी से दिल का दौरा पड़ सकता है, खासतौर पर उन लोगों को जो उम्रदराज हैं और पहले से किसी गंभीर बीमारी से ग्रस्त हैं। लेकिन उनकी मौत होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र में मौत की वजह दिल का दौरा लिखा जा सकता है। अध्ययनकर्ताओं के मुताबिक गर्मियों की शुरुआत चिंताजनक रही है। पिछले कुछ वर्षों में यूरोप में कई बार भीषण गर्मी पड़ी जिसकी वजह से हजारों लोगों की मौत हुई है। जलवायु परिवर्तन की वजह से भीषण गर्मी की आवृत्ति बढ़ रही है। यूरोएमओएमओ के आंकड़े कहते हैं, 28 जून को खत्म हुए सप्ताह में करीब 14,260 अधिक मौतें हुईं। इनमें से 12,000 से अधिक मौतें 65 वर्ष और उससे ज्यादा उम्र के लोगों की थीं। यह उस हफ्ते हुई कुल 84,583 मौतों में से था।

मेक्सिको के तट पर आया शक्तिशाली भूकंप, रिक्टर पैमाने पर 7.4 तीव्रता; सुनामी की चेतावनी जारी

मेक्सिको, एजेंसी। मेक्सिको के दक्षिणी राज्य चियापास के तट के पास 7.4 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया। इसके बाद सुनामी की चेतावनी जारी कर दी गई है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार, भूकंप का केंद्र मेक्सिको के शहर प्यूर्टो मादेरो के पास था। इसकी गहराई जमीन से केवल 10 किलोमीटर नीचे थी। भूकंप के बाद अमेरिकी सुनामी चेतावनी प्रणाली ने इस क्षेत्र के लिए सुनामी की आशंका जताते हुए चेतावनी जारी की है। रॉयटर्स ने एक चश्मदीद के हवाले से कहा, भूकंप के झटकों से ग्वाटेमाला सिटी में इमारतें हिल गईं। एक अन्य चश्मदीद ने रॉयटर्स को बताया कि एल सल्वाडोर में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। ग्वाटेमाला के राष्ट्रपति बर्नार्डो अरेवालो ने कहा कि भूकंप के कारण अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, अभी तक कोई मौत नहीं हुई है और हम हर मिनट स्थिति पर नजर रख रहे हैं। उन्होंने लोगों से शांति बनाए रखने और ऐसे हालात में जारी की जाने वाली सलाह का पालन करने की अपील की। मेक्सिको के दक्षिणी राज्य ओआक्साका के गवर्नर ने कहा कि भूकंप के झटके राज्य की राजधानी में 'मध्यम तीव्रता' के साथ महसूस किए गए। सलोमोन जारा ने सोशल मीडिया पर बताया कि अभी तक किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं मिली है। भूकंप के बाद ग्वाटेमाला की राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया एजेंसी (कॉनरेड) ने एहतियाती कदम उठाते हुए लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है। एजेंसी की ओर से ऑनलाइन साझा की गई तस्वीरों में यह दिखाया गया है। कॉनरेड ने लोगों से अपील की है कि वे शांत रहें, अधिकारियों के निर्देशों का पालन करें और केवल आधिकारिक माध्यमों से मिली जानकारी पर भरोसा करें।

अमेरिकी हमले में चाबहार बंदरगाह का समुद्री ट्रैफिक कंट्रोल टावर नष्ट; ईरान ने किया पलटवार

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने शुक्रवार को दावा किया कि अमेरिका के ताजा हमलों में ईरान के मकरान इलाके में स्थित चाबहार बंदरगाह का समुद्री यातायात नियंत्रण टावर नष्ट हो गया है। ईरान ने इसे 'घृणित हमला' बताया और कहा कि यह हमला मछुआरों की आजीविका और क्षेत्र में आम नागरिकों की समुद्री सुरक्षा को निशाना बनाकर किया गया। ईरान ने तस्नीम समाचार एजेंसी के हवाले से जारी बयान में कहा कि अमेरिकी सेना ने तीन मिसाइलें दागकर एक 'पूरी तरह से नागरिक ढांचे' को नष्ट कर दिया। बयान में कहा गया कि अहम बुनियादी ढांचे पर अमेरिकी हमले एक बार फिर पश्चिमी देशों के दोहरे मापदंड और वाशिंगटन की ओर से खुद बनाए गए अंतरराष्ट्रीय समझौतों की अनदेखी को दिखाते हैं। इस बीच, अमेरिकी सेना की मध्य कमान (सेंटकॉम) ने एक्स पर एक पोस्ट में दावा किया कि उसने चाबहार के शाहिद कालंतरी बंदरगाह पर बने निगरानी टावर को सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया। यह टावर ईरान के ओमान की खाड़ी वाले तट पर बने समुद्री निगरानी नेटवर्क का हिस्सा था, जिसका इस्तेमाल दशकों से इस्लामी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले वाणिज्यिक जहाजों पर नजर रखने और उन्हें निशाना बनाने के लिए करता आ रहा था। इस टावर के नष्ट होने से आईआरजीसी की निर्दोष आम नागरिकों (चालक दल के सदस्यों) पर हमले की योजना बनाने और उन्हें अंजाम देने की क्षमता सीधे तौर पर कम हो गई है।

बहरीन में अमेरिकी एयरबेस पर ईरान का हमला; अमेरिका की नागरिकों से पश्चिम एशिया ना जाने की सलाह

तेहरान, एजेंसी। ईरान में सातवें दिन भी अमेरिकी हमले जारी हैं। अमेरिकी सेना ने कार्रवाई और हवाई हमलों के दौरान ईरान में पुलों और पानी के प्लांट पर बम बरसाए हैं। अमेरिकी सेना की कार्रवाई होर्मुज में गतिरोध को लेकर ट्रंप की धमकी के बाद हो रही है। कुवैत के बिजली, जल और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने बताया कि ईरान के ताजा हमलों के बाद एक बिजली और समुद्री जल विलवणीकरण (डिसैलिनेशन) संयंत्र के एक हिस्से में आग लग गई। इसके बाद एहतियात के तौर पर बिजली उत्पादन की कई यूनिटों को बंद कर दिया गया, ताकि संयंत्र, कर्मचारियों और राष्ट्रीय बिजली ग्रिड की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। मंत्रालय ने कहा कि आपातकालीन योजनाएं तुरंत लागू कर दी गई हैं और बिजली व पानी की आपूर्ति को सामान्य बनाए रखने के लिए चौबीसों घंटे निगरानी की जा रही है।

ईरान के 20 गांवों में पेयजल संकट से 10 हजार लोग प्रभावित : ईरान के होर्मोजगान प्रांत के जास्क काउंटी स्थित बुंजी गांव में अमेरिकी हमले के बाद जल विलवणीकरण संयंत्र और समुद्री जल पंपिंग स्टेशन पूरी तरह तबाह हो गए। होर्मोजगान जल एवं अपशिष्ट जल कंपनी के सीईओ हमजेह पूर के अनुसार, इस हमले से करीब 20 गांवों के लगभग 10 हजार लोगों की पेयजल आपूर्ति पूरी तरह बाधित हो गई है। उन्होंने अमेरिकी कार्रवाई को 'आतंकी हमला' बताते हुए कहा कि प्रभावित गांव गंभीर जल संकट का सामना कर रहे हैं।

ईरान ने कुवैत और बहरीन में अमेरिकी ठिकानों को बनाया निशाना : ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने दावा किया है कि उसकी नौसेना ने कुवैत के अल-अहमदी बंदरगाह पर अमेरिकी नौसेना के ईंधन आपूर्ति पियर और बहरीन के शेख ईसा एयरबेस पर ड्रोन और मिसाइलों से हमला किया। तसनीम समाचार एजेंसी के अनुसार, ढ्रन्नष्ट ने यह भी दावा किया कि बहरीन में अमेरिकी खुफिया डेटा सेंटर 'बटेल्को' और कुवैत में अमेरिकी सिग्नल एवं दूरसंचार केंद्र को भी नष्ट कर दिया गया। इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।

कुवैत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उड़ान बंद : ईरान की ओर से हुए ताजा हमलों के बाद सुरक्षा कारणों से कुवैत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उड़ानों के टेकऑफ और लैंडिंग संचालन को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है। कुवैत एयरवेज ने यात्रियों को जारी नए अपडेट में इसकी जानकारी दी और कहा कि हालात सामान्य होने तक विमान संचालन प्रभावित रहेगा। इससे पहले एयरलाइन ने हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण अपनी अधिकांश उड़ानों का समय पुनर्निर्धारित (रीशेड्यूल) करने की घोषणा की थी और यात्रियों से उड़ानों से जुड़े अपडेट पर लगातार नजर रखने की अपील की थी।

पश्चिमी तेल कंपनियों के साथ इराक ने किए समझौते : इराक सरकार ने पश्चिमी तेल कंपनियों के साथ कई अहम प्रारंभिक समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं, जिनका उद्देश्य ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के साथ-साथ तेल निर्यात के वैकल्पिक मार्ग विकसित करना है। अमेरिका के वॉशिंगटन डीसी स्थित यूएस चैंबर ऑफ कॉमर्स में आयोजित अमेरिका-इराक बिजनेस समिट के दौरान हुए इन समझौतों में इराक-सीरिया कच्चा तेल पाइपलाइन के पुनर्निर्माण की योजना भी शामिल है। यह लंबे समय से बंद पड़ी पाइपलाइन उत्तरी इराक के तेल समृद्ध किर्कुक क्षेत्र को सीरिया के भूमध्यसागरीय बंदरगाह बनियास से जोड़ती है। इराक इस परियोजना के जरिए होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपनी निर्भरता कम कर वैकल्पिक निर्यात मार्ग तैयार करना चाहता है। इराक की सरकारी समाचार एजेंसी के अनुसार, इस परियोजना को अमेरिकी ऊर्जा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी शेवरॉन अंजाम देगी। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने अमेरिकी सैन्य ठिकानों की मेजबानी करने वाले देशों को चेतावनी देते हुए कहा है कि वे 'उचित जवाबी कार्रवाई' के लिए तैयार रहें।

अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी तस्नीम के अनुसार, ने ऐसे देशों से अपने नागरिक सुरक्षा तंत्र (सिविल डिफेंस) को सक्रिय करने, नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और उन्हें संभावित सैन्य ठिकानों से दूर ले जाने को कहा है। इन देशों की जमीन का इस्तेमाल ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई शुरू करने के लिए किया जा रहा है। तस्नीम की रिपोर्ट के मुताबिक की जमीनी सेना ने ड्रोन और मिसाइलों से कुवैत स्थित अमेरिकी सैन्य लॉजिस्टिक्स हब कैंप अरिफजान को निशाना बनाया, जिसमें वहां मौजूद सैन्यकर्मियों के हताहत होने का दावा किया गया है। इसके साथ ही ने कुवैत के अली अल सलेम एयर बेस पर भी हमला करने, वहां की रडार प्रणाली को निष्क्रिय करने तथा हथियारों के रखरखाव वाले हैंगर और ड्रोन सुविधा को नष्ट करने का दावा किया है।

तीस्ता परियोजना पर बांग्लादेश ने क्यों थामा चीन का हाथ, भारत की चिंता की वजह क्या है?

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश ने तीस्ता नदी परियोजना के लिए चीन का हाथ थाम लिया है। प्रधानमंत्री तारिक रहमान की चीन यात्रा के दौरान दोनों देशों ने इस परियोजना की फीजिबिलिटी स्टडी कराने का समझौता किया। फिलहाल यह केवल शुरुआती अध्ययन है, लेकिन इसे चीन के बढ़ते रणनीतिक प्रभाव के रूप में देखा जा रहा है। यह परियोजना भारत के सबसे संवेदनशील इलाकों में से एक सिलीगुड़ी कॉरिडोर (चिकन नेक) के बेहद करीब है। तीस्ता नदी का उद्गम सिक्किम के पूर्वी हिमालय में होता है। इसके बाद यह पश्चिम बंगाल से होकर बांग्लादेश में प्रवेश करती है और अंत में जमुना (भारत में ब्रह्मपुत्र) नदी में मिल जाती है। तीस्ता नदी की कुल लंबाई 414 किलोमीटर है, जिसमें से लगभग 113 किलोमीटर हिस्सा बांग्लादेश में बहता है, जबकि शेष भाग भारत (सिक्किम और पश्चिम बंगाल) में स्थित है।

यह नदी दोनों देशों के लिए सिंचाई, कृषि, पेयजल, मत्स्य पालन और बाढ़ नियंत्रण का प्रमुख स्रोत है। खासकर बांग्लादेश के उत्तरी जिलों की खेती काफी हद तक इसी नदी पर निर्भर है। हालांकि सर्दियों में पानी की भारी कमी और मानसून में बाढ़ यहां की सबसे बड़ी समस्या है।

तीस्ता को लेकर कौन से प्रोजेक्ट पर काम कर रहा है बांग्लादेश : तीस्ता रिवर कॉम्प्रिहेंसिव मैनेजमेंट एंड रिस्टोरेशन प्रोजेक्ट बांग्लादेश की सबसे बड़ी नदी प्रबंधन परियोजनाओं में से एक है। अमेरिकी विश्वविद्यालय लॉक हेवन की रिसर्च के अनुसार, इस परियोजना का मकसद तीस्ता नदी को इस तरह विकसित करना है कि पानी का बेहतर इस्तेमाल हो सके और नदी से जुड़ी समस्याएं कम हों। इसके लिए सात मुख्य लक्ष्य तय किए गए हैं।

इस परियोजना की शुरुआत कब हुई : जुलाई 2019 में प्रधानमंत्री शेख हसीना की चीन यात्रा के दौरान चीन ने तीस्ता परियोजना में सहयोग का आश्वासन दिया था। इसके बाद बांग्लादेश ने चीन की सरकारी पावर कंपनी के साथ तकनीकी सहयोग और लगभग 853 मिलियन डॉलर की वित्तीय सहायता पर सहमति बनी। 2020 में शेख हसीना सरकार ने इस परियोजना का खाका पेश किया। लेकिन आर्थिक कारणों और भारत की सुरक्षा चिंताओं के चलते इसे अंतिम मंजूरी नहीं मिली। द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश के जल संसाधन मंत्रालय ने 2020 में आर्थिक संबंध प्रभाग (श्रत्रष्ठ) को पत्र लिखकर इस परियोजना के लिए चीन से 983.27 मिलियन डॉलर (करीब 98.3 करोड़ डॉलर) का कर्ज उपलब्ध कराने का अनुरोध किया था। यह ऋण सीधे टीआरसीएमआरपी को लागू करने के लिए मांगा गया है। अब तारिक रहमान सरकार ने चीन के साथ इस परियोजना को फिर से आगे बढ़ाने का फैसला किया है।

जेडी वेंस के परिवार से परेशान हुई सीक्रेट सर्विस; उपराष्ट्रपति के किन मांगों पर एजेंटों ने जताई नाराजगी?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और उनके परिवार की सुरक्षा में तैनात अमेरिकी सीक्रेट सर्विस के कई एजेंट कथित तौर पर उनकी बार-बार होने वाली अचानक यात्रा योजनाओं और आखिरी समय में बदले जाने वाले कार्यक्रमों से परेशान हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, इन लगातार बदलावों से सुरक्षा व्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है, टीम का मनोबल प्रभावित हो रहा है और सरकारी धन के अनावश्यक खर्च को लेकर भी शिकायतें सामने आई हैं।

एमएस नाउ की रिपोर्ट के अनुसार, एक घटना ने कई सुरक्षा एजेंटों को खास तौर पर नाराज कर दिया। बताया गया कि वेंस और उनके छोटे बेटे को गोल्फ सीखने के लिए वॉशिंगटन के एक हिस्से से दूसरे हिस्से तक मरीन टू हेलीकॉप्टर से ले जाने का प्रस्ताव रखा गया था। हालांकि खराब मौसम के कारण यह उड़ान नहीं हो सकी, लेकिन केवल इस तरह का प्रस्ताव ही कई एजेंटों को हैरान कर गया। रिपोर्ट के मुताबिक, एक एजेंट ने निजी संदेश में कहा कि यह पूरी तरह बेतुका है। माइक पेंस और कमला हैरिस ने कभी ऐसा नहीं किया। एक दूसरे एजेंट ने कहा कि ये लोग हर समय अपना कार्यक्रम बदल देते हैं। तय समय का पालन नहीं करते और इससे करदाताओं के लाखों डॉलर बेवजह खर्च होते हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि मरीन टू हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल करने के लिए व्हाइट हाउस सैन्य कार्यालय की मंजूरी जरूरी होती है। वर्ष 2022 के पेंटागन के बजट के अनुसार, इस हेलीकॉप्टर को उड़ाने पर हर घंटे 16 हजार से 24 हजार 600 अमेरिकी डॉलर तक खर्च आता है। सूत्रों के अनुसार, सरकारी हेलीकॉप्टर के इस्तेमाल पर कोई औपचारिक रोक नहीं है, लेकिन इस तरह की यात्रा पहले कभी नहीं हुई। उनका कहना है कि ऐसी अचानक की गई मांगों से सुरक्षा एजेंसियों पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि जेडी वेंस और उनकी पत्नी उषा वेंस, जो अमेरिका की सेकेंड महिला हैं, हाल ही में नया घर देखने के लिए वर्जीनिया के मिडलबर्ग कई बार हेलीकॉप्टर से गए। दंपति के तीन बच्चे हैं, जिनकी उम्र 9, 6 और 4 वर्ष है। रिपोर्ट के अनुसार, वे अपने चौथे बच्चे के आने का इंतजार कर रहे हैं।

पीओके में हो रही हिंसा पर हृ की एंट्री: पाकिस्तान से मांगा जवाब; नेताओं की गिरफ्तारी और इंटरनेट बंदी पर सवाल

नईदिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में जारी अशांति को लेकर संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय ने गहरी चिंता जताई है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क ने क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच संयम बरतने की अपील की है और प्रदर्शनकारियों के साथ-साथ सुरक्षाबलों की मौतों की निष्पक्ष, त्वरित और व्यापक जांच कराने की मांग की है। जिनेवा से शुक्रवार को जारी बयान में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय ने कहा कि जुलाई के अंत में होने वाले क्षेत्रीय चुनावों से पहले पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में अशांति की लहर देखने को मिल रही है। बयान के मुताबिक, 27 जुलाई को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले जून से अब तक दर्जनों लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें अधिकांश प्रदर्शनकारी हैं, जबकि कुछ कानून-व्यवस्था बनाए रखने वाले सुरक्षाकर्मी भी शामिल हैं।

मौतों की निष्पक्ष जांच की मांग क्यों की गई : संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क ने अशांति के दौरान हुई सभी मौतों की त्वरित, गहन और निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाबलों, दोनों पक्षों में हुई मौतों की परिस्थितियों की पारदर्शी जांच होनी चाहिए ताकि जवाबदेही सुनिश्चित की जा सके।

जेएएसी पर प्रतिबंध क्यों लगाया गया : बयान के अनुसार, विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व कर रही संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी पर आतंकवाद-रोधी कानूनों के तहत प्रतिबंध लगा दिया गया है। इस संगठन में व्यापारी, ट्रांसपोर्टर, छात्र, वकील, सामाजिक कार्यकर्ता और विभिन्न वर्गों के लोग शामिल हैं। पाकिस्तान प्रशासन का आरोप है कि यह संगठन सार्वजनिक व्यवस्था और सुरक्षा के लिए खतरा बन रहा था। प्रतिबंध के बाद संगठन के कई नेताओं को भी गिरफ्तार कर लिया गया है।

हृ ने नागरिक अधिकारों को लेकर क्या चिंता जताई : संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि किसी नागरिक संगठन को अपराधी घोषित करना और सार्वजनिक सभाओं पर कड़े प्रतिबंध लगाना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, शांतिपूर्ण सभा करने के अधिकार और संगठन बनाने की स्वतंत्रता जैसे बुनियादी अधिकारों के उल्लंघन को लेकर गंभीर चिंता पैदा करता है। वोल्कर तुर्क ने कहा कि गिरफ्तार किए गए छ्रष्ट नेताओं को कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जानी चाहिए और उन्हें अपने परिवारों से संपर्क करने का अवसर मिलना चाहिए। साथ ही उनके निष्पक्ष सुनवाई और विधिसम्मत प्रक्रिया के सभी अधिकारों की पूरी तरह गारंटी दी जानी चाहिए। संयुक्त राष्ट्र ने क्षेत्र में इंटरनेट सेवाओं पर लगाए गए।

ईरान की यूएस को चेतावनी: अमेरिकी हमले जारी रहे तो 2-3 दिन में आएगी तबाही; क्या पूरे पश्चिम एशिया में फैलेगी जंग?

तेहरान, एजेंसी। ईरान के एक शीर्ष सैन्य सलाहकार ने संयुक्त राज्य अमेरिका को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगर अमेरिका दो से तीन दिनों तक ईरान के खिलाफ युद्ध जारी रखता है, तो देश आक्रामक और विनाशकारी चरण में प्रवेश करेगा। ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई के सैन्य सलाहकार मोहसेन रेजाई ने सरकारी टीवी चैनल आईआरआईबी को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि 'युद्ध और वार्ता' की नीति समाप्त हो गई है। उन्होंने आगे कहा कि अगर अमेरिकी हमले जारी रहते हैं, तो ईरान के सशस्त्र बल अब केवल जवाबी हमलों तक सीमित नहीं रहेंगे। अमेरिकी ठिकाने और सेनाएं किसी भी राजनीतिक सीमा के भीतर सुरक्षित नहीं रहेंगी। रेजाई ने कहा कि ईरान ने अब तक युद्ध को व्यापक क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय संकट में बदलने से रोकने के लिए संयम बरता है। उन्होंने युद्ध को क्षेत्रीय युद्ध में बदलकर अमेरिका पर गलत अनुमान लगाने का आरोप लगाया।

उन्होंने चेतावनी दी कि अगर संयुक्त राज्य अमेरिका ईरान विरोधी कार्रवाई जारी रखता है, तो ईरान जमीनी बलों सहित अतिरिक्त सैन्य क्षमताओं को तैनात करेगा और युद्ध का दायरा बढ़ जाएगा। रेजाई ने कुवैत, जॉर्डन, संयुक्त अरब अमीरात और कतर सहित क्षेत्रीय देशों के लोगों से भी आगे तनाव बढ़ने से रोकने में मदद करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि वर्तमान चरण में भी, अमेरिकी हमलों के जवाब में ईरान की प्रतिक्रिया बहुत तीव्र रही है। वहीं, चेतावनी दी कि आने वाले दिनों में ईरानी सैन्य अभियानों की तीव्रता बढ़ेगी। रेजाई ने कहा, 'अमेरिका को मिसाइल और ड्रोन हमलों की बढ़ती लहरों का इंतजार करना होगा। उन्होंने वाशिंगटन को ईरान के खिलाफ किसी भी जमीनी अभियान के खिलाफ चेतावनी दी।

ईरान ने एक जहाज को निशाना बनाया : इस बीच, ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी तसनीम ने शुक्रवार को बताया कि ईरानी सेना ने दिन में पहले होर्मुज जलडमरूमध्य में एक उल्लंघन करने वाले जहाज को निशाना बनाया। एक जानकार सैन्य सूत्र का हवाला देते हुए, तसनीम ने कहा कि थाई ध्वज वाले जहाज ने ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड कोर की नौसेना से आवश्यक अनुमति प्राप्त किए बिना जलडमरूमध्य को पार करने का प्रयास किया और चेतावनियों को नजरअंदाज किया।

पिछले कई दिनों से, अमेरिकी सेना ने ईरान के दक्षिणी प्रांतों के खिलाफ कई बार हमले किए हैं। यह दावा करते हुए कि ये हमले ईरानी सशस्त्र बलों द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों को निशाना बनाने के जवाब में हैं। इनका उद्देश्य वाणिज्यिक जहाजों को धमकी देने की ईरान की क्षमता को कमजोर करना है। ईरान ने इसके जवाब में पूरे क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य ठिकानों और सुविधाओं को निशाना बनाते हुए मिसाइल और ड्रोन हमलों की कई लहरें चलाईं।

अमेरिकी सेना ने चाबहार के निगरानी टावर को बनाया निशाना; होर्मुज से जहाजों की आवाजाही बेहद कम

वाशिंगटन, एजेंसी। खाड़ी देश अब एक ऐसी आग में झुलस रहे हैं, जिसे बुझाना नामुमकिन लग रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सीधी चेतावनी के बाद अमेरिकी लड़ाकू विमानों ने लगातार छठी रात ईरान को बमों से पाट दिया है। यह हमला कितना भीषण है, इसका अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि अमेरिकी मिसाइलों ने इस बार सिर्फ सैन्य ठिकाने नहीं, बल्कि ईरान की लाइफलाइन कहे जाने वाले पुलों, रेलवे स्टेशनों और एयरपोर्ट को मलबे के ढेर में तब्दील कर दिया है। रणनीतिक रूप से सबसे महत्वपूर्ण समुद्री रास्ते 'होर्मुज जलडमरूमध्य' के पास भारी तबाही हुई है, जिससे ईरान के कई शहरों का आपस में संपर्क पूरी तरह टूट गया है। जवाब में बौखलाए ईरान ने भी अमेरिकी बेस वाले बहरीन और कुवैत पर मिसाइलें और ड्रोन दागकर भीषण पलटवार कर दिया है। क्या अब खाड़ी के रास्ते पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था ठप हो जाएगी।

अमेरिकी सेना ने चाबहार के निगरानी टावर को नष्ट करने का किया दावा : अमेरिकी सेना की मध्य कमान (सेंटकॉम) ने एक्स पर एक पोस्ट में दावा किया कि उसने चाबहार के शाहिद कालंतरी बंदरगाह पर बने निगरानी टावर को सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया। यह टावर ईरान के ओमान की खाड़ी वाले तट पर बने समुद्री निगरानी नेटवर्क का हिस्सा था, जिसका इस्तेमाल दशकों से इस्लामी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले वाणिज्यिक जहाजों पर नजर रखने और उन्हें निशाना बनाने के लिए करता आ रहा था। इस टावर के नष्ट होने से आईआरजीसी की निर्दोष आम नागरिकों (चालक दल के सदस्यों) पर हमले की योजना बनाने और उन्हें अंजाम देने की क्षमता सीधे तौर पर कम हो गई है। इसके अलावा, यह कार्रवाई क्षेत्र के जलक्षेत्र में सभी जहाजों के लिए आवाजाही की स्वतंत्रता को सुरक्षित करती है, सिवाय उन जहाजों के जो ईरान के खिलाफ अमेरिकी नौसेना की नाकेबंदी को तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। कुवैत ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि ईरान ने उसके एक बिजली उत्पादन और समुद्री जल को पीने योग्य बनाने वाले (डिसैलिनेशन) संयंत्र पर हमला किया, जिससे स्टेशन को व्यापक नुकसान पहुंचा। कुवैत के बिजली, जल एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के अनुसार, हमले के बाद आग लग गई और बिजली उत्पादन की कई इकाइयों को क्षति पहुंची। मंत्रालय ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है और नुकसान का आकलन करने के साथ-साथ संयंत्र को दोबारा चालू करने के प्रयास जारी हैं। कुवैत में करीब 90 प्रतिशत पेयजल समुद्री जल के डिसैलिनेशन से प्राप्त होता है, ऐसे में इस तरह का हमला देश की जल आपूर्ति और आवश्यक सेवाओं के लिए गंभीर चुनौती माना जा रहा है। अमेरिकी हमलों के बाद ईरान ने होर्मोजगान प्रांत में रेलवे के एक महत्वपूर्ण बिंदु को हुए नुकसान के चलते बंदर अब्बास स्टेशन से यात्री ट्रेनों के परिचालन पर अस्थायी प्रतिबंध लगा दिया है।

कनाडा के धुएं पर भड़के ट्रंप: नया टैरिफ लगाने की दी धमकी, क्या जंगल की आग से यूएस को हुआ अरबों डॉलर का नुकसान?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कनाडा पर अतिरिक्त शुल्क लगाने की धमकी दी। इसके साथ ही ओटावा पर अपने जंगलों का प्रबंधन करने में विफल रहने और जंगल की आग के धुएं को संयुक्त राज्य अमेरिका के कुछ हिस्सों में फैलने देने का आरोप लगाया। राष्ट्रपति ट्रंप ने इसे गंदी, प्रदूषित और अस्वास्थ्यकर हवा बताया।

ट्रंप ने कनाडा पर क्या आरोप लगाए : ट्रूथ सोशल पर एक पोस्ट में, ट्रंप ने कहा 'हम कनाडा को इस बात के लिए जिम्मेदार ठहरा रहे हैं कि वे अपने जंगलों और उनमें उगने वाली झाड़ियों का ठीक से रखरखाव नहीं कर रहे हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका अनावश्यक रूप से गंदी, प्रदूषित और अस्वास्थ्यकर हवा से प्रभावित हो रहा है, जिसकी गुणवत्ता खतरनाक और बिल्कुल अस्वीकार्य है।'

प्रधानमंत्री कार्नी से करेंगे बात : उन्होंने यह भी कहा कि वे स्पष्टीकरण मांगने और इस मुद्दे को सुलझाने के लिए कनाडा की योजनाओं पर चर्चा करने के लिए कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी से बात करेंगे। ट्रंप ने आगे कहा 'मैं दिन में प्रधानमंत्री को फोन करके पता लगाऊंगा कि वे इस बारे में क्या करने वाले हैं। इसकी लागत का अंदाजा लगाना मुश्किल है!'

क्या अमेरिका को अरबों का नुकसान हुआ है: ट्रंप ने कनाडा पर पर्याप्त वन प्रबंधन और मलबा हटाने से इनकार करने का आरोप लगाते हुए इसे जानबूझकर की गई लापरवाही करार दिया। इसके साथ ही दावा किया कि बार-बार होने वाली जंगल की आग के धुएं से संयुक्त राज्य अमेरिका को अरबों डॉलर का नुकसान हुआ है। उन्होंने आगे कहा, 'इस प्रदूषण की लागत को कनाडा की ओर से वर्तमान में भुगतान किए जा रहे टैरिफ में अनिवार्य रूप से जोड़ा जाना चाहिए।

नासा ने क्या बताया : ट्रंप की ये टिप्पणियां ऐसे समय आईं जब कनाडा में

लगी सैकड़ों सक्रिय जंगल की आग से निकलने वाला धुआं सीमा पार करके अमेरिका के कई राज्यों में फैल गया, जिससे वायु गुणवत्ता संबंधी चेतावनी जारी की गई। नासा के अनुसार, कनाडा में लगी लगभग 850 सक्रिय जंगल की आग से निकलने वाला धुआं, जिसमें ओंटारियो में लगी 180 से अधिक आग भी शामिल हैं, ऊपरी मध्यपश्चिम से लेकर उत्तरपूर्व तक फैले अमेरिका के 20 से अधिक राज्यों में फैल चुका है।

कनाडा के कितने जंगलों में लगी आग : कैनेडियन इंटरएजेंसी फॉरेस्ट फायर सेंटर ने बताया कि शुक्रवार को कनाडा भर में लगभग 888 जंगल की आग लगी हुई थी, जिनमें से अधिकांश पर काबू पाना असंभव था। इनमें से 190 से अधिक आग ओंटारियो में लगी थीं। जंगल की आग से निकले धुएं ने मिनेसोटा, मिशिगन, पेंसिल्वेनिया, ओहियो और न्यूयॉर्क सहित संयुक्त राज्य अमेरिका के कई हिस्सों में वायु गुणवत्ता को प्रभावित किया है। आईक्यूएयर के अनुसार, शुक्रवार को डेट्रॉइट में दुनिया की सबसे खराब वायु गुणवत्ता दर्ज की गई, जिसके बाद शिकागो, वाशिंगटन डीसी और न्यूयॉर्क का स्थान रहा। टैरिफ लगाने की धमकी कई रिपब्लिकन सांसदों की आलोचना के बाद आई है, जिन्होंने कनाडा पर बार-बार लगने वाली जंगल की आग के धुएं को अमेरिका में प्रवेश करने से रोकने के लिए पर्याप्त कार्रवाई न करने का आरोप लगाया है। ट्रंप की नया नवीनतम टैरिफ चेतावनी पर कनाडाई अधिकारियों ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। इससे पहले, प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा कि जलवायु परिवर्तन से निपटने की जिम्मेदारी कनाडा और संयुक्त राज्य अमेरिका दोनों की है। वहीं, प्रीमियर डग फोर्ड ने वाशिंगटन से कनाडा की प्रतिक्रिया की आलोचना करने के बजाय अतिरिक्त सहायता भेजने का आग्रह किया। हालांकि, वैज्ञानिकों का कहना है कि जंगल की आग से निकलने वाला धुआं मुख्य रूप से मौसम की स्थितियों से प्रभावित होता है, न कि राजनीतिक सीमाओं से।

टोरंटो विश्वविद्यालय के डॉ. पैट्रिक जेम्स ने कहा, 'मौसम को अंतरराष्ट्रीय सीमाओं से कोई लेना-देना नहीं है।' इसके साथ ही बताया कि हाल के वर्षों में अमेरिका में लगी भीषण जंगल की आग से निकलने वाले धुएं ने कनाडा को भी प्रभावित किया है। विशेषज्ञों ने आगे कहा कि वर्तमान में लगी कई आग कनाडा के विशाल, दूरस्थ जंगलों में जल रही हैं।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)